@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 7 जनवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 58 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

काठमांडू में बुद्धा एयरलाइन के विमान के इंजन में लगी आग

काठमांडू, 6 जनवरी। नेपाल की बुद्धा एयरलाइंस के एक विमान के बाएं इंजन में आग लग गई। इसके बाद काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। विमान में चालक दल के सदस्यों समेत 76 यात्री सवार थे। त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने एक बयान जारी करके इस आपात लैंडिंग के संबंध में जानकारी दी। उसने बताया कि विमान ने वीओआर लैंडिंग की और सुरक्षित हवाईअड्डे पर लौट आया। फिलहाल किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

चंद्रगड़ी जा रही उड़ान संख्या बीएचए 953 ने स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजकर 37 मिनट पर उड़ान भरी। उड़ान भरने के कुछ समय बाद ही बाएं इंजन में आग लग गई। सुबह सवा 11 बजे इसकी त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर वीओआर लैंडिंग की गई। विमान में सवार सभी 72 यात्री और चार क्रू मेंबर पूरी तरह सुरक्षित हैं। वीओआर लैंडिंग पायलट्स द्वारा ग्राउंड-बेस्ड रेडियो स्टेशन जिसे वीओआर (वेरी हाई फ्रीक्वेंसी ऑम्निडायरेक्शनल रेंज) कहा जाता है, से सिग्नल का उपयोग करके हवाई जहाज को नेविगेट करने और लैंड करने का एक तरीका है। इमरजेंसी लैंडिंग का यह तरीका पायलट्स को रनवे के साथ हवाई जहाज को एक सीध में लाने में मदद करता है, जब अंधेरा होने, धुंध या बारिश की वजह से उन्हें रनवे स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं पड़ता। बुद्धा एयरलाइन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, काठमांडू से भद्रापुर जाने वाली उड़ान संख्या 953 के दाहिने इंजन में तकनीकी समस्या के बाद काठमांडू वापस मोड़ दिया गया। विमान ने त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सवा 11 बजे सुरक्षित लैंडिंग की। हमारी तकनीकी टीम वर्तमान में विमान का निरीक्षण कर रही है। यात्रियों को भद्रापुर भेजने के लिए अन्य उड़ान की व्यवस्था की जा रही है।

जम्मू रेल मंडल और तेलंगाना में टर्मिनल स्टेशन का किया शुभारंभः पीएम मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 6 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये रेल परियोजनाओं की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने जम्मू रेलवे डिवीजन का शुभारंभ किया। साथ ही तेलंगाना में चार्लापल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन किया। इसके अलावा पूर्वी तट रेलवे के रायगडा रेलवे डिवीजन भवन की आधारशिला रखी। पीएम मोदी ने कहा कि 2025 की शुरुआत से ही भारत कनेक्टिविटी की तेज रफ्तार बनाए हुए है। मैंने कल दिल्ली हृष्टक्र में नमो भारत ट्रेन का शानदार अनुभव लिया और दिल्ली मेट्रो की अहम परियोजनाओं की शुरुआत की। कल भारत ने बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हमारे देश में अब मेट्रो नेटवर्क एक हजार किलोमीटर से ज्यादा का हो गया है। पीएम मोदी ने कहा कि 2-3 दिन पहले मैं एक वीडियो देख रहा था इसमें वंदे भारत ट्रेन का नया स्लीपर वर्जन ट्रायल में 180 किमी/घंटा की गति से चल रहा था। यह न केवल मुझे अच्छा लग रहा है, बल्कि निश्चित रूप से सभी को अच्छा लगा होगा। यह तो बस शुरुआत है। वह समय दूर नहीं जब देश में पहली बुलेट ट्रेन चलेगी। उन्होंने कहा कि हमने देखा है, पिछला एक दशक भारतीय रेलवे के ऐतिहासिक परिवर्तन का रहा है। रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में एक बदलाव आया है। इससे देश की छवि बदली है और देशवासियों का मनोबल भी बढ़ा है। भारत में रेलवे के विकास को हम चार पैरामीटर्स पर आगे बढ़ा रहे हैं। इसमें पहला रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर का आधुनिकीकरण, दूसरा रेलवे के यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं, तीसरा रेलवे की देश के कोने-कोने में कनेक्टिविटी और चौथा रेलवे से रोजगार का निर्माण, उद्योगों को सहयोग शामिल है। पीएम मोदी ने कहा कि बीते 10 साल में रेल कनेक्टिविटी का भी अद्भुत विस्तार हुआ है। 2014 तक देश में सिर्फ 35 प्रतिशत रेल लाइनों का विद्युतीकरण हुआ था। आज भारत रेल लाइनों के शत-प्रतिशत विद्युतीकरण के करीब है। हमने रेलवे की पहुंच को भी लगातार बढ़ाया किया है। बीते 10 साल में 30 हजार किमी से ज्यादा नए रेलवे ट्रैक बिछाए गए हैं। साथ ही सड़क संपर्क बढ़ाने के लिए हजारों ओवरपास और अंडरपास भी बनाए गए हैं। आज लोग कम समय में लंबी दूरी तय करना चाहते हैं। इसलिए हमने पूरे देश में हाई-स्पीड ट्रेनें चलाई हैं। आज 50 से अधिक रूटों पर वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। 136 वंदे भारत सेवाएं लोगों की यात्रा को आरामदायक बना रही हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हमारा जम्मू-कश्मीर आज रेल इंफ्रास्ट्रक्चर में नए रिकॉर्ड बना रहा है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लाइन की चर्चा आज पूरे देश में है। ये परियोजना जम्मू-कश्मीर को देश के और हिस्सों के साथ और बेहतरी से जोड़ेगी। इसी परियोजना के तहत दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे केबल पुल चिनाब का काम भी पूरा हुआ है।

आतिशी-प्रियंका पर टिप्पणी को लेकर भाजपा नेता को घेराः संजय सिंह

कौमी संवाददाता

दिल्ली, 6 जनवरी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी पर भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी की अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी पर आप नेता संजय सिंह ने हमला बोला है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस से सवाल भी पूछा। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी पर टिप्पणी पर अजय माकन चुप क्यों हैं? कालकाजी से कांग्रेस उम्मीदवार अलका लांबा ने कहा कि वे (रमेश बिधूड़ी) इतना निम्न चले गए हैं कि चुनाव शुरू भी नहीं हुए हैं, वह अभी उम्मीदवार बने हैं और वह अपनी पहली दो जनसभाओं में ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। जिस तरह की निचले स्तर की भाषा का इस्तेमाल उन्होंने पहले प्रियंका गांधी और अब दिल्ली के मुख्यमंत्री के खिलाफ किया, मुझे नहीं लगता कि कालकाजी के लोग ऐसे उम्मीदवार को कभी स्वीकार करेंगे। इससे पहले, दिल्ली की सीएम आतिशी पर बीजेपी नेता

रमेश बिधूड़ी के कथित आपत्तिजनक बयान पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि रमेश बिधूड़ी पहले भी ऐसे बयान दे चुके हैं। भाजपा पर सवाल उठता है कि जिस व्यक्ति ने पहले भी आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया है, उसे उम्मीदवार बनाया गया है, वो भी बहुत महत्वपूर्ण सीट से। जाहिर है कि वो जब भी मौका मिलेगा ऐसे बयान देंगे। उन्होंने सुबह प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ और शाम को सीएम आतिशी के खिलाफ अनुचित बयान दिए। सिर्फ माफ़ी मांगना काफी नहीं है, मुझे उम्मीद है कि उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। लेकिन, मैं आप को भी याद दिलाना चाहता हूं कि उन्होंने 10-12 साल पहले भी सबके खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिए थे, सोनिया गांधी और शीला दीक्षित जैसी बड़ी नेताओं के खिलाफ।

इसरो ने स्पेडेक्स मिशन की डॉकिंग टाली

बंगलूरू, 6 जनवरी। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने बताया है कि उसने अपने स्पेडेक्स मिशन के तहत होने वाले डॉकिंग परीक्षण को फिलहाल टाल दिया है। दरअसल पहले ये परीक्षण सात जनवरी को होना था, लेकिन अब यह नौ जनवरी को किया जाएगा। हालांकि इसरो ने परीक्षण टालने की वजह का खुलासा नहीं किया है। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह ने स्पेडेक्स मिशन को भारतीय डॉकिंग तकनीक नाम दिया था। यह पूरी तरह से भारतीय मिशन है और भारत पहली बार डॉकिंग परीक्षण को अंजाम देने जा रहा है। डॉकिंग मिशन के तहत विशेष रूप से डिजाइन दो अंतरिक्षयानों को पृथ्वी की निचली कक्षा में जोड़ा जाएगा। अभी तक केवल रूस, अमेरिका और चीन ने ही इस जटिल तकनीक में महारत हासिल की है और किसी भी देश ने इस मिशन की पेचीदियां को साझा नहीं किया है। अब भारत अपने दम पर इस उपलब्धि को हासिल करने की तैयारी कर रहा है।

दिल्ली में फाइनल वोटर लिस्ट जारी

नई दिल्ली, 6 जनवरी। दिल्ली में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। जिसको लेकर चुनाव आयोग ने सोमवार को अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है। इस बार एक करोड़ 55 लाख से ज्यादा मतदाता अपने मत का इस्तेमाल करेंगे। चुनाव आयोग के मुताबिक, दिल्ली विधानसभा चुनाव की अंतिम मतदाता सूची में कुल 1,55,24,858 मतदाता है। जिसमें 83 लाख पुरुष और 71 लाख महिला मतदाता शामिल हैं। फाइनल वोटर सूची जारी होने के बाद अब जल्द ही चुनाव की तारीखों का एलान हो सकता है। चुनाव आयोग की ओर से कई बैठकों का दौर चल रहा है। बताया जा रहा है कि चुनाव की तारीख की घोषणा 6 से 10 जनवरी के बीच हो सकती है। हालांकि, अभी तारीखों पर दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की तरफ से कोई जानकारी नहीं दी गई है। विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी, 2025 तक का है। इससे पहले दिल्ली विधानसभा का गठन करने के लिए चुनाव होने हैं। इसके लिए दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। सूत्रों का कहना है कि चुनाव के लिए दिसंबर की जगह जनवरी के पहले या फिर दूसरे सप्ताह के बीच तारीखों की घोषणा होगी। पिछले चुनाव की बात की जाए तो 6 जनवरी 2020 को तारीखों की घोषणा की गई थी। किसी भी राज्य के विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया के लिए न्यूनतम 35 दिन चाहिए होते हैं। ऐसे में 6 से 10 जनवरी के बीच चुनाव की घोषणा के बाद न्यूनतम समय मिल जाएगा। चुनाव आयोग के आयुक्त राजीव कुमार अगले साल 18 फरवरी को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। ऐसे में यह पूरी संभावना है कि विधानसभा चुनाव 18 फरवरी से पहले करा दिए जाएं।

कांग्रेस ने किया प्यारी दीदी योजना का एलान

सौरभ शर्मा

दिल्ली, 6 जनवरी। आम आदमी पार्टी के बाद अब कांग्रेस ने दिल्ली की महिलाओं के लिए 2500 रुपये हर माह देने का वादा किया है। आप की महिला सम्मान योजना के सामने कांग्रेस ने प्यारी दीदी योजना की घोषणा की है। कांग्रेस की इस योजना के तहत दिल्ली में कांग्रेस की सरकार बनने पर महिलाओं को हर माह 2500 रुपये दिए जाएंगे। दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने सबसे पहले महिलाओं के लिए महिला सम्मान योजना के तहत 2100 रुपये देने का एलान किया था। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के एलान के बाद कांग्रेस ने भी महिला वोटरों को लुभाने के लिए दांव खेला है। कांग्रेस ने प्यारी दीदी योजना के तहत दिल्ली की महिलाओं को 2500 रुपये हर माह देने का वादा किया है। सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने जानकारी दी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि आज मैं यहां प्यारी दीदी योजना का शुभारंभ करने आया हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि कांग्रेस दिल्ली में सरकार बनाएगी और हम महिलाओं को 2,500 रुपये देंगे और इसका फैसला कैबिनेट की पहली बैठक में ही किया जाएगा। यह उसी मॉडल पर है जो हमने कर्नाटक में लागू किया था। दिल्ली में चुनावी घोषणा करते हुए कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि जैसे कर्नाटक में सरकार बनते ही महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने की योजना शुरू हुई, वैसे ही दिल्ली में भी सरकार बनने के बाद कैबिनेट की पहली बैठक में ही इस योजना को हरी झंडी दे दी जाएगी। कांग्रेस की प्यारी दीदी योजना पर कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि उनके (आप) वादे लागू नहीं किए जा सकते। हमने अपनी योजना (कर्नाटक में) पहले ही लागू कर दी है। हम दिल्ली के लोगों से अनुरोध करते हैं कि वे हम पर भरोसा करें, हम जो भी वादा करते हैं, उसे पूरा करते हैं...। कांग्रेस की

प्यारी दीदी योजना पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि मेरा मानना है कि दिल्ली में जिस तरह के हालात हैं, उसमें हर महिला को 2500 रुपये दिए जाने की जरूरत थी। बेरोजगारी, महंगाई और उन पर हो रहे अत्याचारों के कारण परेशान महिलाओं की देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी है...

सुप्रीम कोर्ट की उच्चाधिकार समिति से मिलेगा किसानों का प्रतिनिधिमंडल

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 6 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को किसान आंदोलन के मुद्दे पर सुनवाई टाल दी। दरअसल प्रदर्शनकारी किसानों का प्रतिनिधिमंडल सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति से मुलाकात करने के लिए तैयार हो गया है। यह मुलाकात सोमवार को दोपहर तीन बजे के करीब होगी। पंजाब सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने अदालत में यह जानकारी दी। पंजाब और हरियाणा के बीच खनौरी बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे किसानों में किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल भी शामिल हैं, जो बीते 40 दिनों से अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में पंजाब सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ को बताया कि वे (पंजाब सरकार) प्रदर्शनकारी किसानों को न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) नवाब सिंह की अध्यक्षता वाली समिति से मिलने के लिए राजी करने में सफल रहे हैं। सिब्बल ने कहा, हम किसानों को मनाने में सफल रहे हैं। कृपया मामले को किसी और दिन के लिए टाल दें। हमें कुछ सफलता मिलने की उम्मीद है। इसके बाद शीर्ष अदालत ने सिब्बल से विचार-विमर्श का संक्षिप्त नोट तैयार करने को कहा और सुनवाई 10

जनवरी के लिए स्थगित कर दी। केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि समिति बैठक के नतीजों पर संक्षिप्त नोट दाखिल करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने 2 सितंबर 2024 को किसानों से बातचीत करने के लिए एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया था। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज नवाब सिंह की अध्यक्षता में ये समिति बनाई गई थी। समिति के सदस्यों में रिटायर्ड आईपीएस पी.एस. संधू, प्रोफेसर देवेन्द्र शर्मा और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्री सुखपाल सिंह के साथ चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति बी.आर. कंबोज शामिल हैं। डल्लेवाल 26 नवंबर से पंजाब और हरियाणा के बीच खनौरी सीमा पर अनिश्चितकालीन अनशन कर रहे हैं, ताकि केंद्र सरकार पर फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी सहित किसानों की मांगों को स्वीकार करने का दबाव बनाया जा सके। उन्होंने पंजाब सरकार द्वारा दी जाने वाली चिकित्सा सहायता से इनकार कर दिया। डल्लेवाल की बिगड़ती हालत पर सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को फटकार लगाई थी और डल्लेवाल को तुरंत चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। गौरतलब है कि संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले किसान 13 फरवरी, 2024 से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी बॉर्डर पर डेरा डाले हुए हैं।

ताज होटल के बाहर खड़ी मिलीं एक ही नंबर की दो कार

मुंबई, 6 जनवरी। मुंबई के ताज होटल के बाहर सोमवार को एक ही नंबर की दो कार खड़ी नजर आईं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों कारों की जांच की। मुंबई पुलिस ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि एक कार चालक ने शिकायत की थी कि उसने ताज होटल के बाहर अपनी ही कार के नंबर जैसी दूसरी कार देखी। शिकायत के बाद कार्रवाई की गई। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि दोनों कारों को कोलाबा पुलिस स्टेशन लाया गया है। जांच की जा रही है कि एक ही नंबर वाली कार ताज होटल के सामने कैसे पहुंची। कार किसकी है इसकी जांच की जा रही है। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो के मुताबिक ताज होटल के सामने दो कार खड़ी हैं। दोनों कारों का नंबर रू।01श्श2388 है। बताया जाता है कि एक कार चालक ने चालान से बचने के लिए कार का नंबर बदल दिया था। जब असली कार चालक ने अपने ही नंबर की दूसरी कार देखी तो उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। 26 नवंबर 2008 को ताज होटल में आतंकी हमले के बाद से काफी संवेदनशील माना जाता है।

गुरु तेग बहादुर ने अपना शीश दे दिया, लेकिन भारत का शीश बचा लियाः सीएम योगी

नरेश मल्होत्रा

लखनऊ, 6 जनवरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज शहीद पिता के पुत्र हैं और शहीद पुत्रों के पिता भी हैं। गुरु तेग बहादुर जी महाराज ने देश व धर्म के लिए शहादत दी। गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज उस समय गुरु तेग बहादुर महराज को प्रेरित कर रहे थे कि देश व धर्म पर संकट है, यदि किसी महान आत्मा का बलिदान होगा तो जो विधर्मी हमारे देश व धर्म को नष्ट करते हुए उतावले दिखाई दे रहे हैं, वे बेनकाब होंगे और देश इसके खिलाफ खड़ा होगा। महान बलिदान के लिए आपसे उपयुक्त कौन हो सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को डीएवी कॉलेज में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व में शामिल हुए। सीएम योगी ने समागम में आए बच्चों का कुशलक्षेम जाना और टॉफी-चॉकलेट वितरित किया। उन्होंने कहा कि 26-27 दिसंबर को पूरे देश ने गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के चारों साहिबजादों (बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह) के साथ जुड़ते हुए उनकी स्मृतियों को नमन किया और मां गुजरी के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। सीएम ने कहा कि गुरु तेग बहादुर सिंह ने अपना शीश दिया, लेकिन भारत का शीश बचा दिया। कश्मीर को बचाया, जो आज भी भारत का हिस्सा है। वजीर खान गुरु गोबिंद सिंह के छोटे साहिबजादों (जोरावर सिंह-फतेह सिंह) से कहता है कि इस्लाम स्वीकार कर लो, लेकिन इन लोगों ने कहा कि यह नहीं हो सकता। इस पर उन्हें जीवित ही दीवारों में चुनवा दिया गया। चमकौर युद्ध में बड़े साहिबजादों (बाबा अजीत सिंह व जुझार सिंह) ने शहादत को प्राप्त किया। इस दुख में मां गुजरी देवी का प्राणोत्सर्ग हुआ। सीएम ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों से आगे बढ़ते हुए सब कुछ खोने के बाद भी गुरु गोबिंद सिंह ने एक ही बात कही कि चार मुए तो क्या हुआ, जीवित कई हजार... यह मंत्र आज भी पूरे भारत के लिए नई प्रेरणा है। सवा लाख से एक लड़ाऊं, तब गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं... गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा का यह भाव नई ऊर्जा का संचार और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। सीएम ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज ने जातिभेद, छूआछूत की भावना को सर्वथा समाप्त करने और देश-धर्म को बचाने के लिए खालसा पंथ की स्थापना की। उन्होंने सकल जगत में, खालसा पंथ गाजे का उद्घोष कर देश व धर्म के मार्ग में बाधक उस

समय की विधर्मी ताकतों को रास्ते से हटने के लिए कहा। सीएम ने कहा कि सिख गुरुओं गुरु नानक देव, गुरु अर्जुन देव, गुरु तेगबहादुर, गुरु गोबिंद सिंह महाराज तक ने जो परंपरा डाली, उनका गौरवशाली इतिहास प्रेरणा प्रदान कर रहा है। सीएम ने सभी से कहा कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज के विचित्र नाटक का अध्ययन कीजिए, पता चलेगा कि वे दिव्य महापुरुष थे, जो पूर्व जन्म और उन स्थितियों के बारे में भी अवगत करा रहे हैं, जिन्हें देखकर रोंगटे खड़े होते हैं। सीएम ने कहा कि आज का प्रकाश पर्व उसी प्रेरणा का दिवस है, जहां सिख गुरुओं के त्याग, बलिदान व कृतित्व से नई प्रेरणा प्राप्त होती है। लखनऊ का सौभाग्य है कि गुरु तेग बहादुर सिंह महाराज गुरु गोबिंद सिंह को बाल्यकाल में लाकर यहियागंज गुरुद्वारे में रुके थे। इतनी ऐतिहासिक परंपरा का संरक्षण करना, उसे बढ़ाकर भावी पीढ़ी को इतिहास से अवगत कराना हमारा दायित्व बनता है। सीएम ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी महाराज के 350वें शहीदी वर्ष होने के कारण यह वर्ष हमारे लिए महत्वपूर्ण है। जैसे गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व को बड़े उत्साह से आयोजित किया गया था, इन आयोजनों को भी इसी तरह बड़े पैमाने पर करने की आवश्यकता है।

केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन ने लालू प्रसाद को बताया जीव-जंतु

गुवाहाटी, 6 जनवरी। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन (ललन) सिंह ने असम के गुवाहाटी में मां कामाख्या मंदिर में पूजा की। उन्होंने यहां पूर्वोत्तर राज्यों के विकास और प्रगति के लिए पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लालू अपने आप में एक जीव-जंतु हैं।

राजीव रंजन ने लालू प्रसाद यादव के बयान पर कहा, वह अपने आप में एक जीव-जंतु हैं। वह क्या करेंगे या कहेंगे इसका कोई मतलब नहीं है। वह जो चाहते हैं, कहते रहते हैं। देश के लिए गंभीर मामलों का मजाक उड़ाना उनकी आदत है। यह कोई नई बात नहीं है। यह उनके हल्केपन का प्रमाण है। वह 1990 में भी ऐसे ही थे, जब वह बिहार के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने बिहार को बर्बादी के कगार पर पहुंचा दिया था। पति और पत्नी ने 1990 से 2005 तक बिहार पर शासन किया। बिहार में कुछ नहीं था। सड़कें, बिजली, कानून व्यवस्था नहीं थी और लोग परेशान थे। नीतीश कुमार ने 2005 से 20 साल में नया बिहार बनाया है। उन्होंने कहा, हमने आज मां कामाख्या के दर्शन किए। पूर्वोत्तर हिस्सा देश का दिल है। पूर्वोत्तर के सभी मंत्रियों का सम्मेलन है। यह पीएम मोदी का संकल्प है कि पूर्वोत्तर राज्यों को विकास और प्रगति करनी चाहिए। मैंने आज मां कामाख्या देवी मंदिर में उसी इच्छा के साथ पूजा-अर्चना की। उन्होंने आगे कहा, पूर्वोत्तर राज्यों की हालत 2014 से पहले की तुलना में काफी बेहतर है। हर क्षेत्र में प्रगति हुई है। मेरे विभाग मत्स्य पालन में भी चार प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

पाकिस्तान के कुर्रम में दो महीने के लिए धारा 144 लागू वेस्ट बैंक में गोलीबारी में तीन की मौत

लाहौर, 6 जनवरी। नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि कार्यकाल संभालने के पहले दिन ही वह साल 2021 में यूएस कैपिटल हिल दंगों में शामिल लोगों को माफी दे देंगे। चुनावी जीत के बाद पहले टीवी इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, ये लोग राहत के हकदार हैं। कैपिटल हिल पर ट्रंप समर्थकों के हमले, हिंसा और दंगों की सोमवार को चौथी बरसी है। यूके और जर्मनी में भारी बर्फबारी और ठंड का असर अब यातायात पर दिखने लगा है। जहां भारी बर्फबारी के कारण यू.के. और जर्मनी में हवाई यात्रा पर असर पड़ा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यू.के. के कई हवाई अड्डों ने रविवार को बर्फबारी के कारण अपने रनवे बंद कर दिए। बता दें कि यू.के. के मौसम विभाग ने बर्फबारी और बर्फ की चेतावनी जारी की थी, जिसमें स्कॉटलैंड, उत्तरी इंग्लैंड और वेल्स के कई हिस्से शामिल थे। हवाई यात्रा प्रभावित होने के बाद मैनचेस्टर एयरपोर्ट ने कहा कि बर्फबारी के कारण रनवे को अस्थायी रूप से बंद किया गया, लेकिन बाद में स्थानीय समय सुबह 9ः45 बजे फिर से खोल दिया गया। लिवरपूल का जॉन लेनन एयरपोर्ट और न्यूकैसल इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी प्रभावित हुए और कई उड़ानें रद्द की गईं। बर्मिंघम एयरपोर्ट को भी कुछ समय के लिए बंद किया गया था। पश्चिमी इंग्लैंड में ब्रिस्टल एयरपोर्ट भी इस चुनौतीपूर्ण मौसम के कारण बंद हो गया, लेकिन बाद में शाम को इसे फिर से खोला गया। यू.के. के नेशनल रेल ने भी खराब मौसम के कारण ट्रेन रूट्स पर गति प्रतिबंध और लाइन बंद करने की जानकारी दी। इंग्लैंड और वेल्स में सड़कों पर बर्फबारी के कारण यात्रा पर भी असर पड़ा। जर्मनी में फ्रैंकफर्ट और म्यूनिख हवाई अड्डों पर बर्फबारी और खराब दृश्यता के कारण कई उड़ानें रद्द कर दी गईं और उड़ान संचालन प्रभावित हुआ। मौसम के कारण जर्मनी में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ी, क्योंकि लोग बर्फीली सड़कों पर गाड़ी चला रहे थे। जर्मनी की मौसम सेवा ने काली बर्फ की चेतावनी जारी की और लोगों को घर पर रहने की सलाह दी। दुबई को लगातार दूसरे साल ग्लोबल पावर सिटी इंडेक्स 2024 (त्नक्क्रष्टढ्ढ) में दुनिया भर में आठवां और मध्य पूर्व में पहला स्थान मिला है। यह अध्ययन जापान के मोरी मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा किया गया है। सूचकांक में दुबई की भूमिका नवाचार, आर्थिक गतिविधियों और वैश्विक संपर्क में अग्रणी के रूप में दिखाई गई है। यह उपलब्धि दुबई को मध्य पूर्व का एकमात्र शहर बनाती है जो शीर्ष 10 में शामिल है, और यह व्यापार, निवेश और प्रतिभा के लिए एक प्रमुख वैश्विक केंद्र के रूप में उसकी स्थिति को मजबूत करती है। वहीं इस मामले में दुबई के क्राउन प्रिंस, उपप्रधान मंत्री, रक्षा मंत्री और दुबई की कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष शेख हमदान ने कहा कि दुबई नवाचार, स्थिरता और प्रतिभा को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए लगातार अपनी सीमाओं को फिर से परिभाषित कर रहा है। उन्होंने दुबई की सफलता के मुख्य कारणों में इसकी विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा और लचीला विधायी ढांचा बताया, जो वैश्विक निवेश और शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करता है। शेख हमदान ने यह भी कहा कि दुबई की मजबूत सार्वजनिक-निजी क्षेत्र साझेदारी ने एक सहयोगी और विकासशील पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया है, जो नवाचार और नए वैश्विक रुझानों के अनुकूल है। उन्होंने कहा कि दुनिया के प्रमुख सूचकांकों में दुबई की उच्च रैंकिंग यह दिखाती है कि हम केवल दुनिया के साथ तालमेल नहीं बनाए हुए हैं, बल्कि हम उत्कृष्टता के नए मानक भी स्थापित कर रहे हैं। ग्लोबल पावर सिटी इंडेक्स (त्नक्क्रष्टढ्ढ) प्रमुख शहरों का मूल्यांकन करता है और उन्हें उनकी आकर्षकता के आधार पर रैंक करता है, यानी वह कितनी क्षमता रखते हैं दुनिया भर से लोगों, पूंजी और व्यवसायों को आकर्षित करने में। यह सूचकांक छह महत्वपूर्ण पहलुओं पर आधारित है, जैसे कि अर्थव्यवस्था, अनुसंधान और

विकास, सांस्कृतिक संपर्क, रहने की क्षमता, पर्यावरण और पहुंच। 15 महीने पुराने संघर्ष की समाप्ति के लिए नए सिरे से संघर्ष विराम वार्ता की शुरुआत के प्रयासों के बीच गाजा पर हुए इस्राइली हमलों में 17 लोगों की मौत हो गई। इस्राइली हमलों में पिछले तीन दिनों में 102 फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। उधर, इस्राइल ने गाजा में 100 जगहों पर हमले का दावा किया है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि रविवार रात खान यूनिस में एक पुलिस मुख्यालय पर हुए इस्राइली हमले में कम से कम पांच लोग मारे गए। नागासाकी परमाणु बम हमले में जिंदा बचने वाले जापान के सामाजिक कार्यकर्ता शिगेमी फुकाहोरी का निधन हो गया। उन्होंने अपना पूरा जीवन शांति व परमाणु हथियारों के खिलाफ आंदोलन को सौंप दिया था। वह 93 वर्ष के थे। उराकामी कैथोलिक चर्च ने रविवार को बताया कि फुकाहोरी की मौत तीन जनवरी को दक्षिण-पश्चिमी जापान के नागासाकी के एक अस्पताल में हुई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, फुकाहोरी की मृत्यु वृद्धावस्था के कारण हुई। चर्च ग्राउंड जीरो से लगभग 500 मीटर की दूरी पर स्थित है। इसका घंटाघर व कुछ मूर्तियां परमाणु बमबारी से बच गई थीं। अमेरिका ने 9 अगस्त, 1945 को नागासाकी पर जब परमाणु बम गिराया था, तब फुकाहोरी सिर्फ 14 साल के थे। इसमें लाखों मौतें हुई थीं। हमले में शिगेमी के परिवार समेत हजारों लोग मारे गए थे। यह घटना हिरोशिमा पर परमाणु हमले के तीन दिन बाद हुई थी। फुकाहोरी जहां बम गिराया गया, उसके करीब तीन किलोमीटर दूर एक शिपयार्ड में काम करते थे। वह इस हमले से इतने सहम गए थे कि इसके बारे में कई वर्षों तक बात नहीं कर पाए। भारत में तिब्बत की निर्वासित सरकार ने कनाडा में दो सामाजिक संगठनों और उनसे जुड़े 20 लोगों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने के लिए चीन की तीखी आलोचना की है। निर्वासित तिब्बती संसद की डिप्टी स्पीकर डोलमा सेरिंग ने कहा कि यह फैसला दिखाता है कि चीनी कम्युनिस्ट शासन हर मामलों में दखल देना चाहता है। चीन ने कनाडा के जिन दो सामाजिक संगठनों को निशाना बनाया है, उसमें कनाडा तिब्बत कमेटी व उइगर मुसलमानों के अधिकारों की वकालत करने वाला एक संगठन शामिल है। डोलमा ने संयुक्त राष्ट्र व लोकतांत्रिक देशों से अपील की है कि वे चीन के फैसले के खिलाफ खड़े हों। उन्होंने कहा, तिब्बत व उसके लोगों के ऊपर अपनी ही जमीन पर लगातार अत्याचार हो रहा है। चीनी प्रशासन अब तिब्बती लोगों की आवाज दबाने के लिए तिब्बत के बाहर भी अपनी ताकत का इस्तेमाल कर रहा है। इस्राइली पुलिस ने नेगेव बेडौइन शहर अरारत अन-नकाब में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने नौ संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां अवैध हथियार रखने और आग्नेयास्त्रों की गोलाबारी के आरोप में की गई हैं। इस दौरान पुलिस ने हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए। छापेमारी के दौरान करीब 150 पुलिस अधिकारी शामिल रहे। खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने एक घर की तलाशी ली। इस दौरान एक दीवार में छिपाकर रखी एक एम16 राइफल, छह भरी हुई मैगजीन, एक एफएन पिस्तौल, एक सैन्य कवच और 5.56 बोर के कारतूस मिले। एक अन्य घर से लगभग 150,000 एनआईएस (करीब 40,000 डॉलर) की नकदी जब्त की गई। ये धन संदिग्ध आपराधिक गतिविधियों से प्राप्त किया गया था। इसके अलावा, इस्राइल इलेक्ट्रिक कॉर्पोरेशन ने उन व्यवसायों और घरों का निरीक्षण किया जो अवैध रूप से बिजली का उपयोग कर रहे थे। आठ कनेक्शन तुरंत काट दिए गए। इन परिसरों के मालिकों के खिलाफ आपराधिक मामले और बिजली चोरी के लिए दावे दायर करने की उम्मीद है, जिनका अनुमानित मूल्य लगभग एक मिलियन शेकेल (274,000 डॉलर) है। दक्षिण कोरिया की सेना ने एक बयान में कहा है कि उत्तर कोरिया की तरफ से पूर्वी सागर में एक मिसाइल दागी गई है। दक्षिण कोरियाई सेना ने इसे उकसावे वाली कार्रवाई बताया। बलूचिस्तान सरकार ने क्वेटा में सेलुलर और इंटरनेट सेवाओं पर दो दिनों का प्रतिबंध लगा दिया है।

इस्राइल ने 34 बंधकों की रिहाई पर चल रही खबरों को किया खारिज

तेल अवीव, 6 जनवरी। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें दावा किया गया था कि हमास ने रविवार को संभावित युद्धविराम समझौते के तहत रिहा किए जाने वाले बंधकों की सूची भेजी है। प्रधानमंत्री कार्यालय का यह बयान यूके स्थित एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें कहा गया है कि हमास ने 34 बंधकों की सूची को मंजूरी दे दी है, जिन्हें वह युद्धविराम समझौते के बदले में रिहा करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, हमास ने कहा है कि यह सौदा गाजा से हटने और स्थायी युद्धविराम लागू करने के लिए इस्राइल की सहमति पर निर्भर है। नेतन्याहू के कार्यालय ने एक बयान में कहा, जो दावा किया गया था, उसके विपरीत, हमास ने इस क्षण तक बंधकों के नामों की सूची नहीं भेजी है। वर्तमान में, पीएम नेतन्याहू मध्य पूर्व में कई मोर्चों पर इस्राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) का नेतृत्व कर रहे हैं। यह बयान नेतन्याहू की प्रोस्टेट सर्जरी के बाद बृहस्पतिवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के कुछ दिनों बाद आया है। उनके कार्यालय के अनुसार, सर्जरी के बाद नेतन्याहू अच्छी स्थिति में थे और पूरी तरह से होश में थे। इस बीच, आईडीएफ ने घोषणा की है कि उसने दक्षिणी गाजा में इस्राइल द्वारा नामित मानवीय क्षेत्र में एक कमांड सेंटर पर हमास के गुर्गों के खिलाफ ड्रोन

हमला किया है। इस्राइली सेना के अनुसार, खान यूनिस क्षेत्र में स्थित इस परिसर का इस्तेमाल हमास के कार्यकर्ताओं द्वारा गाजा में सैनिकों और इस्राइल के खिलाफ हमलों की योजना बनाने के लिए किया जाता था। आईडीएफ ने कहा कि मानवीय क्षेत्र के देइर अल-बलाह क्षेत्र में एक अलग हमला किया गया, जिसमें फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद के एक कार्यकर्ता को निशाना बनाया गया, जिसने इस क्षेत्र से पहले भी हमले किए थे। इस्राइली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ ने कहा कि उसने दोनों हमलों में नागरिकों को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए उपाय किए। आईडीएफ ने कहा कि उत्तरी गाजा के जबालिया में हाल ही में किए गए अभियानों के दौरान सैनिकों ने फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद कंपनी कमांडर और उत्तरी गाजा में आतंकी समूह के रॉकेट डिवीजन के उप प्रमुख साद सईद जकी दहनोन को मार गिराया। उसने सात अक्तूबर 2023 के हमले में भाग लिया था। आईडीएफ ने कहा कि दहनोन ने इस्राइल में घुसपैठ की थी। वह बेत लाहिया क्षेत्र में सैनिकों के खिलाफ कई हमलों में भी शामिल था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें दहनोन और अन्य आतंकवादी खुद को कंबल में ढके हुए हैं। साथ ही बरसात के मौसम की आड़ में सैनिकों के पास जाने की कोशिश करते हुए दिखाई दे रहे हैं। आईडीएफ ने कहा कि दहनोन मारा गया है, जबकि दूसरे ऑपरेटिव ने सैनिकों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आईडीएफ के अनुसार, दूसरे ऑपरेटिव के पास एक विस्फोटक उपकरण था और उसे आगे की पूछताछ के लिए इस्राइल लाया गया।

बांग्लादेश में 18 करोड़ लोगों से छीना गया वोटिंग का अधिकार

ढाका, 6 जनवरी। बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) एएमएम नासीर उद्दीन ने रविवार को कहा कि लगभग 18 करोड़ लोगों को उनके मतदान अधिकार से वंचित किया गया है। इसे कमी को दूर करने के लिए चुनाव आयोग प्रतिबद्ध है। नासीर उद्दीन ने चुनाव अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में भाग लिया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का उद्देश्य उन लोगों के अधिकारों को बहाल करना है, जिन्हें लंबे समय से मतदान का अधिकार नहीं मिला है। उन्होंने कहा, हम उनके इस दर्द को मिटाना चाहते हैं और इस प्रतिबद्धता में हम दृढ़ हैं। देशभर में संभावित मतदाताओं की सूची को अपडेट करने के लिए 20 जनवरी से घर-घर जाकर आंकड़े जुटाने की प्रक्रिया शुरू होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, हम यहां उन 18 करोड़ लोगों की आवाज सुनने के लिए हैं, जो वर्षों से मतदान के अधिकार से वंचित हैं। हम उनके इस दर्द को मिटाने की जिम्मेदारी लेते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आयोग का मुख्य लक्ष्य निष्पक्ष और विश्वसनीय चुनाव का आयोजन करना है। यह एक मैराथन की तरह है, जो आज से शुरू होकर परिणाम की घोषणा तक चलेगा। उन्होंने आगे कहा कि चुनाव आयोग ने 2014, 2018 और 2024 के चुनावों में हुई अनियमितताओं और खामियों की जांच करने का फैसला लिया है, जो वर्तमान अवामी लीग शासन के दौरान विवादित रहे हैं। इन चुनावों को देश के इतिहास के सबसे विवादास्पद चुनावों में से एक माना जाता है। नए चुनाव आयोग ने 21 नवंबर को कार्यभार संभाला और 13वें राष्ट्रीय चुनाव की तैयारी करते हुए कई सुधारात्मक कदम उठाए हैं। कुछ दिन पहले, सीईसी उद्दीन ने कहा था कि निर्वासित प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी चुनावों में भाग ले सकती है, जब तक सरकार या न्यायपालिका इस पार्टी पर प्रतिबंध नहीं लगाती।

ताइवान की सीमा में लगातार तीसरे दिन घुसे चीनी विमान और पोत

ताइपे, 6 जनवरी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने सोमवार को बताया कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सात विमानों और पीएलए नौसेना (पीएलएएन) के सात जहाजों ने उनकी सीमा में प्रवेश किया। गौरतलब है कि लगातार तीसरे दिन चीन के विमानों और पोत ने ताइवान की संप्रभुता का उल्लंघन किया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के छह विमान ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को पार कर ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश कर गए। सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने लिखा, ताइवान के आसपास 7 पीएलए विमान, 7 पीएलएएन जहाज और 1 आधिकारिक जहाज को सोमवार सुबह छह बजे देखा गया। इससे पहले रविवार और शनिवार को भी चीनी विमानों और जहाजों ने ताइवान की सीमा का उल्लंघन किया था। चीन द्वारा बीते दिनों ताइवान के आसपास बड़े पैमाने पर युद्धाभ्यास भी किया गया था। इस युद्धाभ्यास को चीन की ताइवान को चेतावनी के रूप में देखा गया था। पीएलए के जवाब में ताइवान ने भी रणनीतिक स्थानों पर युद्ध की तैयारी का अभ्यास किया था। हाल ही में नए साल पर देश को संबोधित करते हुए चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने खुलेआम ताइवान को धमकी दी थी और कहा था कि ताइवान को चीन के साथ मिलने से कोई नहीं रोक सकता और चीन अपनी कोशिशों को जारी रखेगा। जिनपिंग ने कहा कि चीन और ताइवान के लोग एक ही परिवार हैं। कोई भी हमारे पारिवारिक बंधन को नहीं तोड़ सकता। जिनपिंग के हालिया बयान और चीनी सेना की गतिविधियों को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि चीन कुछ बड़ा करने की तैयारी कर रहा है। चीन और ताइवान के बीच संप्रभुता एक जटिल और लंबे समय से चला आ रहा मुद्दा है। चीन, ताइवान को अपना ही हिस्सा मानता है, लेकिन ताइवान खुद को स्वतंत्र राष्ट्र मानता है। बीजिंग ने ताइवान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने के लिए कूटनीतिक, आर्थिक और सैन्य दबाव बनाया हुआ है और ताइवान को अपने साथ मिलाने का लगातार दावा कर रहा है।

हमले से पहले जब्बार ने दो बार किया था फ्रेंच क्वार्टर का दौरा

न्यू ऑर्लियंस, 6 जनवरी। अमेरिका के न्यू ऑर्लियंस में हुए आतंकी हमले में संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) ने नया खुलासा किया है। एफबीआई ने बताया कि ट्रक हमले के लिए जिम्मेदार आतंकी शम्सुद्दीन जब्बार ने पहले भी दो बार न्यू ऑर्लियंस का दौरा किया था। उसने हैंड्स-फ्री चश्मे से फ्रेंच क्वार्टर का वीडियो रिकॉर्ड किया था। इसके अलावा, एफबीआई की जांच में यह भी पता चला है कि जब्बार ने हमले से पहले मिस्र के काहिरा और कनाडा के ओंटारियो की यात्रा भी की थी। हालांकि, एफबीआई ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि जब्बार की विदेश यात्राएं न्यू ऑर्लियंस में हुए हमले से संबंधित थी या नहीं। बता दें कि जब्बार अमेरिका के ह्यूस्टन शहर का रहने वाला है, उसके पास वहां की नागरिकता भी है। न्यू ऑर्लियंस फील्ड ऑफिस के प्रभारी एफबीआई के विशेष एजेंट लियोनेल मायर्थिल ने एक प्रेस ब्रीफिंग की, जिसमें उन्होंने बताया कि हमारी जांच में पता लगा है कि जब्बार ने 22 जून से 3 जुलाई 2023 तक काहिरा, मिस्र की यात्रा की थी। कुछ दिनों बाद, उसने 10 जुलाई को ओंटारियो, कनाडा के लिए उड़ान भरी और 13 जुलाई 2023 को वह अमेरिका लौट आया। मायर्थिल ने कहा कि हमारे एजेंट इस बारे में पता लगा रहे हैं कि वह कहां गया था और किन लोगों से मुलाकात की थी। यह भी जानकारी ली जा रही है कि जब्बार की ये यात्राएं न्यू ऑर्लियंस में उसकी गतिविधियों से जुड़ी हुई हैं या नहीं। एफबीआई के अनुसार, जब्बार ने इस्लामिक स्टेट जिहादी समूह के प्रति अपनी वफादारी का वादा किया था। उसने न्यू ऑर्लियंस के भीड़भाड़ वाले फ्रेंच क्वार्टर में नए साल के दिन लोगों को मारने और घायल करने के लिए पिकअप ट्रक का इस्तेमाल किया था।

मैक्सिको के बार में फिर से गोलीबारी, सात लोगों की मौत, पांच घायल

विलेहरमोसा, 6 जनवरी। दक्षिणी पूर्वी मैक्सिको के विलेहरमोसा शहर के एक बार में फिर से गोलीबारी हुई। इसमें सात लोगों की मौत हो गई। जबकि पांच लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि बार में गोलीबारी करने वाले अपराधियों की तलाश की जा रही है। विलेहरमोसा के बार में नवंबर 2024 में भी गोलीबारी हुई थी। इसमें छह लोगों की मौत हो गई थी। अधिकारियों ने बताया कि बंदूकधारियो ने ला कैसीटा अजुल बार में घुसकर ग्राहकों पर गोलियां चला दीं। इसके बाद सात लोगों की मौत हो गई। इस बार को गुप्त रूप से चलाया जा रहा था। अफसरों का कहना है कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस को तैनात कर दिया गया है। इससे पहले 24 नवंबर को दक्षिण-पूर्वी मैक्सिको के डीबार नाम के बार में बंदूकधारियों ने गोलीबारी कर दी थी। इससे कम से कम छह लोगों की मौत हो गई थी और 10 अन्य घायल हो गए थे। इससे पहले नौ नवंबर को मध्य मैक्सिकन शहर क्वेरेटारो में बंदूकधारियों ने एक बार पर हमला कर 10 लोगों की हत्या कर दी थीष क्वेरेटारो के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग के प्रमुख जुआन लुइस फेरुस्का के अनुसार, हमलावरों ने शहर के ऐतिहासिक जिले में लॉस कैंटारिटोस बार के अंदर गोलीबारी की थी। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में बताया गया था कि हथियारों से लैस कम से कम 4 लोग एक पिकअप ट्रक पर सवार होकर आए थे और फिर उन्होंने हत्याकांड को अंजाम दिया था। मैक्सिको में 2006 में तस्

करी से निपटने के लिए सरकार ने सेना तैनात की

बीते दशकों में सबसे ज्यादा भारत समर्थक रहा अमेरिकी प्रशासन

वॉशिंगटन, 6 जनवरी। अमेरिका-भारत संबंधों को लेकर बड़ा दावा किया गया है। एक थिंक टैंक की विशेषज्ञ ने कहा है कि बीते दशकों में अमेरिकी प्रशासन भारत का सबसे अधिक समर्थक रहा है और अगले राष्ट्रपति के लिए ऐसा करना कठिन होगा। क्योंकि आने वाला ट्रंप प्रशासन महाशक्ति के तौर पर राजनीति करने में विश्वास रखने वाला है। हडसन इंस्टीट्यूट थिंक-टैंक में इनिशिएटिव ऑन द फ्यूचर ऑफ इंडिया एंड साउथ एशिया की निदेशक अपर्णा पांडे ने बताया कि अमेरिका का मौजूदा बाइडन प्रशासन बीते दशकों में सबसे अधिक भारत समर्थक रहा है। किसी भी राष्ट्रपति प्रशासन के लिए इसका अनुसरण करना कठिन होगा। भारत के साथ अमेरिका के संबंध इसलिए मजबूत हुए क्योंकि यह अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के लिए महत्वपूर्ण है। भारत और अमेरिका के बीच सुरक्षा और रक्षा क्षेत्र में संबंधों में गहराई आई है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक पतन और भाड़े पर हत्या की घटना से जुड़े मुद्दे जैसी परेशानियों ने साझेदारी को पटरी से उतरने नहीं दिया। भारत की चिंता चाहे पाकिस्तान हो या चीन को ध्यान में रखा गया। अमेरिका ने चीन को लेकर भारत को खुफिया जानकारी और अन्य सहायता प्रदान की। हालांकि बांग्लादेश को लेकर दोनों के बीच असहमति बनी रही। ट्रंप प्रशासन के दौरान अमेरिका भारत संबंधों को लेकर उन्होंने कहा कि भारत ऐसे देशों में एक जिन्हें द्विदलीय समर्थन प्राप्त है। ट्रंप के प्रधानमंत्री मोदी के साथ अच्छे संबंध हैं और भारत के बारे में उनका समग्र दृष्टिकोण सकारात्मक है। प्रमुख पदों के लिए

किसी भी राष्ट्रपति प्रशासन के लिए इसका अनुसरण करना कठिन होगा। भारत के साथ अमेरिका के संबंध इसलिए मजबूत हुए क्योंकि यह अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के लिए महत्वपूर्ण है। भारत और अमेरिका के बीच सुरक्षा और रक्षा क्षेत्र में संबंधों में गहराई आई है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक पतन और भाड़े पर हत्या की घटना से जुड़े मुद्दे जैसी परेशानियों ने साझेदारी को पटरी से उतरने नहीं दिया। भारत की चिंता चाहे पाकिस्तान हो या चीन को ध्यान में रखा गया। अमेरिका ने चीन को लेकर भारत को खुफिया जानकारी और अन्य सहायता प्रदान की।

उनके नामित प्रतिनिधि माइक वाल्ट्ज, सीनेटर मार्को रुबियो ने लंबे समय से भारत के पक्ष में रुख व्यक्त किया है। इससे यह तो साफ है कि अधिकांश नीतियां जारी रहेंगी। ट्रंप के पिछले कार्यकाल में ही भारत-प्रशांत नीति, क्वाड और भारत के साथ उच्च प्रौद्योगिकी (एसटीए-1) साझा करना शुरू किया गया था। इसलिए इनमें से अधिकांश के जारी रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि ट्रंप 2.0 की चीन के आर्थिक, तकनीकी और सैन्य विकास को पीछे धकेलने या रोकने की इच्छा के पीछे साफ है कि भारत को इस प्रयास में भागीदार के रूप में देखा जाए। जब पाकिस्तान की बात आती है तो देखना होगा कि चीजें कैसे आगे बढ़ती हैं, लेकिन अभी तक ऐसा कोई संकेत नहीं है कि चीजें सुधरेंगी। भारत-चीन संबंधों को लेकर ट्रंप 2.0 अपनी नीतियों और भारत के लिए बाइडन प्रशासन की समर्थन नीतियों को जारी रख सकता है। बांग्लादेश के मोर्चे पर हालात सुधर सकते हैं और दोनों देश एक साथ काम करने में सक्षम हो सकते हैं। अर्पणा पांडे ने कहा कि ट्रंप प्रशासन के दौरान दीर्घकालिक व्यापार मतभेद, भारत से अवैध आव्रजन की उच्च दर और भारत और अधिकांश देशों से वैध आव्रजन चुनौती भरा रहेगा। साथ ही उच्च तकनीक साझा करने के बदले में भारत से कुछ मांगा जा सकता है, चाहे वह व्यापार क्षेत्र में हो या रक्षा बिक्री क्षेत्र में। ट्रंप प्रशासन मानवाधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता पर क्या नीति अपनाता है, यह देखना अभी बाकी है। ट्रंप प्रशासन ऐसा होगा जो सामरिक परोपकारिता में नहीं, बल्कि महान शक्ति राजनीति में विश्वास करता है। 78 वर्षीय ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो जल्द दे सकते हैं इस्तीफा, पार्टी के भीतर ही बढ़ रहा विरोध

ओटावा, 6 जनवरी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो जल्द ही लिबरल पार्टी के नेता पद से इस्तीफा दे सकते हैं। कनाडा के समाचारपत्र द ग्लोब एंड मेल ने रविवार को अपनी रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया है। रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिन ट्रूडो अगले एक या दो दिनों के भीतर पद छोड़ सकते हैं। दरअसल ट्रूडो की लोकप्रियता में हाल के समय में भारी गिरावट आई है और उन्हें पार्टी के भीतर भी विरोध झेलना पड़ रहा है। विभिन्न सर्वे में दावा किया गया है कि आगामी चुनाव में पिएरे पोलिएवरे के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी सत्ता में आ सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अभी ये तय नहीं है कि ट्रूडो कब इस्तीफा देंगे, लेकिन माना जा रहा है कि बुधवार को होने वाली राष्ट्रीय कॉकस बैठक से पहले ट्रूडो अपना पद छोड़ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जस्टिस ट्रूडो को सत्ताधारी लिबरल पार्टी के नेता के पद से भी हटाने पर विचार किया जा रहा है। अभी ये साफ नहीं है कि ट्रूडो इस्तीफे के बाद तुरंत पद छोड़ देंगे या फिर नए नेता की नियुक्ति तक पद पर बने रहेंगे। जस्टिस ट्रूडो बीते एक दशक से कनाडा की सत्ता पर काबिज हैं, लेकिन बीते कुछ समय में उनकी लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है। ट्रूडो की सहयोगी पार्टी और जगमीत सिंह के नेतृत्व वाली एनडीपी ने बीते दिनों ट्रूडो सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था। एक हालिया सर्वे में दावा किया गया कि 73 प्रतिशत कनाडा के नागरिक चाहते हैं कि ट्रूडो प्रधानमंत्री और लिबरल पार्टी के नेता के पद से इस्तीफा दें। इनमें 43 प्रतिशत लिबरल मतदाता भी शामिल हैं।

कनाडा में जस्टिन ट्रूडो की सरकार की लोकप्रियता में गिरावट की कई वजह हैं। इनमें प्रमुख वजहों में अर्थव्यवस्था, कनाडा में घरों की कीमतों में जबरदस्त उछाल, अप्रवासी मुद्दा आदि शामिल हैं। कोरोना महामारी के बाद कनाडा में महंगाई 8 फीसदी तक बढ़ गई थी। हालांकि फिलहाल यह दो प्रतिशत से नीचे है। कनाडा में बेरोजगारी भी बड़ा मुद्दा है, जो फिलहाल छह फीसदी के आसपास है। ट्रूडो सरकार के कार्बन टैक्स कार्यक्रम की भी विपक्ष द्वारा आलोचना की जा रही है। कनाडा में महंगे घर एक बड़ी समस्या है। कनाडा के अधिकतर बड़े शहरों में घर खरीदना आम लोगों के बजट के बाहर हो गया है। लंबे समय से यह समस्या बनी हुई है और सरकार इसे नियंत्रित कर पाने में नाकाम रही है। ये भी एक बड़ी वजह है कि लोगों में ट्रूडो सरकार के प्रति गहरी नाराजगी है। कनाडा में अप्रवासन भी बड़ा मुद्दा है। हालांकि ट्रूडो सरकार ने हाल के समय में अप्रवासन को लेकर नई नीतियां बनाई हैं, जिससे अप्रवासियों की संख्या को नियंत्रित किया जा सके। हालांकि अभी भी लोगों की नाराजगी कम नहीं हुई है। अप्रवासियों की बढ़ती संख्या की वजह से कनाडा की स्वास्थ्य व्यवस्था और अन्य सेवाओं पर भारी दबाव पड़ा है। कनाडा में खालिस्तानियों के बढ़ते प्रभाव को लेकर भी कई कनाडाई नागरिक नाराज हैं। हाल ही में कनाडा की डिप्टी पीएम और वित्त मंत्री ने भी इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद ट्रूडो पर भी इस्तीफा देने का दबाव बढ़ा है।

पीएम स्टार्मर से इस्लामोफोबिया परिभाषित करने की योजना रद्द करने मांग

लंदन, 6 जनवरी। ब्रिटेन में इस्लामोफोबिया को लेकर बहस छिड़ी है। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर इसे आधिकारिक तौर पर परिभाषित करने की योजना बना रहे हैं। इसी बीच विपक्षी राजनीतिक दल- कंजर्वेटिव पार्टी ने कहा है कि प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर को इस्लामोफोबिया को परिभाषित करने की योजना को रद्द करना चाहिए। विपक्ष को डर है कि ऐसा करने से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और गलत कामों के खिलाफ कार्रवाई पर प्रतिबंध लग जाएगा। ब्रिटेन की शैडो न्याय सचिव रॉबर्ट जेनरिक ने कहा कि इस्लामोफोबिया के झूठे लेबल ने पाकिस्तानी मूल के पुरुषों से जुड़ी जांच में अड़चन पैदा की है। उन्होंने कहा कि एजेंसियां बच्चों के शोषण वाले ग्रूमिंग गिरोह घोटाले की जांच कर रही हैं, लेकिन इस्लामोफोबिया की परिभाषा के कारण इसमें समस्याएं आ रही हैं। इस्लामोफोबिया परिभाषित करने की योजना रद्द करने की विपक्षी दलों की मांग ऐसे समय में सामने आई है जब डेली टेलीग्राफ अखबार ने लेबर पार्टी की सरकार से जुड़ी रिपोर्ट प्रकाशित की। खबर में दावा किया गया है

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

त्रिपुरा में पिकनिक बस में लगी आग

नई दिल्ली, 6 जनवरी। पश्चिम त्रिपुरा के मोहनपुर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां रविवार को पिकनिक मनाने आए छात्रों से भरी एक बस में आग लग गई, जिससे 13 स्कूली छात्र झुलस गए। मामले में पुलिस अधीक्षक (एसपी) किरण कुमार ने बताया कि इनमें से नौ छात्रों को जीबीपी अस्पताल भेजा गया, जबकि बाकी चार को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के बाद घर भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि यह आग बस में रखे जनरेटर के विस्फोट के कारण लगी थी। मामले की जांच चल रही है। मामले में राज्य के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने इस घटना पर गहरी चिंता जताई और सभी घायल छात्रों के जल्दी ठीक होने की कामना की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर लिखा कि मोहनपुर में हुई इस दुखद घटना से मैं बहुत चिंतित हूं, जहां जनरेटर के विस्फोट के बाद पिकनिक बस में आग लग गई। उन्होंने कहा कि मैं घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन स्थिति पर पूरी नजर बनाए हुए है और घायल छात्रों को तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने सभी से पिकनिक का आनंद लेते समय सतर्क और सावधान रहने की अपील की है। मणिपुर के मोरेह कस्बे में भारत-म्यांमार सीमा के पास भीषण आग लगने की खबर सामने आ रही है। इसमें दो लोग मामूली रूप से घायल हो गए। साथ ही 15 से अधिक घर जल गए। बता दें कि यह आग टेंग्नौपाल जिले के मिशन वेंग इलाके में लगी थी। रक्षा मंत्रालय के द्वारा जारी बयान में असम राइफल्स और मणिपुर अग्निशमन सेवाओं ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 15-20 घरों में लगी भीषण आग को बुझा दिया। इसके अलावा, दो घायल व्यक्तियों को निकाला गया और उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। साथ ही अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। ओडिशा के संबलपुर जिले में एक डंपर ने कार को भीषण टक्कर मार दी, जिससे उसमें सवार भाजपा के दो नेताओं की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हैं। रेंगाली के पूर्व भाजपा विधायक नौरी नाइक ने आरोप लगाया कि यह कोई दुर्घटना नहीं, बल्कि जानबूझकर मारी गई टक्कर थी। डंपर ने कार को तीन बार टक्कर मारी थी। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि यह घटना बुर्ला थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर शनिवार रात करीब 1.30 बजे हुई। कार में चालक समेत छह लोग सवार थे और वे भुवनेश्वर से करडोला अपने घर लौट रहे थे। हादसे के बाद सभी छह लोगों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने देबेंद्र नायक और मुरलीधर छुरिया को मृत घोषित कर दिया। नायक भाजपा के गोशाला मंडल अध्यक्ष थे, जबकि छुरिया पूर्व सरपंच। दोनों वरिष्ठ भाजपा नेता नौरी नायक के करीबी माने जाते थे। दुर्घटना में घायल हुए सुरेश चंदा ने आरोप लगाया कि डंपर ने हमारी कार को पीछे से दो बार टक्कर मारी। जानबूझकर टक्कर मारने की कोशिश करने का संदेह होने पर, चालक ने कार को कांटापल्ली चौक के पास राजमार्ग से ग्रामीण सड़क की ओर मोड़ दिया। फिर भी, डंपर ने हमारी गाड़ी का पीछा किया और उसमें दोबारा भीषण टक्कर मारी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर सोमवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि मैं श्री गुरु गोबिंद सिंह जी को उनके प्रकाशोत्सव पर नमन करता हूं। उनके विचार हमें एक ऐसे समाज के निर्माण के लिए प्रेरित

करते हैं जो प्रगतिशील, समृद्ध और दयालु हो। गुरु गोबिंद सिंह का जन्म पटना में आज ही के दिन हुआ था। उनकी जयंती को प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जाता है। सोमवार को खराब दृश्यता के कारण कोलकाता हवाई अड्डे से करीब 60 उड़ानें देरी से चलीं। अधिकारी ने बताया कि घने कोहरे के कारण सुबह सात बजे से ही हवाई अड्डे पर कम दृश्यता प्रक्रिया लागू की गई। नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएससीबीआईए) के निदेशक प्रवत रंजन बेउरिया ने बताया कि सुबह 7~10 बजे से नौ बजे तक कोई यातायात गतिविधि नहीं हुई और लगभग 30 उड़ानों के आगमन और 30 प्रस्थान में देरी हुई। कोलकाता आने वाली पांच उड़ानों को अन्य हवाई अड्डों पर भेज दिया गया। सुबह 9 बजे के बाद दृश्यता की स्थिति में सुधार हुआ और एयरपोर्ट पर पहुंचने वाली पहली फ्लाइट दुबई से कोलकाता जाने वाली एमिरेट्स की फ्लाइट (ईके 570) थी। यह सुबह 9.04 बजे उतरी। बंगलूरू के सदाशिवनगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आरएमवी द्वितीय स्टेज के एक किराये के घर में एक परिवार के चार सदस्य मृत पाए गए। डीसीपी (सेंट्रल) बेंगलुरु सिटी शेखर एच टेक्कनवर ने बताया कि मृतकों में 5 और 2 साल के बच्चे शामिल हैं। सभी इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। भारतीय प्रबंधन संस्थान बंगलुरु (आईआईएम) के एक छात्र की छात्रावास की दूसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि सूरत के रहने वाले निलय कैलाशभाई पटेल ने शनिवार को अपने दोस्तों के साथ अपना 29वां जन्मदिन मनाया था। वह आधी रात के बाद अपने दोस्त के कमरे में केक काटने के बाद अपने कमरे में चला गया था और रविवार सुबह छात्रावास के लॉन में पड़ा मिला। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। संभावना है कि निलय गलती से दूसरी मंजिल की बालकनी से गिर गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। महाराष्ट्र के नागपुर में एक पशु बचाव केंद्र में एवियन फ्लू से तीन बाघों और एक तेंदुए की मौत हो गई। इसके बाद चिड़ियाघरों को अलर्ट पर रखा गया है। बाघों को दिसंबर के दूसरे सप्ताह में बचाव केंद्र में लाया गया था, जबकि तेंदुआ मई से वहां था।

थप्पड़ प्रशांत किशोर को नहीं, लोकतंत्र को मारा गया है: अख्तरुल ईमान

कौमी संवाददाता

किशनगंज, 6 जनवरी। बिहार के पटना में प्रदर्शन कर रहे बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में अनशन पर बैठे जनसुराज पार्टी संस्थापक प्रशांत कुमार की गिरफ्तारी के बाद राजनीति गरमा गई है। मालूम हो कि पटना में अनशन कर रहे प्रशांत किशोर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है और कोर्ट में पेश करने वाली है। वहीं, [illegible] पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने सोमवार सुबह प्रेस वार्ता कर सरकार पर जमकर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि प्रशांत किशोर को थप्पड़ मारे जाने की बात सामने आ रही है, अगर ऐसा किया गया है तो यह बहुत ही गलत बात है और यह थप्पड़ प्रशांत किशोर को नहीं बल्कि लोकतंत्र को मारा गया है। उन्होंने कहा कि इसका खामियाजा बिहार सरकार को भुगतना पड़ेगा। अख्तरुल ईमान ने नीतीश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि लोकतंत्र में आंदोलन करने की सबको

छूट है। क्या सरकार गंगा जल से धुली हुई है? उन्होंने कहा कि बीपीएससी के चेयरमैन पर खुद कई आरोप लगे हुए हैं और सरकार दमनकारी नीति अपना रही है, इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बीपीएससी अभ्यर्थी जिनके कंधे पर कल बिहार की व्यवस्था होगी, उनके साथ ये अन्याय नहीं होना चाहिए और फिर से परीक्षा लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा को लेकर जो भी लड़ाई अभ्यर्थियों और राजनैतिक दलों के द्वारा लड़ी जा रही है, उसका वो पूरी तरह समर्थन करते हैं। ईमान ने कहा कि बिहार में सरकार पूरी तरह फेल है और अफसर शाही हावी है। उन्होंने राज्य सरकार पर डंडे के बल पर सरकार चलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जहां एक तरफ बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की बात करने वाली सरकार में बेटियों पर लाठी बरसाई जा रही है, जिसमें की एक बेटी आईसीयू में भर्ती है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर उनकी पार्टी साथ खड़ी है। पत्रकार वार्ता में प्रदेश कोषाध्यक्ष इशहाक आलम सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बरेली में समलैंगिक संबंध के चलते युवक की हत्या, दोस्त निकला कातिल

बरेली, 6 जनवरी। बरेली में समलैंगिक संबंधों में तीसरे साथी की दखल से बौखलाए दोस्त ने ही किला क्षेत्र निवासी युवक की हत्या कर दी। छह महीने बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। रविवार को इस घटना का खुलासा किया गया। आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। किला थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि एक जून 2024 को युवक की हत्या कर शव नवदिया रेलवे लाइन पर फेंक दिया गया था। मृतक की मां ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। विवेचना में पता चला कि दोस्त ने ही युवक की हत्या की थी। शनिवार रात पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके घर से रस्सी बरामद की, जिससे युवक का गला कसा गया था। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसके युवक से समलैंगिक संबंध थे। दोनों एक-दूसरे के साथ लंबे समय तक रहे। आरोपी को पता चला कि युवक दूसरे साथी के भी संपर्क में है। कई बार मना करने पर भी वह नहीं माना तो उसकी गला कसकर हत्या कर दी। फिर शव रेलवे लाइन पर डालकर फरार हो गया। पुलिस ने जांच पड़ताल करते हुए कड़ी से कड़ी जोड़ी और फिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि युवक की हत्या उसी के करीबी दोस्त ने की थी। दोनों के बीच अच्छी दोस्ती थी, पर कुछ वजहों से आरोपी ने उसकी हत्या कर दी। आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया।

जहरीले कचरे को लेकर हाईकोर्ट ने दिया छह हफ्ते का समय

जबलपुर/भोपाल, 6 जनवरी। भोपाल गैस त्रासदी के जहरीले कचरे को लेकर मचे घमासान के बीच आज सोमवार को जबलपुर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान होईकोर्ट की डिवीजन बेंच से सरकार ने कहा कि गलत जानकारी के कारण पीथमपुर में हालात बिगड़े और स्थिति खराब हुई। सरकार ने कोर्ट से छह हफ्ते का समय मांगा। इस पर चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने सरकार की मांग मानते हुए उसे छह सप्ताह का समय दे दिया। अब मामले की अगली सुनवाई 18 फरवरी को होगी। दरअसल, यूनियन कार्बाइड के कचरे के निस्तारण को लेकर हाईकोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। इस दौरान सरकार की ओर से कोर्ट में एक हलफनामा पेश किया है। जिसमें सरकार ने बताया है कि यूनियन कार्बाइड के कचरे को लेकर लोगों द्वारा भ्रामक जानकारियां फैलाई जा रही है। इस पर कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए मुद्दे से जुड़ी फेक जानकारी या न्यूज पर रोक लगा दी है। साथ ही कोर्ट ने सरकार से कहा है कि गलत जानकारी को दूर किया जाए। सुनवाई के दौरान सरकार ने रामकी कंपनी में खड़े कंटेनर को अनलोड करने की अनुमति कोर्ट से मांगी है। इस पर कोर्ट ने कहा कि इसके लिए अलग से अनुमति की जरूरत नहीं है। निस्तारण के पूर्व आदेश में ही यह कार्रवाई आती है। राज्य सरकार ने कोर्ट में बताया कि कचरे को अभी जलाया नहीं गया है। इस पर कोर्ट ने सरकार को अपने स्तर पर निस्तारण करने की छूट दी

है। इसके लिए उसे छह हफ्ते का समय दिया गया है। इसके अलावा भी हाईकोर्ट में कचरे के निस्तारण को लेकर इंदौर के डॉक्टर्स द्वारा कई आवेदन और आपत्तियां पेश की गई हैं। इन्हें लेकर कोर्ट ने सरकार से कहा है कि वो सभी आवेदन और आपत्तियां को संज्ञान में लेकर उसमें दिए गए तथ्यों को देखे। मामले में अगली सुनवाई 18 फरवरी को होगी। गौरतलब है कि आलोक प्रभाव सिंह द्वारा साल 2004 में एक दायर की गई थी। जिसमें कहा गया था कि भोपाल गैस त्रासदी के दौरान यूनियन कार्बाइड कंपनी से हुए जहरीले गैस रिसाव में लगभग 4 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। भोपाल गैस त्रासदी के बाद यूनियन कार्बाइड फैक्टरी में करीब 350 मीट्रिक टन जहरीले कचरा प ?ा है। याचिका में जहरीले कचरे के विनिष्टीकरण की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता की मृत्यु के बाद हाईकोर्ट स्वत: संज्ञान लेकर मामले की सुनवाई कर रहा है। पिछली सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि वर्तमान याचिका वर्ष 2004 में दायर की गई थी। 20 वर्ष बीतने के बाद भी प्रतिवादी अभी तक पहले चरण में हैं। साइट से जहरीला कचरा हटाये जाने के लिए सरकार, संबंधित अधिकारी और प्रतिवादी संयुक्त बैठक कर एक सप्ताह में सभी औपचारिकताएं पूरी करें। जहरीला कचरे को चार सप्ताह में उठाकर विनष्टीकरण स्थल तक पहुंचाया जाए। कोई विभाग आदेश का पालन करने में विफल रहता है, तो संबंधित विभाग के प्रमुख सचिव पर अवमानना की कार्रवाई की जाएगी।

गलन और कोहरे के बीच होगी बारिश की भी एंट्री

लखनऊ, 6 जनवरी। प्रदेश में पूरब से पश्चिम तक ठंड का कहर बरकरार है। गलन भरी पछुआ और कोहरा इस हा ? कंपाती ठंड में और इजाफा कर रहा है तो वहीं ठंड भरे मौसम में अब बारिश की भी एंट्री होने जा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को प्रदेश के पश्चिमोत्तर हिस्सों सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, संभल, अलीग ?, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, मेरठ में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। सोमवार को यूपी के पश्चिमी हिस्से बागपत और दिल्ली से लगे इलाकों में हल्की बारिश देखने को मिली। राजधानी दिल्ली में तो बारिश के साथ ओले भी गिरे मंगलवार की सुबह से प्रदेश के ज्यादातर इलाकों के तापमान में फिर से गिरावट आने और कोहरे में बढ़ोत्तरी होने की संभावना है। सोमवार को प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में घना कोहरा छाया रहा और कई इलाकों में दक्षिता शून्य तक जा पहुंची राजधानी लखनऊ समेत बाराबंकी कानपुर अयोध्या अमेठी और आजमगढ़ में दक्षता शून्य तक सिमट गई और वाहनों की आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ा। कोहरे की चादर की वजह से बलिया बहराइच चुर्क सोनभद्र और उरई में दृश्यता 50 मीटर से भी कम पर सिमट गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि पश्चिमी विकशॉप के असर से मौसम में बदलाव के बीच प्रदेश के पश्चिम उत्तर हिस्से में सोमवार को बुढ़ापड़ी के आसार हैं इसके बाद तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। यूपी में मध्यम से घने कोहरे का दौर अगले तीन-चार दिनों तक जारी रहेगा।

डर बनाए रखने के लिए रची थी बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश

मुंबई, 6 जनवरी। मुंबई में 12 अक्तूबर को एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के छोटे भाई अनमोल बिश्नोई का नाम मास्टरमाइंड के रूप में सामने आया है। मुंबई पुलिस ने एक विशेष अदालत में सोमवार को चार्जशीट दाखिल की है। इसमें कहा गया कि गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई ने अपनी संगठित अपराध सिंडिकेट के जरिए डर का माहौल बनाने के लिए हत्या का आदेश दिया था। पुलिस ने 4,590 पन्नों वाली चार्जशीट सोमवार को एक विशेष अदालत में दाखिल की। इसमें 26 गिरफ्तार आरोपियों और तीन फरार आरोपियों के खिलाफ आरोप लगाए गए हैं, जिनमें जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई अनमोल बिश्नोई भी शामिल है। अनमोल बिश्नोई ने सिद्दीकी की हत्या की साजिश रची थी, ताकि वह अपने अपराध सिंडिकेट पर डर और दबदबा बना सके। उसके अलावा अन्य फरार आरोपियों में मोहम्मद यासिन अख्तर और शुभम लोंकार शामिल हैं। अब तक पुलिस ने 26 लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके खिलाफ कड़ी महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम (स्ष्ट्रह्ष्ट) एक्ट के तहत कार्रवाई की है। सभी आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की 12 अक्तूबर, 2024 को मुंबई के बांद्रा इलाके में उनके बेटे जीशान सिद्दीकी के ऑफिस के बाहर तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। महाराष्ट्र के पालघर जिले में सोमवार सुबह 3.7 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के झटकों से किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। जिला आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख विवेकानंद कदम ने एक आधिकारिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि भूकंप सुबह 4.35 बजे दहानू तालुका में दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि तालुका के बोरडी, दपचारी और तलासरी इलाकों में लोगों ने सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस किए। जिले में पहले भी कभी-कभार भूकंप के झटके महसूस किए जा चुके हैं। पुलिस ने महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक पालतू जानवरों की देखभाल करने वाली सुविधा के प्रबंधन के खिलाफ स्थानीय निवासी के दो कुत्तों के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। दो कुत्तों - एक गोल्डन रिट्रीवर और एक टॉय पूडल के मालिक ने उन्हें 26 दिसंबर, 2024 को पालतू जानवरों की

देखभाल करने वाली सुविधा को सौंप दिया था, क्योंकि उन्हें और उनकी पत्नी को विदेश यात्रा करनी थी। मालिक ने आरोप लगाया कि पालतू जानवरों की देखभाल करने वाले केंद्र में कुत्तों के साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें पीटा गया, जिससे टॉय पूडल की एक आंख की रोशनी हमेशा के लिए चली गई और इससे रिट्रीवर को भावनात्मक आघात पहुंचा। अधिकारी ने बताया कि उनकी शिकायत और पीपुल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (पेटा) के एक प्रतिनिधि के हस्तक्षेप के बाद, वर्तक नगर पुलिस ने रविवार को पालतू पशु सुविधा के प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज किया। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में ठाणे के एक 26 वर्षीय युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। ठाणे के श्री नगर पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान हितेश ढेंडे के रूप में हुई है, जो कि ठाणे के श्री नगर के वर्लीपाड़ा का निवासी है। आरोपी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर डिप्टी सीएम को धमकी दी। आरोपी ने डिप्टी सीएम के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया और डिप्टी सीएम को जान से मारने की भी धमकी दी। शिवसेना के एक कार्यकर्ता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 133, 352, 351 और 356 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

महाकुंभ में जाने का शानदार मौका

वाराणसी, 6 जनवरी। यदि आपके गांव, मोहल्ले, कॉलोनियों या अपार्टमेंट में 40 से 50 लोग इकट्ठा हैं और वह महाकुंभ जाना चाहते है तो रोडवेज बस आपके दरवाजे तक आएगी। बस की बुकिंग कराकर महाकुंभ जा सकते हैं।

NAME CHANGE
I, Akanksha Diwan W/o Deepak Kumar R/o H.No-1469, Lane No-5, Sector-17C, Gurgaon, Haryana-122001 Have Changed My Name To Akanksha Sharma For All Future Purpose

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as JAYSHREE DEVI DAFTARY alias JIVANI DAFTARY, D/o MAHAL CHAND CHHALANI, W/o BIMAL KUMAR DAFTARY, R/o Plot.No.18, Khasra No.364, Near Royal Garden Farm House, Ruby Enclave, VTC: Sadullabad, PO: Loni, District: Ghaziabad, State: Uttar Pradesh-201102, have changed my name and shall hereafter be known as JIVANI DAFTARY.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Naresh Kumar S/o Nakli Singh, R/o House No RZ-29 First Floor,Prem Nagar, Uttam Nagar PO DK Mohan Garden, Dist. West Delhi, Delhi-110059,declare that name of my daughter has been wrongly written as Laxmi in PPO No 212202101440.The actual name of my daughter is Princy Pundir, which may be amended according.

NAME CHANGE
I, BABU RAM S/o BAIJNATH, R/o 78, naya purwa Nayapurwa khuta khoonta Fatehpur Uttar Pradesh - 212635, have changed the name of my minor son PRINCE alias ARYAN SONKAR aged 17 years and he shall hereafter be known as ARYAN SONKAR.

NAME CHANGE
I hitherto known as KAMLESH alias PINKI PANCHAL W/O SUNIL PANCHAL D/O BHIMKAM Lal R/O 1-4649 100E f/f, GAli no-4, New modern shahdara, Shahdara, North ,Delhi - 110032 have changed my name and shall hereafter be known as PINKI PANCHAL .

NAME CHANGE
I, ZEBUN NISA W/O MOHAMMAD ASHRAF residing at A-30,OKHLA VIHAR BLOCK A JAMIA NAGAR SOUTH DELHI-110025 have changed my name to ZAIBUN NISA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, CHAUDHARY ASHABEN Wife of No-15442478Y, Rank-NK, Name-CHAUDHARY ALPESH KUMAR Presently residing at VILL-NALASAR, PO-MAJADAR, TEH-VADGAM, DIST-BANASKANTHA, GUJARAT-385210 have changed my name from CHAUDHARY ASHABEN to CHAUDHARY ASHABEN ALPESHKUMAR for all future purposes vide Affidavit dated 06/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR S/O BAL KISHAN RESIDENT OF 218 A GALI NO.2 NEW LAHORE COLONY SHASTRI NAGAR DELHI-110031 HAVE CHANGED MY NAME FROM DEEPAK TO DEEPAK KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I JAI KUMAR S/O ANIL KUMAR YADAV R/O C-79 STREET NO-2 BHAJAN PURA NORTH EAST DELHI BHAJAN PURA DELHI- *110053* HAVE CHANGED MY NAME TO JAI KUMAR YADAV.

NAME CHANGE
I Awadhesh Kumar S/o Raveendra Nath Pandey R/o Lic Dda Flat No. 150, Second floor, Jai Ambey Apartment Mayur Vihar Phase 3 Vasundra Enclave East Delhi Delhi - 110096 have changed my name to Awadhesh Pandey for all future purposes.

NAME CHANGE
I Neelam Kumari W/o Rajesh Kumar Arora R/o House No. 2, SG Enclave Phase 1 The Millenium School Majitha Road Naushehra Amritsar Punjab - 143008 have changed my name to Neelam Arora for all future purposes.

NAME CHANGE
I Pardeen S/o Sadhu Ram R/o 03 Near Police Chowki Serhaul Sector 18 Air Force Gurgaon Haryana - 122005 have changed my name to Pradeep for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAM BADAN PRASAD S/O SUKHRAJ PRASAD, R/O WZ-178 U/G/F F SIDE, CHHOTIAL PALAM, SAINI KHOYE WAALI GALI, PALAM, PALAM VILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045 declare that name of mine has been wrongly written as RAM BADAM in my minor RIDDHI aged 14 years in her Birth Certificate-MCDOLIR-0111-004639057. The actual name of mine is RAM BADAN PRASAD, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I mohd wasil arifi S/O mohd arif Resident =7588 Gali khatra khuda baksh near ghnte wali masjid sadar bazaar Delhi-110006 Have changed my name to Mohmmed wasil.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as RAJESH KUMAR alias RAJESH SHARMA S/O DHANANJAY R/o 281, Flat no -2, sctoor-1, Vashundhra, Vashundhra Ghaziabad Uttar Pradesh - 201012 have changed my name and shall hereafter be known as RAJESH SHARMA

NAME CHANGE
I, Ranjit Kaur W/o Joginder Singh R/o Vill- Behbowal, Chhanian, P.O- Nangal Bihalan, Dasuya, Hoshiarpur, Dasuya, Punjab, 144205, have changed my name Ranjeet Kaur for all future purposes. Ranjit Kaur and Ranjeet Kaur both are one and same person & some documents my DOB is wrongly written as 23-02-1987, but my correct DOB is 01-01-1965 for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Gandharv Singh alias Harshit Singh Tomar S/O Hari Shankar Singh R/O 136, GHALIB APPARTMENT, PITAMPURA, Saraswati Vihar S.O, PO:, DIST:North West Delhi, Delhi-110034,have changed my name and shall hereafter be known as Harshit Singh Tomar.

NAME CHANGE
I RAKESH TIWARI S/O SHANKAR TIWARI R/O PLOT N0-1-A UPPER GORUND FLOOR FRONT SIDE GALI N0-22 BLOCK R.K BHAGWATI GARDEN EXTN. UTTAM NAGAR DELHI-110059 HAVE CHANGE MY NAME RAKESH KUMAR TIWARI FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I.No 4489743f Nk Harvinder Singh s/o Savinder singh R/o chhapa Tehsil and District Tarn Taran have changed my wife's name from Manjit karu to Manjeet kaur vide Affidavit no.IN-DL12075463631576X Date 02.1.2025 before notary public Delhi

NAME CHANGE
I, Jeeshan brother of Israr Khan presently residing at Vill - Mahoi, Post - Mahol, Tehsil-Farrukhabad Distt Farrukhabad (Uttar Pradesh)- 209743 have changed my Name from Jishan Khan to Jeeshan vide Affidavit dated 06.01.2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, EHTESHAM KHAN / AHTESAM KHAN son of ZAFARUDDIN KHAN residing at HOUSE NO-403, BLOCK-C6, OKHLA VIHAR, JAMIA NAGAR, DELHI-110025 have changed my name to AHTESHAM KHAN for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SHER MOHD S/o KALUVA, R/o C-12/437 f/f Yamuna vihar seelampur Delhi -110053 declare that name of my father has been wrongly written as KALLU KHAN in my Passport Documents. The actual name of my father are KALUVA in Father death certificate , which may be amended accordingly

DATE OF BIRTH CHANGE
I, JC-291641F Rank-NB/SUB, Name-RUPNATH GOYARY Presently residing at VILL- KHAMARGURI, PO-BORO BAZAAR, TEH-BIJNI, PS-BIJNI, DIST-CHIRANG, ASSAM-783393, in my service records my wife's (JWNGTI GOYARY) date of birth wrongly mentioned as 01/01/1985 instead of her correct date of birth as 24/11/1983 vide Affidavit dated 06/01/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, UMINDER SINGH S/o HARMINDER SINGH R/o 1/32, SADAR BAZAR, DELHI CANTT-110010, have changed my son's name from ANGAD SINGH to ANGAD WAHI for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Prashant Patwal S/O Narayan Singh,R/O H. NO. -M-114A, STREET NO. 19, NEAR GAURI SHANKER MANDIR, SADATPUR EXTENSION, Karawal nagar, North East, Delhi 110094, declare that name of my father has been wrongly written as Narayan Singh Patwal in my 10th and 12th Class Educational document. The actual name of my father is Narayan Singh. Which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, MANDAR JAYANT KOKATAY S/O JAYANT MANOHAR KOKATAY, R/O H NO-34, SALARIA OFFICERS ENCLAVE, DWARKA, SECTOR-21, DWARKA SECTOR-21, RAJ NAGAR-II, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077 declare that name of mine, my wife and my minor son has been wrongly written as MANDAR KOKATAY, NEHA KOKATAY and ANIMESH KOKATAY in my minor son ANIMESH MANDAR KOKATAY aged 15 years in his school Records. And that name of mine, my wife and my minor son has been wrongly written as MANDAR KOKATAY, NEHA KOKATAY and ANIKET KOKATAY in my minor son ANIKET MANDAR KOKATAY aged 15 years in his school Records. The actual name of mine, my wife and my minor son's are MANDAR JAYANT KOKATAY, NEHA MANDAR KOKATAY and ANIMESH MANDAR KOKATAY and ANIKET MANDAR KOKATAY,which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
यह आपको सूचित करने के लिए है कि श्री सूर्य प्रकाश गुप्ता एक आवासीय म्युनिसिपल नंबर 129, क्षेत्रफल 266 वर्ग गज, खसरा नं. 189/150, संतनगर, ईस्ट ऑफ कैलाश, न्यू दिल्ली स्थित है, को श्रीमती अमिता आहुजा, श्री रणधीर आहुजा और श्री सुधीर अरोड़ा से खरीदने का इरादा रखते हैं। यह संपत्ति मूल रूप से श्री कृष्ण लाल द्वारा श्री चंदी राम और श्री हरदेव लाल से 19.05.1954 को एक विक्रय पत्र के माध्यम से खरीदी गई थी। इसके बाद, उन्होंने 21.05.1996 को एक पंजीकृत वसीयत बनाई, जिसमें (1) श्री सुधीर अरोड़ा (पुत्र), (2) श्री रणधीर अरोड़ा (पुत्र) और (3) श्रीमती अमिता कुमारी आहुजा (पुत्री) को उत्तराधिकारी के रूप में मानकित किया। श्री कृष्ण लाल, जिन्हें कृष्ण लाल अरोड़ा भी कहा जाता है, 10.10.2010 को निधन हो गए, और उनकी पत्नी श्रीमती कृष्णा कुमारी का निधन 05.07.1988 को हुआ। उनके निधन के बाद उनके वैध उत्तराधिकारी निम्नलिखित हैं (1) श्री सुधीर अरोड़ा (पुत्र), (2) श्री रणधीर अरोड़ा (पुत्र) और (3) श्रीमती अमिता कुमारी आहुजा (पुत्री)। इन सभी के नाम पहले ही एमसीडी रिकॉर्ड्स में 09.01.2013 के म्यूटेशन पत्र के अनुसार बदल दिए गए हैं। उक्त संपत्ति को RBL बैंक, शाखा GP-3, UGF पितांमपुरा रोड, दिल्ली-110034 द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक श्रीमती सुधा शर्मा और श्री सुधीर कुमार शर्मा, खसरा संख्या 160/3 में से 81.429 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति संख्या ए-54/2 के मालिक हैं, जो कि उत्तर घोंडा, इलाका शाहदरा, दिल्ली-110053 में आबादी ए ब्लॉक में, गांव घोंडा गुजरान बांगर में स्थित है। यह संपत्ति 16.03.2011 के विक्रय विलेख के आधार पर है, जिसके अनुसार दस्तावेज संख्या 537, खंड संख्या 4316, पुस्तक संख्या 1, पृष्ठ संख्या 153-159, एसआर- IV सीलमपुर दिल्ली और नोटरीकृत जीपीए के साथ एटीएस और वसीयत दिनांक 18.03.2011 है। अब हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और यह संपत्ति श्री तनुज शर्मा और श्रीमती भावना शर्मा के नाम से बिकने जा रही है, जिसका वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम ब्रांच सुभाष नगर, दिल्ली द्वारा किया जाएगा। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, SONVEER S/O MANGAL SINGH R/O 103, JASOLA, JAMIA NAGAR, SOUTH DELHI, DELHI - 110025, , declare that name of mine has been wrongly written as SOBVEER in my minor daughter SAKSHI, aged 14 year in her School Records. The actual name of mine is SONVEER respectively, which may be amended accordingly.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्री राज कुमार यादव ने खसरा संख्या 185 में से 200 वर्ग गज के फ्रीहोल्ड आवासीय खाली प्लॉट संख्या 4 और 5 क्षेत्र को श्री अमीर अहमद पुत्र मोहम्मद रफीक से कुशल विहार कॉलोनी, ग्राम सादुलाबाद, परगना लोनी तहसील और जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश में खरीदा है, प्रारंभ में श्री अमीर अहमद पुत्र मोहम्मद रफीक और श्रीमती इशरत आमिर पत्नी श्री अमीर अहमद बिक्री विलेख दिनांक 05.06.2012 के आधार पर संयुक्त रूप से स्वामित्व में थे, दस्तावेज संख्या 20515, खंड संख्या 21147 पृष्ठ संख्या 389-422 एसआरओ- गाजियाबाद-IV, उसके बाद श्रीमती इशरत आमिर की 07.03.2023 को मृत्यु हो गई, इसके अलावा श्री अमीर अहमद पुत्र मोहम्मद रफीक ने उक्त संपत्ति श्री राज कुमार यादव के नाम से बिकने जा रही है, जिसका वित्तपोषण पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा- बुराड़ी दिल्ली द्वारा किया जाना है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारञ्चस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक श्रीमती नवाब बेगम पत्नी श्री महमूद अली खान, खसरा संख्या 266/16 में से, कुल 200 वर्ग गज भूमि क्षेत्र में से, 100 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति संख्या 5/202 की मालिक हैं, जो ललिता पार्क, शाहदरा, दिल्ली में शकरपुर खास गांव में स्थित है। जीपीए और एटीएस दिनांक 18.09.1981 के आधार पर, श्रृंखला दस्तावेजों में नीचे उल्लिखित दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं, अर्थात स्वर्गीय श्री राम की एसएमसी, जिनकी मृत्यु दिनांक 31.10.1979 को हुई थी, अब हमारे ग्राहक यह घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और उसी संपत्ति को श्री कंचन गोगिया के नाम से बिकने जा रही है, जिसका वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम ब्रांच- सुभाष नगर, दिल्ली द्वारा किया जाएगा। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकारञ्चस्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

नाम परिवर्तन
मैं सर्विस नंबर-6946796F, रैंक-नायक, नाम-महेश कुमार, निवासी- ग्राम-चेलासी, पोस्ट-सिहोट छोटी, तहसील-सीकर, जिला -सीकर, राजस्थान 332041, यह घोषित करता हूँ कि मैं अपने पुत्र का नाम नीलेश कुमार से बदलकर नीलेश गढ़वाल कर रहा हूँ जो की मेरे पुत्र के आधार कार्ड में है। दिनांक 06/01/2025 शपथ पत्र के माध्यम से नोटरी पब्लिक, दिल्ली के समक्ष।

NAME CHANGE
I, Anand Swroop Saxena S/o Narbada Prasad Saxena R/o 1164-A, Maruti Vihar, Chakkarpur, Gurgaon, Haryana-122002, Have Changed My Name To Anand Swaroop Saxena For All Future Purpose

संक्षिप्त समाचार

2.10 ग्राम स्मैक सहित तस्कर काबू

रेवाड़ी। जगन गेट चौकी पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ स्मैक बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मोहल्ला आनंद नगर निवासी विजय उर्फ कालू के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2.10 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद किया है।

जांचकर्ता ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि मोहल्ला आनंद नगर निवासी विजय उर्फ कालू नशीला पदार्थ स्मैक बेचने का धंधा करता है। वह बीएमजी मॉल के पीछे वाली गली से निकलने वाला है। सूचना पर पुलिस ने तुरंत नाकेबंदी करके आरोपी को काबू कर लिया। जिसकी पहचान विजय उर्फ कालू निवासी मोहल्ला आनंद नगर के रूप में हुई। ड्यूटी मजिस्ट्रेट को साथ लेकर आरोपी की तलाशी ली गई तो आरोपी के कब्जे से 2.10 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक बरामद हुआ। जिस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना शहर में नशीला पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके आरोपी विजय उर्फ कालू को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश करके पूछताछ के लिए एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

पुलिस ने विशेष सर्च ऑपरेशन चलाया

रेवाड़ी। पुलिस अधीक्षक डॉ मयंक गुप्ता के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए थाना बावल पुलिस, डॉग स्क्वायड व कमांडो के जवानों ने संयुक्त रूप से सोमवार को कस्बा बावल, रसियावास रोड व नैचाना रोड पर विशेष सर्च ऑपरेशन चलाया। पुलिस ने वहां विभिन्न संदिग्ध स्थानों की जांच की। इस दौरान पुलिस टीम ने वहां रह रहे बाहरी श्रमिकों की भी जानकारी ली तथा उनके पहचान पत्र भी जांचे। अभियान के तहत पुलिस ने बाहरी लोगों की पहचान सुनिश्चित की तथा संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी की। इसके साथ ही पुलिस ने वाहनों के कागजातों की भी जांच की। बावल थाना प्रबंधक निरीक्षक सुखबीर सिंह ने बताया कि पुलिस की ओर से सुरक्षा के मद्देनजर और अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों को काबू करने के लिए यह सर्च अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक डॉ मयंक गुप्ता के दिशा-निर्देश पर पुलिस की टीमें सर्च अभियान चलाकर संदिग्ध स्थानों पर छापेमारी कर रही है। सोमवार को जिला पुलिस द्वारा गठित बावल थाना पुलिस, डॉग स्क्वायड व कमांडो के जवानों ने बावल थाना क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर काम्बिंग सर्च अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस को किसी प्रकार की आपत्तिजनक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जिला में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए इस तरह के अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे। पुलिस अधीक्षक डॉ मयंक गुप्ता ने जनता से अपील करते हुए कहा कि अगर कोई नशीला पदार्थ बेचता है तो उसकी सूचना पुलिस को देंए पुलिस तुरंत एक्शन लेगी। उन्होंने कहा कि यदि आपके आसपास कोई भी असामाजिक तत्व संदिग्ध व्यक्ति या वाहन दिखाई दे या किसी भी आपातकालीन स्थिति में तुरंत संबंधित थाना या डायल 112 पर इसकी सूचना दें। सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा।

अवैध रूप से शराब बेचने का आरोपी दबोचा

रेवाड़ी। थाना खोल पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव खालेटा निवासी थावर सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 13 बोतल देशी शराब बरामद की है।

जांचकर्ता ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि गांव खालेटा निवासी थावर सिंह अपने मकान में अवैध रूप से शराब की बिक्री करता है। सूचना के बाद तुरन्त रेडिग पार्टी तैयार कर बताए हुए स्थान पर पहुंचकर आरोपी को काबू कर लिया गया। जिसकी पहचान थावर सिंह निवासी गांव खालेटा के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के मकान से 13 बोतल देशी शराब बरामद की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना खोल में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज करके आरोपी थावर सिंह को गिरफ्तार कर लिया है।

शराब की पेटियों से भरे ट्रक सहित चालक गिरफ्तार

गुरुग्राम। गुरुग्राम पुलिस ने कार्यवाही कर 170 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब से भरे ट्रक सहित चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने अपने विश्वसनीय सूत्रों के माध्यम से प्राप्त सूचना पर कार्यवाही करते हुए अवैध शराब से भरे ट्रक को उसके चालक आशिक सहित नजदीक सैनिक पेट्रोल पंप एनएच 48 से काबू करने में सफलता हासिल की है। आरोपी युवक के कब्जे से 170 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद करने पर उसके खिलाफ थाना बिलासपुर में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी से पुलिस पूछताछ में ज्ञात हुआ कि उसके कब्जे से बरामद हुए ट्रक व उसमें भरी हुई शराब को फरीदाबाद से गुजरात ले जाया जाना था, परन्तु बिलासपुर के नजदीक ही पुलिस ने इसे शराब से भरे ट्रक सहित पकड़ लिया।

शोरुम से चोरी करने वाला युवक गिरफ्तार

गुरुग्राम। ज्वेलर्स के शोरूम से चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक युवक को काबू किया है, जिसके कब्जे से 5 लाख 2 हजार रुपए बरामद किए गए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 19 दिसम्बर को एक व्यक्ति ने पुलिस थाना डीएलएफ सैक्टर-29 को एक लिखित शिकायत दी कि एमजी रोड पर स्थित एमजीएफ मॉल स्थित उसकी ज्वेलरी के शोरूम से ग्राहक बनकर आए व्यक्ति सोने के सिक्के चोरी करके ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी राहुल को इफ्को चौक से काबू कर लिया।

रेलवे चिकित्सा अधिकारियों का स्तानांतरण व नियुक्ति पर किया अभिनंदन

रेवाड़ी ।स्थानीय रेलवे अस्पताल में तैनात बतौर मंडल चिकित्सा अधिकारी डा. केशव गुप्ता के दिल्ली मंडल में तबादला होने तथा स्थानीय अस्पताल में बतौर सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्यभार संभालने पर डा. अंजू कुमारी का नोर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलाइज यूनियन बीकानेर मंडल के सहायक मंडल मंत्री देवेंद्र सिंह यादव की अगुवाई में दोनों अधिकारियों का रेलकर्मियों ने फूलमालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया।

केजरीवाल भ्रष्टाचार नाम को लेकर सत्ता में आए थे और आज वह भ्रष्टाचार के केस में ही जेल से जमानत पर बाहर आए हैं :विज

चंडीगढ। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा कि केजरीवाल भ्रष्टाचार नाम को लेकर सत्ता में आए थे और आज वह भ्रष्टाचार के केस में ही जेल से जमानत पर बाहर आए हैं।

श्री विज आज दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बयान कि भाजपा ने दिल्ली के लिए कुछ नहीं किया के सवाल पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा केजरीवाल बेशक जेल से बाहर है, मगर भ्रष्टाचार का केस अभी भी चल रहा है। केजरीवाल की जमानत हुई है वह बरी नहीं हुए हैं और केजरीवाल को तो किसी भी प्रकार से बोलने का अधिकार ही नहीं है। किसान नेता डल्लेवाल मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जो हिदायत दी पंजाब सरकार उसकी पालना नहीं कर रही है, शायद वह किसी दिन का इंतजार कर रहे हैं ताकि पंजाब के हालात खराब हों = कैबिनेट मंत्री अनिल विज*

किसान नेता डल्लेवाल को अस्पताल में दाखिल करने के मामले में कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि यह पंजाब का मामला है और इस मामले में पंजाब सरकार की क्या मंशा है, वह क्या चाहती है, सुप्रीम कोर्ट ने मामले में बकायदा कमेटी बनाई है। सुप्रीम कोर्ट ने जो हिदायत दी है पंजाब सरकार उसकी पालना नहीं कर रही है, शायद वह किसी दिन का इंतजार कर रहे हैं ताकि पंजाब के हालात खराब हों।

कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिव कुमार के बयान कि दिल्ली में कांग्रेस सरकार आते ही प्यारी दीदी योजना आरंभ करेंगे के बयान पर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि न नौ मन तेल होगा, न राधा नाचेगी। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि इन्हें पता है कि कांग्रेस की सरकार नहीं आनी, तो फिर जितनी मर्जी घोषणाएं कर दो।

सेवानिवृत्त बिजेन्द्र चहल का स्वागत करते यूनियन पदाधिकारी, अधिकारी व कर्मचारी।

एनएसएस की साक्षी का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंटवार्ता के लिए हुआ चयन

सोनीपत। जीवीएम गर्ल्ज कालेज की एनएसएस की छात्रा साक्षी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंटवार्ता का सुअवसर मिलने जा रहा है। साक्षी को जिला व प्रदेश स्तर पर प्रदर्शन की बदौलत विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2025 के लिए चुना गया है, जिसमें स्वयं प्रधानमंत्री मोदी देशभर के चुनिंदा युवाओं से रूबरू होंगे। संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने साक्षी को बधाई दी है। एनएसएस की कार्यक्रम अधिकारी रूचिका विरमानी ने बताया कि युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग के निर्देशन में कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के तत्वावधान में नेशनल यंग लीडर्स डायलॉग के लिए युवाओं का चयन किया गया है, जिनमें साक्षी शामिल है। इसके लिए पहले ऑनलाइन क्विज का आयोजन हुआ। ऑनलाइन क्विज में करीब तीस

लाख युवाओं ने हिस्सा लिया, जिनमें से 850 युवाओं को चुना गया। चयनित युवाओं ने निबंध लेखन प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिसमें सर्वश्रेष्ठ कृतियों के आधार पर 250 युवाओं का चयन किया गया। चयनित युवाओं को कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में प्रेजेंटेशन के लिए आमंत्रित किया गया, जिसके तहत प्रतिभागियों ने पीपीटी चैलेंज में हिस्सा लिया। पीपीटी के उपरांत लीडरशिप कंपीटिशन हुआ, जिसमें संबंधित मंत्रालय के विशेषज्ञ ने साक्षात्कार कर प्रदेशभर से 45 युवाओं को चुना। यह सभी 45 युवा अब राष्ट्रीय स्तर पर प्रेजेंटेशन देंगे। इसके लिए इन्हें तीन-तीन युवाओं की टीमों में विभाजित किया गया है। साक्षी के साथ पानीपत के प्रतीक व करनाल की दीक्षा को जोड़ा गया है। प्रदेश स्तर पर साक्षी को राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में तृतीय पुरस्कार से नवाजा गया। साक्षी के अनुसार राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित युवाओं को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 8 जनवरी को हरियाणा निवास चंडीगढ़ में जलपान के लिए आमंत्रित किया है, जहां से वे प्रदेश के युवाओं को शुभकामनाओं के साथ 9 जनवरी को दिल्ली के लिए रवाना करेंगे। इसके बाद 10 जनवरी को सभी प्रतिभागी अपनी प्रेजेंटेशन देंगे तथा 11 जनवरी को मंत्रालय की ओर से प्रतिभागियों की मास पीपीटी तैयार की जाएगी। साथ ही हर राज्य से दो-दो प्रतिभागियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत के लिए चुना जाएगा। चयनित प्रतिभागियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 जनवरी को विशेष रूप से बातचीत करेंगे।

एचएसविपी विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों ने बिजेंद्र चहल किया स्वागत

सोनीपत। यूनियन नेता बिजेंद्र चहल की सेवानिवृत्ति के अवसर पर एचएसविपी विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों व ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। राज्य उप प्रधान रामपाल शर्मा व जिला सचिव मुकेश शर्मा ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता अधिक्षक अभियंता पवन कुमार ने की तथा मंच का संचालन सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के वरिष्ठ नेता जयभगवान दहिया व जिला सचिव मुकेश शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। सर्वप्रथम अधिक्षक अभियंता पवन कुमार ने पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद सम्पदा अधिकारी सिध्दार्थ, डीटीपी अजमेर सिंह, उपमंडल अभियंता विजय दहिया, अमित वशिष्ठ, लेखाकार दिपा नरवाल, सहायक मोनिका, पूनम, सुरेन्द्र धनखड़, कनिष्ठ अभियंता दिनेश कुमार, रोहित कुमार व विक्रम रोहिल्ला ने फूल मालाओं से स्वागत किया। बिजेंद्र चहल ने एक दिसंबर 1986 को फरीदाबाद हुडडा विभाग में नौकरी ज्वाइंन की थी। 38 वर्ष एक महीने के लंबे सेवाकाल के बाद 31 दिसंबर 2024 को मण्डल कार्यालय सोनीपत से वाटर वर्क्स सुपरिटेंडेंट के पद से सेवानिवृत्त हुए। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी फैडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा, राज्य प्रधान कृष्ण धीमान, राज्य चेयरमैन राय सिंह, पूर्व राज्य प्रधान बनवारी लाल सैनी, वेद दूहन, महासचिव जगदीश प्रभाकर, विजयपाल, कोषाध्यक्ष तेजराम, अजीत सहरावत, सेवा राम बड़सर, रामनिवास ठाकरान ने आदि ने कहा कि बिजेंद्र चहल 1995 से लगातार यूनियन में सक्रिय व अग्रणी भूमिका निभाते आ रहे हैं। हुड्डा वर्कर्ज यूनियन में कार्य करते हुए सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा में भी अहम पदों पर रहते हुए हमेशा कर्मचारियों के हितों की लड़ाई लड़ी है। जिला में सचिव के पद से शुरुआत करते हुए राज्य प्रधान, महासचिव आदि मुख्य पदों पर लम्बे समय तक रहकर यूनियन में काम किया। वर्तमान में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा में राज्य सचिव के पद पर व हुड्डा वर्कर्ज यूनियन के राज्य प्रधान के पद पर व हुड्डा विभाग की छह यूनियन के संगठन एचएसविपी कर्मचारी यूनियन के राज्य महासचिव के पद पर रहकर कर्मचारियों के हितों की लड़ाई लड रहे हैं। इस दौरान सुरेन्द्र सिंह, नरेश फोगाट, कमल गौडिया, शिवकुमार, सुरेन्द्र सिंह, ओमप्रकाश मलिक, सत्यवान राठी, जयभगवान चहल, प्रदीप जांगड़ा, कमल सिंहमार, विक्रम जून, रमेश वर्मा, सेवाराम बड़सर, सरदार लखविंदर सिंह, सुभाष चन्द्र, धर्मपाल सिंह, रविन्द्र सिंह, साहब सिंह व सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान देशराज नैन, राममेहर शर्मा, बिजेंद्र कादियान, देवेन्द्र दहिया, राजा भैया, राजेश कुमार, श्याम सुंदर, चांदराम चहल, राजिव खत्री, संदीप तूर, ओमप्रकाश मलिक आदि नेताओं व ग्रामीणो ने बिजेंद्र चहल का स्वागत किया।

पुलिस मुठभेड़, 2 बदमाश घायल-CIA इंचार्ज को भी गोली लगी बुलेटप्रूफ जैकेट से बचे; कत्ल करने आए थे

पलवल। हरियाणा के पलवल में पुलिस और बदमाशों में मुठभेड़ हुई है। इस दौरान दोनों ओर से गोलियां चलीं। क्रॉस फायरिंग में 2 बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। छठ्ठ इंचार्ज को भी गोली लगी, लेकिन बुलेट प्रूफ जैकेट के कारण उनकी जान बच गई। पुलिस ने घायल बदमाशों को नल्हड़ मेडिकल कॉलेज में दाखिल कराया है। वहीं इनके 2 साथी अंधेरे का फायदा उठा कर भाग गए।

पकड़े गए एक आरोपी का पिछले दिनों पलवल में जमीन विवाद में झगड़ा हो गया था। जिसके बाद इनके खिलाफ हसनपुर थाने में केस दर्ज हुआ था। सोमवार को आरोपी शिकायतकर्ताओं की हत्या करने के लिए पहुंचे थे। इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें मुठभेड़ के बाद काबू कर लिया।

गिरफ्तार बदमाशों के पास से

पुलिस ने 2 देसी कट्टा, पांच कारतूस व चली हुई गोलियों के 3 खोल और एक बाइक बरामद की है। दोनों पर हत्या, हत्या के प्रयास, लूट, डकैती, फिरौती आदि के 32 मुकदमे दर्ज हैं।

डीएसपी ने बताई मुठभेड़ की पूरी कहानी...

1. कमरे में हथियार समेत छुपे थे

पलवल के छठ्स्क (क्राइम) मनोज वर्मा ने बताया कि सोमवार सुबह 2-3 बजे छठ्ठ प्रभारी दीपक गुलिया के नेतृत्व में पुलिस की टीम गश्त पर थी। उसी समय सूचना मिली कि मुंडकटी-सेवली रोड पर एक प्लाट में बने कमरे में तीन-चार युवक हैं। उनके पास अवैध हथियार हैं और किसी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। इनमें एक राजस्थान का बदमाश है, जिस पर काफी मुकदमे दर्ज हैं।

2. पुलिस ने रेड की तो फायरिंग की, छठ्ठ इंचार्ज को लगी

सूचना पर उनकी टीम ने मौके पर रेड कर दी। पुलिस को देखते ही बदमाशों ने हथियार निकाले और पुलिसकर्मियों पर सीधी गोली चला दी। इनमें एक गोली सीआईए प्रभारी दीपक गुलिया की बुलेट प्रूफ जैकेट में लगी। पुलिस ने वॉर्निंग देते हुए 2 राउंड फायर किए। गोली 2 बदमाशों के पैर पर लगी। इनके दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए।

बाइक-अवैध कट्टे बरामद किए:घायल बदमाशों की पहचान थाना हसनपुर के काशीपुर गांव निवासी अशोक व अलवर के नंगलिया निवासी विनोद के तौर पर हुई। इनके कब्जे से एक बाइक, 2 अवैध देसी कट्टे, 5 कारतूस व 3 चले हुए ख

4. एक आरोपी पर 19, दूसरे पर 13 केस: छठ्स्कने बताया कि विनोद के खिलाफ राजस्थान व हरियाणा के विभिन्न थानों में हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, डकैती, अवैध हथियार रखना, मारपीट करने सहित अवैध हथियार रखने 19 मुकदमे दर्ज हैं। वहीं अशोक के खिलाफ पलवल, फरीदाबाद व गुरुग्राम में हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, डकैती, पुलिस पार्टी पर फायरिंग, अवैध हथियार रखने व मारपीट सहित 13 मुकदमे दर्ज हैं।

हत्या की प्लानिंग कर रहे थे

छठ्ठ प्रभारी दीपक गुलिया ने बताया कि अशोक का भैंडोली गांव में जमीनी विवाद को लेकर झगड़ा हो गया था। जिसके बाद अशोक ने दूसरे पक्ष के लोगों को लाठी, डंडों से पीटकर हवाई फायर भी किए थे। जिसके संबंध में अशोक व अन्य के खिलाफ हसनपुर थाने में केस दर्ज किया गया था।

इसी की रंजिश रखते हुए अशोक अपने राजस्थान के नंगलिया निवासी दोस्त विनोद व अन्य 2 युवकों को लेकर शिकायतकर्ताओं की हत्या करने की प्लानिंग बनाकर आया था, लेकिन हत्या की वारदात को अंजाम देने से पहले ही छठ्ठ ने मुठभेड़ के बाद अशोक व विनोद को पकड़ लिया।

रोजगार के नए अवसरों से मिलेगा आमजन को लाभ : राव नरबीर सिंह

गुरुग्राम, = पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि गुरुग्राम जिला में अरावली पर्वत श्रृंखला में बनने जा रही दुनिया की सबसे बड़ी जंगल सफारी व ग्रीन कॉरिडोर से क्षेत्र के ग्रामीण अंचल की तकदीर व तस्वीर बदलने जा रही है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के विकसित होने पर पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी वहीं दूसरी ओर पर्यटन की दृष्टि से क्षेत्र के लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। राव ने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि इस परियोजना से सम्बंधित क्षेत्र के प्रत्येक व्यक्ति को लाभ मिले। कैबिनेट मंत्री सोमवार को बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव अकलीमपुर, टीकली, गेरतपुर बास व सकतपुर में अपने धन्यवादी दौरे में उपस्थित नागरिकों को संबोधित कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री का इस दौरान ग्रामीणों द्वारा फूलमालाओं व पगड़ी पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। राव नरबीर सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार सबका साथ सबका विकास व सबका विश्वास के ध्येय के साथ प्रदेश के सभी क्षेत्रों का चहुमुखी विकास करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम जिले में विकास की गति को बरकरार रखते हुए नए आयाम दिए जा रहे हैं। जिससे विकास कार्यों और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में गुरुग्राम को विश्व में एक नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पारदर्शिता और ईमानदारी तथा नेक नीति को लेकर हर वर्ग के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि जिस विश्वास के साथ हरियाणा की जनता ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार को तीसरी बार सेवा का मौका दिया है। उन उम्मीदों पर खरा उतरते हुए सरकार प्रदेश के हर वर्ग को साथ लेकर चलेगी व समाज के अंतिम व्यक्ति को लेकर जनकल्याणकारी नीतियों को अमलीजामा पहनाएगी। विकास कार्यों के लिए सरकार के पास धन की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि आमजन की मूलभूत सुविधाओं के लिए होने वाले विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। केंद्र व हरियाणा सरकार लोगों का चहुमुखी एवं सर्वांगीण विकास करने में जुटी हुई है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा की केंद्र सरकार और श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने लगातार योजनाओं के माध्यम से प्रदेश की जनता को सशक्त करने का काम किया है। भाजपा सरकार के कार्यकाल में गरीब, महिला, किसान सबका उत्थान हुआ है और युवा साथियों को बिना खर्ची पर्ची के नौकरी मिल रही हैं।

उपायुक्त ने रविवार रात रैन बसेरों का निरीक्षण कर सुविधाओं का लिया जायजा

गुरुग्राम।जिला उपायुक्त अजय कुमार ने रविवार रात को शहर में निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डो में बनाए गए रैन बसेरों का निरीक्षण कर उनमें उपलब्ध सुविधाओं का जायजा किया। रैन बसेरे में सुविधाएं बढाने के निर्देश देते हुए उपायुक्त ने कहा कि आगंतुकों को गर्म पानी, शौच व स्नानघर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराएं। इससे लोगों को रैन बसेरों में ठहरने पर उचित लाभ मिल सकेगा। उन्होंने स्वयं सेवी संस्थाओं व अन्य सामाजिक लोगों से अपील कर कहा कि बढ़ती ठंड को देखते हुए बेघर लोगों को रैन बसेरों में ठहरने के लिए प्रेरित करें। उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान रैन बसेरों में ठहरे लोगों से फीडबैक लिया और उन्हें कंबल भी वितरित किए। रविवार रात को निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मुख्य रूप से गुरुग्राम रेलवे रोड, भीम नगर, कादीपुर स्थित रैन बसेरों का जायजा लिया। उपायुक्त के इस निरीक्षण दौरे में रेडक्रॉस व नगर निगम गुरुग्राम के अधिकारियों की टीम के सदस्य भी मौजूद रहे। रैन बसेरों के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कहा कि अधिक भीड़ वाली जगहों पर अस्थाई रैन बसेरों की संख्या बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि मुख्य फ्लाई ओवर व चौक चौराहों पर निगम अपने स्तर पर पुराने आंकड़ों व औसत के अनुसार स्थान चिन्हित कर अस्थाई रैन बसेरे बनाकर लोगों को लाभ देना सुनिश्चित करे। इस दौरान निगम के सिटी प्रोजेक्ट ऑफिसर महेंद्र कुमार को निर्देश देते हुए उपायुक्त ने कहा कि रैन बसेरों में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इसका भी विशेष ध्यान सभी अधिकारी रखें। रैन बसेरा में साफ-सफाई, प्रकाश की व्यवस्था के साथ-साथ शौचालय भी साफ-सुथरे रहें, इस ओर विशेष ध्यान दिया जाए। सर्दी के मौसम को देखते हुए रैन बसेरों में कंबल आदि की व्यवस्था भी पर्याप्त संख्या में की जाए। सार्वजनिक स्थानों पर रैन बसेरा सूचना बोर्ड लगाने के भी निर्देश किए जारी

रैन बसेरे का निरीक्षण करते हुए डीसी ने कहा कि शहर में सभी सार्वजनिक स्थानों पर रैन बसेरे से संबंधित जानकारी देते साइनेज व सूचना बोर्ड लगाए जाएं। सभी रैन बसेरों के आस-पास बोर्ड भी लगाएँ, ताकि लोगो को रैन बसेरे की जानकारी उपलब्ध हो सके। इसके साथ साथ रैन बसेरों के नोडल अधिकारी जब रात को निरीक्षण के लिए निकले तो अपने साथ गाडी में कम्बल जरूर रखें ताकि खुले में बाहर सोने वाले व्यक्ति को त्वरित राहत दी जा सके।

केतन पारेख की पत्नी के फोन से सेबी ने बड़े गोरखधंधे का किया खुलासा

नई दिल्ली, 6 जनवरी। भारतीय शेयर बाजार से जुड़ा एक और घोटाला सामने आया है। इस घोटाले का खुलासा खुद बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड यानी सेबी ने किया है। इस घोटाले में जिन लोगों का नाम सामने आ रहा है वे पहले भी निवेशकों को करोड़ों रुपये का चूना लगाने के आरोप में जेल जा चुके हैं। सेबी ने जिस ने घोटाले का खुलासा किया है वह क्या है? स्कैम के जरिए कितने रुपये की गड़बड़ी की गई? स्कैम में कौन लोग शामिल हैं? उन्होंने कैसे घोटाले का अंजाम दिया? उनपर पहले से क्या आरोप हैं? आइए जानते हैं सबकुछ। शेयर बाजार में 2000-2001 के दौरान हुई गिरावट में अपनी भूमिका के लिए बदनाम केतन पारेख का नाम एक बार फिर एक बड़े वित्तीय घोटाले के केंद्र में है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक फ्रंट-रनिंग स्कैम का पर्दाफाश किया है। सेबी के अनुसार पारेख ने गैर-सार्वजनिक सूचना (एनपीआई) का इस्तेमाल करके शेयर बाजार में अवैध सौदे किए। सेबी की जांच से पता चला है कि पारेख ने अपने सहयोगी रोहित सालगांवकर के साथ मिलकर अंदरूनी जानकारी से लाभ उठाने के लिए मोबाइल फोन के एक नेटवर्क का इस्तेमाल किया। इसके जरिए 65.77 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की गई। पारेख और सलगांवकर 2000-2001 में हुए एक घोटाले में जेल भी जा चुके हैं। बाजार नियामक सेबी ने बताया है कि एक फंड हाउस में सलगांवकर के करीबी संबंध थे। फंड हाउस किसी बड़ी डील को अंजाम देने से पहले रोहित सलगांवकर को सूचनाएं मुहैया करवा रहा था। पहली नजर में मिली जानकारी के मुताबिक, सलगांवकर इस सूचना को केतन पारेख के साथ साझा कर रहा था और दोनों अवैध कमाई कर रहे थे। केतन पारेख सूचना हासिल कर अलग-अलग अकाउंट से सौदों को अंजाम देता था। सेबी जांच में इस बात की जानकारी मिली कि पारेख ट्रेड की फ्रंट रनिंग के लिए कोलकाता की इकाइयों के अपने पुराने नेटवर्क का इस्तेमाल करता था और नियामकीय दायरे से खुद को बचा लेता था। सेबी की जांच से पता चला कि सलगांवकर के पास एक बड़े अमेरिकी फंड की ओर से किए गए ट्रेडों के बारे में गोपनीय जानकारी तक पहुंचती थी, जिसे बिग क्लाइंट कहा जाता है। सेबी ने पाया कि पारेख इस जानकारी को फ्रंट रनर को मुहैया करता था, जो फिर बड़े क्लाइंट के लेनदेन से पहले सौदे करते थे। इससे उन्हें कीमतों को ऊपर-नीचे करने में मदद मिलती थी। सेबी को दिए गए अपने बयान में, सलगांवकर ने बताया कि उन्होंने बड़े क्लाइंट से मिली जानकारी का इस्तेमाल ट्रेड के लिए काउंटरपार्टी खोजने के लिए किया, जिसमें पारेख भी शामिल थे। उन्होंने कहा, बड़े क्लाइंट का डीलर मुझे उस स्टॉक का नाम देता था जिसमें वे रुचि रखते थे। मैं विदेशी फंड, भारतीय फंड, शेयरों के अन्य धारकों और अंत में केतन पारेख के साथ इसे साझा करता था। सलगांवकर ने यह भी स्वीकार किया कि पारेख ने बड़े क्लाइंट की टिप के आधार पर लगभग 90% सौदे किए। सेबी की जांच एक महत्वपूर्ण सुराग से शुरू हुई- यह सुराग पारेख की पत्नी ममता पारेख के नाम से पंजीकृत एक मोबाइल नंबर था। यह नंबर, ममता के आधार कार्ड से जुड़ा था। यह नंबर पारेख और उनके सहयोगियों की ओर से इस्तेमाल किए जाने वाले मोबाइल नंबरों के व्यापक नेटवर्क का हिस्सा था। सेबी के विश्लेषकों की जांच में पता चला कि पारेख ने विभिन्न नामों से कम से कम 10 अलग-अलग मोबाइल नंबर पंजीकृत किए थे। ये सभी पारेख के मुंबई स्थित आवास पर एक

साथ मौजूद थे। ये नंबर पारेख के साथ अलग-अलग स्थानों पर पर उसकी यात्रा के दौरान भी मौजूद थे। इन नंबरों से जांचकर्ताओं को जिससे महत्वपूर्ण आंकड़े मिले जिससे पूरे स्कैम को उजागर करने में मदद मिली। 15 मार्च, 2023 को सेबी के दफ्तर पहुंचकर दौरान पारेख ने अपना आधार कार्ड पेश किया, जिसमें उसका फोन नंबर ङ्ङ्ङ्0308243 था। सेबी जांचकर्ताओं ने पाया कि यह नंबर भी उनकी पत्नी के आधार कार्ड से जुड़ा हुआ था। इस खुलासे ने सेबी को अवैध गतिविधियों की आगे की जांच करने में मदद की। 12 दिसंबर, 2023 को सेबी को दिए गए एक बयान में पारेख ने पुष्टि की कि ङ्ङ्ङ्0308243 नंबर उनकी पत्नी का है, यह वही नंबर है, जिसका इस्तेमाल पूरे स्कैम में प्रमुख उपकरणों के रूप में किया गया। इस फोन के लोकेशन डेटा का विश्लेषण करके, सेबी ने पारेख की ओर से इस्तेमाल किए गए अन्य मोबाइल नंबरों से इसका मिलान किया जिससे गड़बड़ी के पूरे नेटवर्क का पता चला। सेबी की जांच में फ्रंट रनिंग में शामिल कई दलालों और सूत्रधारों की भी पहचान की गई। इनमें जीआरडी सिक्योरिटीज, सालासर स्टॉक ब्रोकिंग जैसे दलाल और कोलकाता स्थित अन्य संस्थाओं का नाम है। सेबी ने यह भी पाया कि इन ट्रेडों को निष्पादित करने के लिए फ्रंट रनर द्वारा विभिन्न ट्रेडिंग खातों का उपयोग किया गया था, इन संस्थाओं से कई निदेशक जुड़े हुए थे। कुल मिलाकर, 22 संस्थाएं इस ऑपरेशन में शामिल पाई गईं। 20 स्थानों पर सेबी की तलाशी और जब्ती कार्रवाई के बाद धोखाधड़ी का पूरा खेल सामने आया। अपने निष्कर्षों के आधार पर, सेबी ने केतन पारेख और रोहित सालगांवकर को भारतीय प्रतिभूति बाजारों में कारोबार करने से प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी ने पारेख से जुड़ी 22 संस्थाओं पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। फ्रंट रनिंग शेयर बाजार में कमाई का एक अवैध तरीका है। इसमें कोई ब्रोकर या ट्रेडर, बाजार की गोपनीय जानकारी का फायदा उठाकर लाभ कमाता है। फ्रंट रनिंग को बाजार में हेरफेर और अंदरूनी कारोबार का एक रूप माना गया है। फ्रंट रनिंग तब होती है जब कोई व्यक्ति या संस्था किसी शेयर के बारे में गोपनीय जानकारी प्राप्त करती है, जैसे कि कंपनी के वित्तीय परिणामों या महत्वपूर्ण घोषणाओं के बारे में। इसके बाद, वे इस जानकारी का उपयोग करके शेयर बाजार में लाभ कमाते हैं। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति को पता चलता है कि एक कंपनी के वित्तीय परिणाम अच्छे होने वाले हैं, तो वह उस कंपनी का शेयर खरीद लेता है। जब परिणाम घोषित होते हैं और शेयर की कीमत बढ़ जाती है, तो ऐसे में शेयर खरीदने वाले को लाभ होता है। फ्रंट रनिंग अवैध है क्योंकि बाजार के सामान्य निवेशकों के साथ यह अनुचित व्यवहार है, क्योंकि उनके पास यह वित्तीय परिणामों या महत्वपूर्ण से जुड़ी गोपनीय जानकारी उनके पास उपलब्ध नहीं होती। ऐसे में जिन निवेशकों के पास सूचना उपलब्ध नहीं होती, उन्हें नुकसान सहना पड़ता है। इसके अलावा, फ्रंट रनिंग से शेयर बाजार की विश्वसनीयता भी प्रभावित होती है। जब निवेशकों को लगता है कि बाजार में अनुचित व्यवहार हो रहा है, तो वे अपना विश्वास खो सकते हैं और बाजार से दूरी बना सकते हैं। यह तरह यह बाजार में बड़ी गिरावट का कारण भी बन सकता है। केतन पारेख का नाम 2000-2001 के दौरान भी सुर्खियों में रह था। उस समय केतन जिस शेयर पर पैसा लगा देता वह शेयर रॉकेट बन जाता था और जो शेयर बेच देता था उसके भाव गिर जाते थे। केतन पारेख पेशे से एक चार्टेड अकाउंटेंट था और उसके परिवार वाले मार्केट से पहले जुड़े हुए थे। इसी समय केतन पारेख ने कई घोटाले किए थे, जिससे निवेशकों को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ था। उस दौरान उसे और उसके सहयोगी रोहित सलगांवकर को जेल भी जाना पड़ा था। उस समय बाजार नियामक सेबी ने केतन पारेख पर कारवाई करते हुए उसे बाजार कारोबार करने से 14 सालों के लिए प्रतिबंधित कर दिया था।

एचएमपीवी केस सामने आने पर निवेशक सतर्क

नई दिल्ली, 6 जनवरी। चीन में एचएमपीवी के कारण अफरातफरी बढ़ने और भारत के कर्नाटक व गुजरात जैसे राज्यों में संक्रमितों की पुष्टि के बाद भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को खरीदारों ने सतर्कता बरती। इससे प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक नीचे फिसल गए और निवेशकों को करीब 12 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,258.12 अंक या 1.59 प्रतिशत टूटकर 78,000 अंक से नीचे 77,964.99 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,441.49 अंक या 1.81 प्रतिशत गिरकर 77,781.62 अंक पर आ गया। एनएसई निफ्टी 388.70 अंक या 1.62 प्रतिशत गिरकर 23,616.05 अंक पर आ गया। बाजार के उतार-चढ़ाव को मापने वाला इंडिया वीआईएक्स सूचकांक 2.01 (14.83त्न) अंक उछलकर 15.55 पर पहुंच गया। इस दौरान रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 3 पैसे गिरकर 85.82 (अनंतिम) के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। तिमाही परिणामों में कंपनियों की आय वृद्धि से जुड़ी चिंता और एचएमपीवी संक्रमण और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच सोमवार को बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में 1.6 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। बाजार की धारणा पर रुपये में गिरावट और एशियाई बाजारों के कमजोर रुख का भी असर पड़ा। 30 शेयरों वाले प्रमुख शेयरों में टाटा स्टील, एनटीपीसी, कोटक

महिंद्रा बैंक, इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, जोमैटो, अडानी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा गिरावट में रहे। केवल टाइटन और सन फार्मा में ही लाभ दिखा। बाजार के जानकारों के अनुसार, भारतीय इक्विटी बाजारों में आज तीव्र गिरावट देखी जा रही है, निफ्टी और बैंक निफ्टी दोनों अपने 200-दिवसीय मूविंग एवरेज (डीएमए) से नीचे फिसल गए हैं। बिकवाली का कारण विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) की बढ़ती बिक्री और आगामी तीसरी तिमाही की आय सीजन को लेकर चिंता हो सकती है। स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट के शोध प्रमुख संतोष मीना ने कहा, इसके अलावे, नए एचएमपीवी से संबंधित आशंकाओं ने मंदी की भावना को और बढ़ा दिया है, जिससे हाल की काउंटर-ट्रेंड पुलबैक रैली के बाद बिकवाली का नया दौर शुरू हो गया है। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने एक दिन की राहत के बाद शुक्रवार को 4,227.25 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। एशियाई बाजारों में सियोल में तेजी रही जबकि टोक्यो, शंघाई और हांगकांग में गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार सकारात्मक दायरे में बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.25 प्रतिशत गिरकर 76.32 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शुक्रवार को बीएसई का सेंसेक्स 720.60 अंक या 0.90 प्रतिशत गिरकर 79,223.11 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 183.90 अंक या 0.76 प्रतिशत गिरकर 24,004.75 अंक पर बंद हुआ था।

दूरसंचार कंपनियों को देना ही होगा विशेष टैरिफ वाला वाउचर

नई दिल्ली, 6 जनवरी। मोबाइल सेवा प्रदाताओं को डाटा का उपयोग नहीं करने वाले ग्राहकों के लिए वायस कॉल और एसएमएस के लिए अलग से प्लान जारी करना ही होगा। इस आदेश पर ट्राई कोई पुनर्विचार नहीं करेगा। इसकी वैधता अवधि 365 दिनों से अधिक की नहीं होगी। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने कहा, यह निर्णय ग्राहकों के हित में है। ट्राई चेयरमैन ने कहा, विशेष रिचार्ज कूपन पर 90 दिनों की सीमा 365 दिनों तक की होगी। सेवा प्रदाता को कम से कम एक विशेष टैरिफ वाउचर विशेष रूप से वायस यानी बातचीत और एसएमएस के लिए देना होगा। लाहोटी ने कहा, कमर्शियल मैसेज प्राप्त करने के लिए ग्राहकों की ओर से दी गई पिछली मंजूरियों के लिए डिजिटल डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी (डीएलटी) प्लेटफॉर्म पर एक पायलट प्रोजेक्ट इसी महीने शुरू होगा। ग्राहकों को डाटा का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है, लेकिन उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। वर्तमान में, यदि आपको किसी विशेष सेवा प्रदाता या विक्रेता से संदेश या कॉल प्राप्त होता है और आप शिकायत करते हैं कि यह स्पैम है, तो वे कह सकते हैं कि ऐसा नहीं है। हमारे पास ग्राहक की सहमति है। लाहोटी ने कहा, ट्राई का ध्यान न केवल उद्योग के हितों की रक्षा करना है, बल्कि ग्राहकों के हितों की भी रक्षा करना है, जिनके पास केवल उन सेवाओं के लिए भुगतान करने का विकल्प होना चाहिए जिनकी उन्हें जरूरत है। नियामक सुधार के लिए एजेंसी नियुक्त करेगा। इसे इस साल पूरा किया जाएगा। लाहोटी ने कहा, एक और चीज जिस पर हम काम करेंगे वह है डिजिटल सहमति अधिग्रहण। चुनौती यह है कि उन सहमति को डीएलटी में कैसे ले जाया जाए, क्योंकि आप उन्हें पूरी तरह से त्याग नहीं सकते हैं। नियामक आईटी में सुधार शुरू करने के लिए भी तैयार है।

निवेश में निजी क्षेत्र की अनिच्छा पर कांग्रेस का वार: जयराम रमेश

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 6 जनवरी। कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया कि भारत में निवेश करने में निजी क्षेत्र की अनिच्छा नरेंद्र मोदी सरकार के प्रति कॉर्पोरेट का अविश्वास है। विपक्षी दल ने सरकार से आगामी केन्द्रीय बजट में देश में घरेलू निवेश को प्रोत्साहित करने और बनाए रखने के लिए कदम उठाने का भी आग्रह किया। कांग्रेस ने कहा कि घरेलू निवेश में लगातार गिरावट आ रही है। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि मोदी दशक में भारत में निवेश का माहौल सुस्त रहा है। एक्स पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि सकल स्थायी पूंजी निर्माण मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्रित्व काल के दौरान सकल घरेलू उत्पाद के औसतन 32 प्रतिशत से लगातार गिरकर पिछले 10 वर्षों में सकल घरेलू उत्पाद के 29 प्रतिशत से नीचे आ गया है। रमेश ने कहा, निवेश सुस्त है, क्योंकि बड़े पैमाने पर उपभोग में तेजी नहीं आ रही है, कर और अन्य अधिकारी व्यवसायों को धमका रहे हैं और उन्हें डरा रहे हैं। यह धारणा बढ़ रही है कि मोदी शासन में केवल चार-पांच व्यावसायिक समूह

ही विकास कर सकते हैं। उन्होंने कहा, अब इस सरकार के तहत भारत में निवेश करने के लिए निजी क्षेत्र की अनिच्छा का नया सबूत सामने आया है- इस साल अप्रैल-अक्टूबर (2024) में शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 12 साल के निचले स्तर पर आ गया है। सकल एफडीआई प्रवाह स्थिर हो गया है। रमेश ने दावा किया कि भारतीय कंपनियां घर के बजाय विदेशों में निवेश करना पसंद कर रही हैं। यह मोदी सरकार के प्रति कॉर्पोरेट का अविश्वास है। उन्होंने कहा कि एफडीआई बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन अधिक मौलिक है डीआई यानी घरेलू निवेश। डीआई को कैसे प्रोत्साहित और बनाए रखा जाए, यह आज से 26 दिन बाद पेश होने वाले केंद्रीय बजट की सबसे बड़ी चिंता होनी चाहिए। केन्द्रीय बजट 1 फरवरी को पेश किया जाएगा।

सेवा क्षेत्र में चार महीने की सबसे मजबूत वृद्धि

नई दिल्ली, 6 जनवरी। भारत के सेवा क्षेत्र में 2024 के आखिरी महीने में मजबूती दिखी। पीएमआई सर्वे के अनुसार, एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स नवंबर के 58.4 से बढ़कर दिसंबर में 59.3 हो गया। यह चार महीने की सबसे बड़ी वृद्धि है। ये आंकड़े सेवा क्षेत्र में मजबूती के संकेत देते हैं। पीएमआई सर्वेक्षण के अनुसार दिसंबर में मांग बढ़ने से सेवा क्षेत्र में वृद्धि को मदद मिली। इस दौरान व्यापार प्रवाह व उत्पादन को बढ़ावा मिला। नतीज हुआ कि सेवा प्रदाताओं ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अधिक श्रमिकों को काम पर रखा। पीएमआई सर्वे के अनुसार, सेवा क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधि का स्तर नवंबर महीने की तुलना में 58.4 से बढ़कर दिसंबर में 59.3 हो गया। यह चार महीने में सबसे मजबूत वृद्धि दर है। नवंबर की तुलना में रोजगार वृद्धि दर में मामूली कमी के बावजूद, नौकरी सृजन की गति दिसंबर 2005 में डेटा संग्रह शुरू होने के बाद से सबसे अधिक दर्ज की गई। सर्वेक्षण के अनुसार वित्त और बीमा जैसे उप-क्षेत्रों के नए ऑर्डर और व्यावसायिक गतिविधि दोनों में सबसे मजबूत वृद्धि देखी गई।सेवा क्षेत्र की कंपनियां भविष्य की वृद्धि के बारे में आशावादी बनी रहीं, और उनके आत्मविश्वास स्तर दीर्घावधि औसत से ऊपर बना रहा। सेवा क्षेत्र की कंपनियों की क्षमता में वृद्धि, नए ग्राहक पूछताछ और मार्केटिंग के लिए बजट आवंटन सकारात्मक संकेत दे रहे हैं। सर्वेक्षण के नुसार इनपुट लागतों में नरम वृद्धि दिखी। हालांकि खाद्य, श्रम, और सामग्रियों कंपनियों अब भी ज्यादा खर्च करना पड़ा। इसी तरह, दिसंबर में महंगाई थोड़ी कम हुई, जिससे ग्राहकों को राहत मिली। सर्वेक्षण के अनुसार भारतीय सेवा प्रदाताओं को मिले अंतरराष्ट्रीय ऑर्डरों में ठोस वृद्धि के संकेत मिले हैं। हालांकि, विदेशों में मांग की वृद्धि तीन महीने के निचले स्तर पर आ गई है। इंडिया कंपोजिट आउटपुट इंडेक्स, जो सेवाओं और विनिर्माण गतिविधि को संयुक्त रूप से ट्रैक करता है, नवंबर में 58.6 से दिसंबर में बढ़कर 59.2 हो गया, जो चार महीनों में निजी क्षेत्र के उत्पादन में सबसे तेज़ वृद्धि का संकेत देता है।

वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में वृद्धि की रणनीति पर चल रहा काम: पीयूष गोयल

मुंबई, 6 जनवरी। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वस्तुओं, सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार की योजना को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार देश के माल एवं सेवाओं के निर्यात में और तेजी लाने के लिए निर्यात रणनीति पर काम कर रही है। मंत्रालय निर्यातकों की चिंताओं को दूर करने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहा है। इसके अलावा भारत के प्रतिस्पर्धी लाभ और ताकत के क्षेत्रों की पहचान भी की जा रही है। सरकार 2030 तक निर्यात को दो लाख करोड़ डॉलर तक ले जाने के लिए लक्षित तरीके से काम कर रही है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद वस्तुओं और सेवाओं, दोनों का निर्यात अच्छा चल रहा है। हम एक निर्यात रणनीति पर काम कर रहे हैं, ताकि यह देखा जा सके कि हम वस्तुओं और सेवाओं दोनों के निर्यात में किस प्रकार तेजी ला सकते हैं। 2024-25 में निर्यात 800 अरब डॉलर को पार कर जाने की उम्मीद है। पिछले वित्त वर्ष में यह 778 अरब डॉलर था। आगामी बजट से निर्यात के लिए उनकी अपेक्षाओं के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा निर्यातक समुदाय के लिए बहुत सहायक रहे हैं। मुझे यकीन है कि प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण हमारे निर्यात को समर्थन देने के लिए हमेशा सक्रिय रहेंगे। निर्यात ऋण में गिरावट और उच्च ब्याज दरों के संबंध में निर्यातकों की चिंताओं पर गोयल ने कहा कि मंत्रालय इन मुद्दों पर समग्र रूप से विचार कर रहा है और संबंधित हितधारकों के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम निर्यातकों की इन चिंताओं का समाधान खोजने के लिए बैंकिंग प्रणाली और ईसीजीसी (निर्यात ऋण गारंटी निगम) के साथ लगातार काम कर रहे हैं। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) के अनुसार, मार्च 2022 (2,27,452 करोड़ रुपये) और मार्च 2024 (2,17,406 करोड़ रुपये) के बीच निर्यात ऋण में पांच प्रतिशत की गिरावट आई है।

दाल-अनाज की खपत पांच फीसदी घटी

नई दिल्ली, 6 जनवरी। पिछले 12 वर्षों में भारतीय परिवारों की खर्च प्राथमिकता में काफी बदलाव आया है। नतीजतन, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में दालों और अनाज की खपत पांच फीसदी से अधिक घटी है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट बताती है कि लोग खाद्य के बजाय गैर-खाद्य पदार्थों पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं। रिपोर्ट में सामने आए रुझान दर्शाते हैं कि भारतीय परिवारों को पोषक खानपान के बजाय साफ-सफाई और खूबसूरत दिखने के सौंदर्य प्रसाधनों पर खर्च करना ज्यादा पसंद आ रहा है। कपड़ों, जूतों जैसी चीजों पर खर्च करने में भी कमी आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह रुझान आर्थिक विकास और जीवनशैली में बदलाव के कारण प्राथमिकताओं में आए बदलाव को दर्शाता है। शहरों के मुकाबले गांव ज्यादा तेजी से बदले शहरी क्षेत्रों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों पर व्यय ज्यादा तेजी से घटा है। पिछले 12 वर्षों के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में 5.86 फीसदी अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जबकि शहरी क्षेत्र में यह आंकड़ा 2.94 फीसदी रहा। वहीं, गैर-खाद्य पदार्थों की बात करें तो ग्रामीण क्षेत्र में इस पर खर्च 5.86 फीसदी बढ़ा है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह वृद्धि 2.94 फीसदी रही।

सोने के बदले कर्ज लेते समय लोन-टु-वैल्यू रेश्यो का रखें ध्यान

नई दिल्ली, 6 जनवरी। सोने की कीमतों में तेज वृद्धि के बीच देश में गोल्ड लोन में भी एक साल में 56 फीसदी की उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिली है। अगर आप भी गोल्ड लोन लेना चाहते हैं, जो लोन-टु-वैल्यू (एलटीवी) रेश्यो का ध्यान जरूर रखें। गोल्ड लोन लेते समय एलटीवी रेश्यो की अहम भूमिका होती है। यह कर्जदारों को सोने के एवज में अधिक कर्ज दिलाने में मदद करता है। हालांकि, सोने की कीमतों में बदलाव एलटीवी रेश्यो को प्रभावित कर सकता है। अगर बहुमूल्य धातु के मूल्य में गिरावट आती है, तो एलटीवी रेश्यो को अनिवार्य सीमा के भीतर रखने के लिए कर्जदारों को अधिक सोना गिरवी रखना पड़ता है या ऋण का कुछ हिस्सा चुकाना पड़ सकता है। आप जब सोने के आभूषण या सिक्के ऋणदाता के पास गिरवी रखते हैं, तो वह शुद्धता और वजन के आधार पर उनका मूल्यांकन करता है। इसके बाद सोने के वजन, शुद्धता व बाजार मूल्यों के आधार पर कर्ज मिलता है। अगर आप 22 कैरेट शुद्धता वाला 30 ग्राम सोना गिरवी रखना चाहते हैं और बहुमूल्य धातु की कीमत 5,000 प्रति ग्राम है तो आपको अधिकतम 1,12,500 रुपये (5,000ङ्ग30ङ्ग0.75) का कर्ज मिल सकता है। पारंपरिक निवेश की वजह से

ज्यादातर भारतीय किसी-न-किसी रूप में सोने में निवेश करते हैं। इसकी लोकप्रियता की वजह न सिर्फ कम कागजी कार्रवाई है, बल्कि आसानी से कर्ज मिल जाना भी है। सुरक्षित कर्ज के रूप में सोना कोलेटरल का भी काम करता है, जिसके बदले बैंक या वित्तीय संस्थान कर्ज देते हैं। ग्रामीण इलाकों में सीमित विकल्प होने की वजह से गोल्ड लोन धन जुटाने का एक सुविधाजनक तरीका बना जाता है। अगर आप बैंक या गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान से गोल्ड लोन लेते हैं, तो सालाना 7 फीसदी से 24 फीसदी के बीच ब्याज चुकाना पड़ सकता है। गोल्ड लोन लेते समय प्रोसेसिंग फी और प्रीपेमेंट पेनाल्टी जैसे छिपे (हिडेन) शुल्क को लेकर सावधानी बरतें, क्योंकि ऐसे शुल्क आपके कर्ज लेने की लागत बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा, ब्याज दर, रीपेमेंट शेड्यूल और अन्य शुल्कों के साथ नियम-शर्तों को भी जानें। अगर आप गोल्ड लोन का भुगतान करने में चूक जाते हैं या डिफॉल्ट करते हैं, तो कर्जदाता के पास आपके सोने को नीलाम करने का अधिकार होता है। इसलिए, अपनी जरूरत और पुनर्भुगतान क्षमता के आधार पर ही गोल्ड लोन लें। इसके अलावा, अपने सोने की सुरक्षा के लिए कर्जदाता की विश्वसनीयता और स्टोरेज सुविधाओं की भी जांच करें।

एफएमसीजी कंपनियों की कमाई का बड़ा हिस्सा ग्रामीण भारत से आ रहा

नई दिल्ली, 6 जनवरी। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के परिणाम आने शुरू हो गए हैं। कुछ कंपनियों ने कहा है कि तीसरी तिमाही में एफएमसीजी क्षेत्र के लिए ग्रामीण खपत शहरी क्षेत्र की तुलना में बेहतर रही। नुवामा के अनुसार, महंगाई के दबाव, कम वेतन वृद्धि और उच्च आवास किराये के कारण शहरी मांग सुस्त हो गई है। ग्रामीण बाजार में कुछ सुधार होगा और यह शहरी मांग से बेहतर रहेगी। विश्लेषक मानते हैं कि भारत की कहानी ग्रामीण विकास से जुड़ी हुई है। चूँकि देश एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है, ग्रामीण भारत इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी जरूरतों और जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। एक दशक के ठहराव के बाद ग्रामीण मांग फिर से बढ़ने व सकारात्मक परिवर्तनों के साथ ग्रामीण इलाकों का अर्थव्यवस्था में अच्छा खासा योगदान बढ़ेगा। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल का रूरल अपॉर्चुनिटीज फंड 9 जनवरी को खुलकर 25 जनवरी को बंद होगा। यह ग्रामीण थीम पर आधारित है। यह योजना मुख्य रूप से ग्रामीण भारत की वृद्धि और विकास में योगदान देने वाले और उससे लाभान्वित होने वाले क्षेत्रों में निवेश करेगी। इसका उद्देश्य ग्रामीण और संबद्ध क्षेत्रों में शामिल कंपनियों के इक्विटी और इक्विटी संबंधित उपकरणों में निवेश करके लंबे समय में धन बनाना है। बाजार के अवसरों को भुनाने के लिए बाजार की स्थितियों के आधार पर ग्रामीण थीम के भीतर क्षेत्रों में निवेश बदला भी जा सकता है। इनमें प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के साथ मनरेगा जैसी योजनाएं भी हैं। म्यूचुअल फंडों के ग्रामीण थीम वाले फंड योग्य बुनियादी ढांचे के सबसे बड़े 75 शेयरों का चयन 6 माह के औसत फ्री-फ्लोट बाजार पूंजीकरण के आधार पर करते हैं। भारत की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा ग्रामीण क्षेत्रों से आता है और सरकार का जोर ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। ग्रामीण भारत अगला विषय है, जो अगले दशक में परिवर्तनकारी प्रभाव डाल सकता है। राज्य भी ग्रामीण विकास पर जोर दे रहे हैं।

रोजगार सृजन के लिए सीआईआई ने केंद्र को दिए सात सुझाव

नई दिल्ली, 6 जनवरी। सरकार एक फरवरी को पेश होने वाले 2025-26 के बजट में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों की घोषणा कर सकती है। युवाओं को उत्पादक बनाने और दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन महत्वपूर्ण है। देश में अधिक रोजगार पैदा करने के लिए भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने सरकार को सात सुझाव दिए हैं। सीआईआई ने रविवार को अपने सुझावों में कहा, 145 करोड़ के साथ भारत सबसे अधिक आबादी वाला देश है। 29 वर्ष की औसत आयु के साथ यह युवा देश भी है और 2050 तक इसकी कामकाजी आबादी में 13.3 करोड़ लोग जुड़ने वाले हैं। ऐसे में भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश का उपयोग करने के लिए अन्य लक्षित उपायों के अलावा एक एकीकृत राष्ट्रीय रोजगार नीति, श्रम-प्रधान क्षेत्रों को समर्थन और एक अंतरराष्ट्रीय परिवहन प्राधिकरण की स्थापना की जरूरत है। कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की वकालत भी की गई है। इसके लिए कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व फंड का उपयोग कर हॉस्टल निर्माण और देखभाल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों का औपचारिकीकरण कर नई पहल की जा सकती है। सीआईआई ने अपने सुझाव में कहा, सरकार कॉलेज-शिक्षित युवाओं के लिए ग्रामीण इलाकों

में सरकारी कार्यालयों में इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू करने पर विचार कर सकती है। यह पहल शिक्षा और व्यावसायिक कौशल के बीच की खाई को पाटने के साथ सरकारी कार्यालयों में अल्पकालिक रोजगार के अवसर पैदा करेगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मदद मिलेगी। इंटर्नशिप योजना ग्रामीण इलाकों के विकास के लिए ?बनाए ?गए ?विभिन्न कार्यक्रमों और सरकारी पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उपलब्ध जनशक्ति संसाधनों को बढ़ाने में भी मदद करेगी। नए रोजगार को बढ़ावा देने के लिए आयकर कानून की धारा 80जेजेएए की जगह एक नया प्रावधान शुरू करने का भी सुझाव दिया गया है। नया प्रावधान सकल कुल आय से अध्याय वीआईए कटौती के रूप में जारी रहना चाहिए, जो करदाता की ओर से रियायती टैक्स व्यवस्था का विकल्प चुनने पर भी उपलब्ध है। भारतीय उद्योग परिसंघ ने एक एकीकृत राष्ट्रीय रोजगार नीति का सुझाव दिया है। इसमें विभिन्न मंत्रालयों/राज्यों की ओर से वर्तमान में कार्यान्वित की जा रही विभिन्न रोजगार सृजन योजनाओं को शामिल किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, एकीकृत नीति एकल एकीकृत रोजगार पोर्टल-राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) पर भी आधारित हो सकती है। इसमें विभिन्न मंत्रालयों और राज्य पोर्टलों से सभी डाटा लिया जा सकेगा। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, रोजगार बढ़ाने के साथ भारत को उत्पादकता बढ़ाने पर भी जोर देना होगा। भारत के वृद्धिशील पूंजी उत्पादन अनुपात (आईसीओआर) को इसके वर्तमान स्तर 4.1 से नीचे लाने की जरूरत है। हमें इसे मापने के लिए मानक स्थापित करने की जरूरत है। वास्तव में, 2025-26 के बजट में इस पर अधिक विस्तार से अध्ययन करने और आगे के उपायों की सिफारिश करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित की जा सकती है।

सेवा क्षेत्र में चार महीने की सबसे मजबूत वृद्धि, पीएमआई सर्वेक्षण के आंकड़े क्या कहते हैं

नई दिल्ली, 6 जनवरी। भारत के सेवा क्षेत्र में 2024 के आखिरी महीने में मजबूती दिखी। पीएमआई सर्वे के अनुसार, एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स नवंबर के 58.4 से बढ़कर दिसंबर में 59.3 हो गया। यह चार महीने की सबसे बड़ी वृद्धि है। ये आंकड़े सेवा क्षेत्र में मजबूती के संकेत देते हैं। पीएमआई सर्वेक्षण के अनुसार दिसंबर में मांग बढ़ने से सेवा क्षेत्र में वृद्धि को मदद मिली। इस दौरान व्यापार प्रवाह व उत्पादन को बढ़ावा मिला। नतीज हुआ कि सेवा प्रदाताओं ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अधिक श्रमिकों को काम पर रखा। पीएमआई सर्वे के अनुसार, सेवा क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधि का स्तर नवंबर महीने की तुलना में 58.4 से बढ़कर दिसंबर में 59.3 हो गया। यह चार महीने में सबसे मजबूत वृद्धि दर है। नवंबर की तुलना में रोजगार वृद्धि दर में मामूली कमी के बावजूद, नौकरी सृजन की गति दिसंबर 2005 में डेटा संग्रह शुरू होने के बाद से सबसे अधिक दर्ज की गई। सर्वेक्षण के अनुसार वित्त और बीमा जैसे उप-क्षेत्रों के नए ऑर्डर और व्यावसायिक गतिविधि दोनों में सबसे मजबूत वृद्धि देखी गई।सेवा क्षेत्र की कंपनियां भविष्य की वृद्धि के बारे में आशावादी बनी रहीं, और उनके आत्मविश्वास स्तर दीर्घावधि औसत से ऊपर बना रहा। सेवा क्षेत्र की कंपनियों की क्षमता में वृद्धि, नए ग्राहक पूछताछ और मार्केटिंग के लिए बजट आवंटन सकारात्मक संकेत दे रहे हैं। सर्वेक्षण के नुसार इनपुट लागतों में नरम वृद्धि दिखी। हालांकि खाद्य, श्रम, और सामग्रियों कंपनियों अब भी ज्यादा खर्च करना पड़ा। इसी तरह, दिसंबर में महंगाई थोड़ी कम हुई, जिससे ग्राहकों को राहत मिली। सर्वेक्षण के अनुसार भारतीय सेवा प्रदाताओं को मिले अंतरराष्ट्रीय ऑर्डरों में ठोस वृद्धि के संकेत मिले हैं। हालांकि, विदेशों में मांग की वृद्धि तीन महीने के निचले स्तर पर आ गई है। इंडिया कंपोजिट आउटपुट इंडेक्स, जो सेवाओं और विनिर्माण गतिविधि को संयुक्त रूप से ट्रैक करता है, नवंबर में 58.6 से दिसंबर में बढ़कर 59.2 हो गया, जो चार महीनों में निजी क्षेत्र के उत्पादन में सबसे तेज़ वृद्धि का संकेत देता है।

10 फीसदी से कम रह सकता है एफएमसीजी कंपनियों का राजस्व

नई दिल्ली, 6 जनवरी। महंगाई और लागत बढ़ने के साथ रोजमर्रा के सामान बनाने वाली कंपनियां यानी एफएमसीजी को तीसरी तिमाही (अक्तूबर-दिसंबर) के दौरान कम बिक्री का सामना करना पड़ सकता है। इससे उनका राजस्व 10 फीसदी से कम रह सकता है। कंपनियों के परिचालन लाभ पर भी असर पड़ने की आशंका है। एफएमसीजी कंपनियों का मानना है कि शहरी मांग घटने से उनके राजस्व पर असर पड़ रहा है। इसका एक कारण यह हो सकता है कि खोपरा, वनस्पति तेल और पाम तेल जैसी वस्तुओं की बढ़ती लागत के कारण कई कंपनियों ने दिसंबर तिमाही में उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी की है। कीमतों में बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई जब उच्च खाद्य महंगाई से खपत कम होने से शहरी बाजार में उनकी बिक्री घट गई। एजेंसी एफएमसीजी बाजार के एक तिहाई से थोड़ा ज्यादा योगदान देने वाला ग्रामीण बाजार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। डाबर का कहना है, उसका परिचालन लाभ सपाट रह सकता है, क्योंकि उसे कुछ क्षेत्रों में मुद्रास्फीति की बाधाओं का सामना करना पड़ा है। दिसंबर तिमाही में एफएमसीजी के लिए ग्रामीण खपत शहरों की तुलना में अच्छी रही।

सम्पादकीय

स्मार्ट सिटी की अनस्मार्ट प्लानिंग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट स्मार्ट सिटी का था। इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रत्येक सिटी को ५०० करोड रूपए राज्य सरकार द्वारा ५०० करोड रूपए स्मार्ट सिटी के लिए आवंटित किए गए थे। केंद्र एवं राज्य सरकारों ने निर्धारित समय सीमा में स्मार्ट सिटी को अरबों रूपयों का यह धन मुहैया कराया। स्मार्ट सिटी की प्लानिंग में जनप्रतिनिधियों को दूर रखा गया था। स्मार्ट सिटी की कल्पना इस तरह से की गई थी, अधिकारी बेहतर प्लानिंग करें, समय सीमा पर स्मार्ट सिटी का मॉडल पेश करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह प्रोजेक्ट अधिकारियों के हवाले कर स्मार्ट सिटी की परिकल्पना की थी। वह परिकल्पना कहीं पर भी साकार नहीं हुई। स्मार्ट सिटी के लिए विशेष अधिकार दिए गए। इसे नगरीय निकायों से बाहर रखा गया। जनप्रतिनिधियों का भी कोई प्रत्यक्ष हस्तक्षेप नहीं था। स्मार्ट सिटी की प्लानिंग में संभागीय कमिश्नर, कलेक्टर तथा निगम कमिश्नर को अधिकार दिये गए थे। स्मार्ट सिटी की सफलता और असफलता के लिये यही तीनों अधिकारी जिम्मेदार है। इसके बाद भी किसी भी स्मार्ट सिटी में ऐसा कोई काम नहीं हुआ। जिसे स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित बताया जा सके। देश में बनी लगभग स्मार्ट सिटी में भ्रष्टाचार और मनमानी की गंगा बही। तीनों अधिकारियों ने कमाई की। जनप्रतिनिधि देखते ही रह गये। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल बनने १९५७ के बाद नये भोपाल को विकसित किया गया था। अधिकारियों ने नए भोपाल को ही स्मार्ट सिटी बनाने का बीड़ा उठाया। यहां पर अधिकांश जमीन सरकारी थी। न्यू मार्केट से लगी होने के कारण जमीन बेशकीमती थी। स्मार्ट सिटी के लिए ५०० करोड रूपए केंद्र सरकार से ५०० करोड़ राज्य सरकार से और ४०० करोड रूपए स्मार्ट सिटी की जमीन बेचकर जुटाए गए। इसमें से १३५१ करोड रूपए अधिकारियों ने खर्च कर दिए। इसमें से ६६३ करोड रूपए उन कामों में खर्च किए गए, जो स्मार्ट सिटी के अधिकार क्षेत्र के नहीं थे। कई काम नगर निगम भोपाल और भोपाल डेवलपमेंट अथॉरिटी के प्रोजेक्ट को स्मार्ट सिटी के बजट से पूरा करने के लिए खर्चाकर दिए। सरकारी मकानों को तोड़कर स्मार्ट सिटी विकसित की गई। कोई भी काम प्लानिंग से नहीं किया गया। स्मार्ट सिटी ने जिस प्रोजेक्ट पर काम किया, वह सभी प्रोजेक्ट अधूरे पड़े हैं। अधूरे प्रोजेक्ट को पूरे करने के लिए स्मार्ट सिटी के पास अब बजट नहीं है। जो जमीन स्मार्ट सिटी के लिए अधिग्रहित की गई थी। प्रोजेक्ट में सही तरीके से काम नहीं होने के कारण स्मार्ट सिटी की जमीन और प्लाट भी नहीं बिक पा रहे हैं। जिसके कारण स्मार्ट सिटी के विकास का काम अब पूरी तरह से रूक गया है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने भी बजट देने पर हाथ खड़े कर लिए हैं। भोपाल के जिन सरकारी मकानों को तोड़ा गया। उसकी कुछ जमीन पर मल्टी स्टोरी बनाकर ४७१ करोड रूपए मकान बनाने में खर्च कर दिए। यह मकान अभी तक आवंटित नहीं हो पाए हैं। सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को पहले बेघर किया गया। कई वर्षों के बाद भी सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्मित भवनों का आवंटन नहीं हो पा रहा है।

मोदी जी की चादर किसके लिए? ...दरगाह या मंदिर के लिए....?

आज देश की राजनीति किस दिशा में ले जाई जा रही है? इसका उत्तर न राजनेताओं के पास है न राजनीति के जानकारों के पास? इसके चलते यदि हम हमारे संविधान वर्णित पक्ष की बात करें तो हमारा संविधान स्पष्ट कहता है कि धर्म को राजनीति से बिल्कुल अलग रखा जाना चाहिए, किंतु आज तो ऐसा लग रहा है कि राजनेताओं का राजनीति ही मूल धर्म हो गया है, इसलिए आज मानव की सबसे कमजोर कड़ी धर्म को राजनीति का सहारा बना लिया गया है और इसलिए आज हर छोटे-बड़े मामले में धर्म और राजनीति का प्रवेश कर दिया जाता है, इसका ताजा उदाहरण उत्तरप्रदेश का संभल तथा राजस्थान का अजमेर है, जहां कथित दरगाहों को कभी मंदिर, बताया जाता है तो कभी मस्जिद और इसी मुद्दें को अब राजनीतिक रूप दे दिया गया है।

नवम्बर माह में जिस केन्द्र सरकार के पुरातत्व विभाग ने अपने सर्वेक्षण के बाद अपनी रिपोर्ट में चैकाने वाली जानकारी यह दी कि देश की प्रमुख मस्जिदें मंदिरों को जमींदोज करके बनाई गई है, उसी सरकार के प्रधानमंत्री अपने एक केबीनेट मंत्री के हाथों चादर चढ़ाने के लिए भेजते है, यह कितना हास्यास्पद है कि जिसकी सरकार मंदिरों को तोड़ कर मस्जिदें बनाने का दावा करती है, उसी के प्रधानमंत्री उसी विवादित स्थल के लिए चादर भेजते है? अब ऐसी विकृत राजनीति को क्या नाम दिया जाए? किंतु आज देश को इसी राजनीति को देखना समझना पड़ रहा है।

आज एक ओर जहां देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट देश के न्यायालयों को मंदिर-मस्जिद विवादों पर कोई फैसला नही सुनाने की हिदायत देती है, वहीं देश के प्रधानमंत्री कथित विवादित धर्मस्थल के लिए चादर भिजवा रहे है? सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस सख्त आदेश के साथ यह भी कहा है कि देश के न्यायालय मस्जिद-दरगाहों के सर्वेक्षण के भी आदेश न दें, साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र से भी इस मामले में जवाब तलब कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है। यद्यपि सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से देशभर में चल रहे कई मामलों पर असर होगा, जैसे मथुरा, भोजशाला, ज्ञानवापी, संभल आदि से जुड़े मामलों पर सुनवाई चलती रहेगी पर इन पर फैसला नही आ पाएगा। जौनपुर की अटाला मस्जिद के सर्वेक्षणका मामला भी कोर्ट में है, लेकिन सर्वेक्षण का आदेश यहां भी नही दिया जा सकेगा।

नेताओं का सॉफ्ट टारगेट क्यों होती हैं महिलाएं ?

दुनिया की राजनीति में महिलाएं ही सॉफ्ट टारगेट क्यों होती हैं ? इस यक्ष प्रश्न का उत्तर कोई दे नहीं पाया है ,यहां तक कि खुद महिलाएं भी। महिलाएं नेताओं की बदजुबानी का रोज शिकार बनतीं हैं लेकिन वे इसका प्रतिरोध नहीं कर पातीं क्योंकि महिलाएं भी एकजुट नहीं हैं। उनका इस्तेमाल शो पीस से ज्यादा नहीं है। इस मामले में भारत के तमाम राजनीतिक दल एक से बढ़कर एक हैं। आजकल देश की सबसे ज्यादा संस्कारवान पार्टी महिलाओं के सम्मान से खिलवाड़ करने में सबसे आगे हैं।

महिलौओं के सम्मान और अपमान के बारे में सभी राजनीतिक दल समाजवादी हैं ,यानि उनकी धारणा लगभग एक जैसी है। जो बात बरसों पहले आरजेडी के लालू प्रसाद यादव ने कही थी वो ही बात आज भाजपा के महाभद्र नेता रमेश बिधूड़ी ने कही है ,इसलिए मुझे न कोई हैरानी हुई और न रंज। लालू प्रसाद यादव ने पटना की सड़कों को भाजपा सांसद और स्वप्न सुंदरी रह चुकी हेमामालिनी के गालों जैसा बनाने की बात कही थी ।

रमेश बिधूड़ी ने इसी काम के लिए प्रियंका वाड्रा का इस्तेमाल किया है। बिधूड़ी ने कहा कि यदि भाजपा दिल्ली विधानसभा के चुनावों में सत्ता में आयी तो काका जी की सड़कों को प्रियंका के गलों जैसा खूबसूरत बना देगी। अब ये बात अलग है कि क्या नौ मन तेल होगा और क्या राधा नाचेगी ?

रमेश बिधूड़ी को आपने संसद में सुभाषित भाषा में भाषण देते सुना ही होगा, उन्होंने बसपा सांसदडेनिश अली को क्या कह कर अपमानित किया था ? वो शायद ही कोई भूला हो। रमेश बिधूड़ी अनाड़ी नहीं हैं। पढ़े-लिखे हैं। स्नातक हैं ,विधि स्नातक भी हैं , तीन बच्चों के बाप हैं और तीन बार के विधायक भी। सांसद तो हैं ही इसलिए उनके अनुभव पर मै क्या ,कोई भी ऊँगली नहीं उठा सकता। उन्होंने दिल्ली विश्व विद्यालय और चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से कौन सी भाषा सीखी है इसका प्रमाण देने की भी जरूरत नहीं है। कांग्रेस स्वाभाविक रूप से बिधूड़ी के ब्यान पर उखड़ी हुई है किन्तु मुझे बिधूड़ी पर दया आती है। दया आती है भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पर जो बिधूड़ी को झेल रही है ,हालाँकि भाजपा ही वो पार्टी है जो लोकसभा में नारी शक्ति बंदन विधेयक लाती है।

देश की सड़कें हेमा मालिनी के गालों जैसीं बनें या प्रियंका के गलों जैसीं ,इसका निर्धारण तो भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी कर सकते है। प्रदेशों में ये काम लोक निर्माण मंत्रियों का है लेकिन इस बारे में कभी किसी सरकार ने कोई नीति निर्धरित नहीं की है ,इसलिए मुझे संदेह है कि रमेश बिधूड़ी का सपना पूरा होगा। लालू यादव का सपना पूरा नहीं हुआ। देश की और डबल इंजिन की कोई भी सरकार सड़कों को किसी हीरोइन या नेता के गालों जैसा बनवा ही नहीं सकती। क्योंकि ये असम्भव काम है। सड़कों की तुलना महिलाओं के गालों से करने वाले महिलाओं का कितना सम्मान और बंदना करते हैं ये बताने की जरूरत नहीं।

महिलाओं को लेकर हमारे भाग्यविधाताओं के क्या ख्याल हैं ये जानना हो तो अतीत को खंगालिए । कोई महिलाओं को एक करोड़ की बार वाला कहता है तो कोई जर्सी गाय। कोई राक्षसी कहता है तो कोई कुछ और। कांग्रेस के जमाने में महिलाओं को तंदूरी रोटी की तरह जला दिया गया था तो भाजपा के राज में वे हनी ट्रेप के लिए इस्तेमाल की गयीं। महिलाओं को लेकर कबूतरबाजी करने वाले हमारे देश के ही संसद हैं। महिलाओं को अग्नि के सामने सात फेरे लेकर जिंदगी भर भटकने के लिए छोड़ देने वाले नेता भी हमारे अपने देश के हैं ,वे इंग्लैंड या अमेरिका से नहीं आये।

हकीकत ये है कि एक तो महिलाएं राजनीति में अल्पसंख्यक हैं दूसरे उनका कोई माई-बाप नहीं है। कांग्रेस में श्रीमती इंदिरा गाँधी कैसे प्रधानमंत्री बन गयीं ये हैरानी का विषय है लेकिन किसी दूसरे राजनीतिक दल ने भले ही वो दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल ही क्यों न हो किसी महिला को न प्रधानमंत्री बनने दिया और और न अपनी पार्टी का अध्यक्ष । बहन मायावती और बहन ममता बनर्जी इसका अपवाद हैं क्योंकि वे स्वयंभू है। वे अपने दलों की सुप्रीमो हैं, ये भी दूसरे दलों के नेताओं को नहीं पचता। भाजपा तो हाथ धोकर इन दोनों बहनों को मिटटी में मिलने की कोशिश कर रहीं हैं।

मेरा मूल प्रश्न था कि भारत में महिलाएं राजनीति के क्षेत्र में सॉफ्ट टारगेट क्यों हैं ? इसका उत्तर खोजिये। मिल जाये तो मुझे भी बताइये ,क्योंकि मेरी तो कुछ समझ में नहीं आ रहा। मुझे कोई महिला नेत्री भी इस प्रश्न का उत्तर नहीं दे रही। राजनीति में महिलाएं पहले भी खिलौना थीं और आज भी खिलौना ही है। मुमकिन है कि मेरे इस आलेख के बाद तमाम नारीवादी छद्म नेता,लेखक ,पत्रकार मेरे ऊपर राशन- पानी लेकर पिल पड़ें ,लेकिन मै अपनी धारणा बदलने वाला नहीं हूं ,क्योंकि मुझे हर राजनीतिक दल में एक न एक बिधूड़ी नजर आ रहा है। किसी दल में ये संख्या कम है तो किसी में ज्यादा। महिलाओं का सम्मान करते हुए जेल यात्रा कर चुके अमरमणि त्रिपाठीआज किस दल में हैं आप खुद पता लगाइये।

महिलाओं के सम्मान के बारे में भाजपा कांग्रेस की नकल करने में नहीं हिचकती । कांग्रेस ने एक महिला को लोकसभा का अध्यक्ष बनाया था सो भाजपा ने भी बना दिय। कांग्रेस ने एक महिला को राष्ट्रपति बनाया था सो भाजपा ने भी बना दिया। लेकिन भाजपा किसी महिला को प्रधानमंत्री नहीं बना पा रही ।

प्राकृतिक चिकित्सा के समर्पित हिमायती महात्मा गांधी

आधुनिक भारतीय इतिहास में महात्मा गाँधी उन महत्वपूर्ण हस्तियों में से एक थे, जिन्होंने राजनीति, दर्शन और सामाजिक सुधार में महत्वपूर्ण और अद्भुत योगदान दिया। इन सबके साथ गाँधी जी को प्राकृतिक चिकित्सा का भी बहुत गहरा ज्ञान था। उन्होंने बड़े पैमाने पर मानव स्वास्थ्य, मानव रोगों और उनके इलाज पर लिखा है और अपने प्राकृतिक चिकित्सा के ज्ञान का प्रयोग भी किया है। गाँधी जी का विचार था कि जिस व्यक्तिके पास स्वस्थ शरीर, स्वस्थ दिमाग और स्वस्थ भावनाएं होती हैं, वही स्वस्थ व्यक्ति होता है। उनका विचार था कि स्वस्थ रहने के लिए केवल शारीरिक शक्ति आवश्यक नहीं है। एक स्वस्थ व्यक्ति को अपने शरीर के बारे में पर्याप्त जानकारी होनी चाहिए। गाँधी जी ने मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के बीच के संबंधों को समझाया। गाँधी जी का विचार था कि स्वस्थ शरीर के लिए स्वस्थ पाचन आवश्यक है। इस प्रकार, महात्मा गाँधी राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक विचारों के साथ अपने स्वास्थ्य सम्बन्धी विचारों एवं प्रयोगों के कारण भी अपना एक विशेष महत्व रखते हैं7

आधुनिक भारत में प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने में महात्मा गांधी का बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने प्राकृतिक चिकित्सा को प्रचलित करने के लिए उरली काँचन में एक केंद्र की स्थापना की। उन्होंने स्वयं और अपने परिवार के सदस्यों का भी निसर्ग उपचार करके उदाहरण पेश किया । गांधी जी के मन में रोगियों की सेवा सुश्रुषा करने और गरीबों की सेवा करने की उत्कंठा हमेशा बनी रहती थी। कुदरत के निकट रहकर बिताए जाने वाले सादे और सरल जीवन की बहुत कद्र करते थे। ऐसा सादा सरल जीवन जी कर ही उन्होंने स्वास्थ्य के सादे नियम बनाए थे और उन पर अमल भी किया था।

शाकाहार और जलाहार में उनकी आस्था थी। इसी कारण से उन्होंने आहार संबंधी अनेक सुधार किए, जिनका आधार व्यक्तिगत प्रयोगों से प्राप्त परिणामों पर था। डॉक्टर लुई कुनै ने प्राकृतिक उपचार पर जो कुछ लिखा है, उससे महात्मा गांधी बहुत अधिक प्रभावित हुए थे। गांधी जी ने दक्षिण अफ्रीका में जबसे लुई कुनै

की पुस्तक *न्यू साइंस ऑफ हीलिंग* और एडॉल्फ जस्ट की पुस्तक * रिटर्न टू नेचर* का अध्ययन किया तो वे प्राकृतिक चिकित्सा के समर्पित हिमायती बन गए।

पूर्व प्रधानमंत्री और निसर्ग उपचार के वकालत करने वाले मोरारजी देसाई के मुताबिक मनुष्य का शरीर एक अद्भुत और संपूर्ण यंत्र है जब यह बिगड़ जाता है तो बिना किसी दवा के अपने को सुधार लेता है। बस, उसे ऐसा करने का मौका दिया जाए। अगर हम अपनी खाने पीने की आदतों में संयम का पालन नहीं करते या अगर हमारा मन आवेश भावना या चिंता से क्षुब्ध हो जाता है तो हमारा शरीर अंदर की सारी गंदगी को बाहर नहीं निकाल सकता और शरीर के जिस भाग में गंदगी बनी रहती है, उसमें अनेक प्रकार के जहर पैदा होते हैं यह जहर ही उन लक्षणों को जन्म देते हैं जिन्हें हम रोग कहते हैं। वास्तव में रोग शरीर का अपने भीतर के जहरों से मुक्तहोने का प्रयत्न ही है। अगर उपवास करके एनिया द्वारा आंतें साफ करके कटि स्नान, घर्षण स्नान आदि विविध स्नान करके और शरीर के विभिन्न अंगों की मालिश करके भीतर के जहरों से मुक्तहोने की इस प्रक्रिया में हम अपने शरीर की सहायता करें तो वह फिर से पूर्ण स्वस्थ हो सकता है।

गांधी जी की नजर में वास्तव में यही प्राकृतिक उपचार है जिसे उन्होंने जीवन भर प्रयोग किया और प्रचार किया। *कुदरती उपचार* पुस्तक के संपादक भारतन कुमारप्पा के मुताबिक गांधी जी चाहते थे कि आहार के संबंध में मनुष्य प्रकृति के नियमों का पालन करे, शुद्ध और ताजी हवा का सेवन करे, नियमित कसरत करे, स्वच्छ वातावरण में रहे और अपना हृदय शुद्ध रखे। लेकिन आज ऐसा करने की बजाय मनुष्य को आधुनिक चिकित्सा पद्धति के कारण जी भरकर विषय भोग में लीन रहने का, स्वास्थ्य और सदाचार का हर नियम तोड़ने का और उसके बाद केवल व्यापार के लिए तैयार की जाने वाली दवाइयां के जरिए शरीर का इलाज करने का प्रलोभन मिलता है। इन सब के प्रति मन में विद्रोह की भावना होने के कारण गांधी जी ने अपने लिए दवाइयों के उपयोग के बिना रोगों पर विजय पाने का मार्ग खोजने का प्रयत्न किया। इसके सिवा आज की चिकित्सा पद्धति रोग को केवल शरीर से संबंध रखने वाली चीज मानकर उसका उपचार करना चाहती है लेकिन गांधी जी तो मनुष्य को उसके संपूर्ण और समग्र रूप में देखते थे इसलिए वे अनुभव से ऐसा मानते थे कि शरीर की बीमारी खासतौर से मानसिक या आध्यात्मिक कारणों से होती है और इसका स्थाई उपचार केवल तभी हो सकता है जब जीवन के प्रति मनुष्य का संपूर्ण दृष्टिकोण ही बदल जाए इसलिए उनकी राय में शरीर के रोगों का उपचार खासतौर से आत्मा के क्षेत्र में, ब्रह्मचर्य द्वारा सिद्ध होने वाले आत्म संयम और आत्म संयम में, स्वास्थ्य के विषय में प्रकृति के नियमों के ज्ञान पूर्ण पालन में और स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन के लिए अनुकूल भौतिक और सामाजिक वातावरण निर्माण करने में खोजा जाना चाहिए। इसलिए प्राकृतिक चिकित्सा की गांधी जी की कल्पना उस अर्थ से कहीं अधिक व्यापक है, जो आज उस शब्द से आमतौर पर समझा जाता है। प्राकृतिक चिकित्सा रोग के हो जाने के बाद केवल उसे मिटाने की पद्धति नहीं है बल्कि प्रकृति के नियमों के अनुसार जीवन बिता कर रोग को पूरी तरह रोकने की कोशिश है । गांधी जी मानते थे कि प्रकृति के नियम वही हैं, जो ईश्वर के नियम हैं। इस दृष्टि से रोग के प्राकृतिक उपचार में केवल मिट्टी, पानी, हवा, धूप उपवासों और ऐसी दूसरी वस्तुओं के उपयोग का ही समावेश नहीं होता बल्कि इससे भी अधिक उसमें *राम नाम* या ईश्वर के कानून के द्वारा हमारे शारीरिक , मानसिक, नैतिक और सामाजिक संपूर्ण जीवन को बदल डालने की बात आती है । इसलिए राम नाम गांधीजी की दृष्टि में केवल ऐसा जादू नहीं है, जो मुंह से बोलने भर से कोई चमत्कार कर दिखाएगा। *राम नाम* जपने का अर्थ है मनुष्य के हृदय का और उसकी जीवन पद्धति का संपूर्ण परिवर्तन, जिससे ईश्वर के साथ उसका मेल सधता है और संपूर्ण जीवन के मूल स्रोत के रूप में ईश्वर से वह ऐसी शक्ति और ऐसा जीवन प्राप्त करता है जो रोगों पर सदा ही विजयी सिद्ध होते हैं।

प्राकृतिक चिकित्सा करने वाला चिकित्सक आज रोगी को उसके लिए कोई जड़ी बूटी नहीं बेचता। वह तो अपने रोगी को जीवन जीने का ऐसा तरीका सिखाता है जिससे रोगी अपने घर में रहकर अच्छी तरह जीवन बिता सके और कभी बीमार ही नहीं पड़े। प्राकृतिक चिकित्सक रोगी की खास तरह की बीमारी को खत्म करके ही संतुष्ट नहीं हो जाता। आम डॉक्टरों में ज्यादातर की इतनी ही दिलचस्पी रहती है कि वह रोगियों के रोग को और उसके लक्षणों को समझ ले और उसका इलाज खोज निकाले और इस तरह सिर्फ रोग संबंधी बातों का ही अभ्यास करें।

सामूहिक योगदान से ही बच सकेगी धरा

१९०७के पश्चात जब जब इसकी ईजाद हुई प्लास्टिक में हमारे जनजीवन में अहम भूमिका अदा की, और आज भी हमारे जीवन में इसकी मौजूद की बनी हुई है। २०वीं सदी का तथा कथित आश्चर्यजनक उत्पादन आज हमारे पर्यावरण का धीरे-धीरे गला दबोच रहा है ,और हमारी पर्वत श्रृंखलाओं और समुद्री को दुत गति के साथ प्रदूषित करता जा रहा है। प्लास्टिक कितने दिनों में सड़ता है इसके बारे में निश्चित रूप से कोई नहीं जानता संभव है कि इसमें ४५० वर्ष से अधिक का वक्तलग जाए

पिछले तीन दशकों में प्लास्टिक के उत्पादन और खपत में काफी वृद्धि हुई है। आज दूध के बोतल,बैग से लेकर पानी की बोतले , बर्तन,पेन मोबाइल, घरेलू सामान सब कुछ प्लास्टिक से निर्मित है। यह मानव निर्मित होने की वजह से प्रकृति इसे स्वीकार नहीं करती। सिंगल यूज वाली प्लास्टिक की वस्तुओं ने पर्यावरण को काफी क्षति पहुंचाई है। इसकी कम कीमत के कारण इसका उत्पादन काफी बड़े पैमाने पर होता है, और इसके खतरनाक जहरीलेपन को नजरंदाज कर दिया जाता है।आज विश्व भर में १२ अरब टन प्लास्टिक मौजूद हैं, इसमें कोई अतिशयोक्तिभी नहीं है, ऐसा कोई शहर नहीं बचा है। जहां प्लास्टिक कचरे के पहाड़ न बन चुके हो। आंकड़ों पर पर एतबार करें तो विश्व भर में महज पांच में से एक हिस्से के प्लास्टिक की रिसाइकिल हो पार्ती है। इस तरह इसका ८०फीसदी हिस्सा लैंडफिल साइट अथवा सीधे समुद्र में जा रहा है। प्लास्टिक स्तनधारियों को प्रत्यक्ष रूप से असमय ही मौत के मुख में पहुंचा रहा है। क्यों कि वे इसे गटक रहे हैं,या यह उनके खाने की वस्तुओं में मिल रहा है, ओर इस तरह पादप जीवन को नष्ट कर रहा है, और इसी तरह मानव को भी। हर साल एक लाख से अधिक समुद्री जीव जंतु प्लास्टिक में फंसने के कारण असमय ही मर जाते हैं। काफी बड़ी संख्या में ह्वेल, पक्षी,सील और कछुए समुद्र में प्लास्टिक की थैलियों के फेंके जाने के कारण मार जाते हैं। क्यों कि ये जीव जंतु इन प्लास्टिक की थैलियों को भोजन समझकर ग्रहण कर लेते हैं। शोधकर्ताओं के मुताबिक बड़ी खबरें नदियों से होते हुए ९५ फीसदी प्लास्टिक समुद्र में पहुंच रहा है। तकरीबन १.५करोड टन प्लास्टिक समुद्र में कचरे के तौर पर फेंक दिया जाता है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा हिद महासागर का है, इसके बाद यह कचरा कहा जाता है। यह आज भी एक रहस्य है, वैज्ञानिकों के मुताबिक ज्यादातर कचरा बंगाल की खाड़ी में जमा हो रहा है। विश्व भर में सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर जागरूकता तो आई है। दुनिया के तमाम देश ऐसे हैं जिन्होंने सिगल यूज प्लास्टिक के दुष्परिणमों को देखते हुए काफी लम्बे समय से इसके उत्पादन और उपयोग पर प्रतिबंध लगा रखा है। विश्व भर में ऐसे १६देश है, जिसमें यूके, अमेरिका, ताइवान जैसे देश शामिल हैं। इसके अलावा तकरीबन १२७देश एक ऐसा कानून बनाने की तैयारी में है, जिससे प्लास्टिक का उत्पादन और उपयोग पूरी तरह से बंद किया जा सके। एशिया में सर्वाधिक प्लास्टिक का उत्पादन किया जाता है। हमारे देश में नगर निगमों के ठोस कचरा मैं इसकी मौजूद की सबसे ज्यादा होती है। अकेले हिंदुस्तान में २८,९४० टन प्लास्टिक कचरे का उत्पादन प्रतिदिन होता है और इसी तरह वह प्लास्टिक कचरे के उत्पादन में १० फ़ीसदी से अधिक का योगदान करता है। काबिलेगोर है कि समस्या प्लास्टिक के उत्पादन में इतनी नहीं है, बल्कि एक उपभोक्ता के रूप में इसके कुप्रबंध इसकी रिसाइकलिंग कि आप्रभावी नीतियों से और उत्पादको की कोई जिम्मेदारी नहीं होने से है। फिर कचरा प्रबंधन की बुनियादी सुविधा को उन्नत बनाना, इसमें नवाचार जिस द्रुत गति से प्लास्टिक कचरे का उत्पादन बढ़ रहा है उससे तालमेल मिलाकर नहीं चल रहा।

बेदर्द औलाद: का नाथ, अलविदा अनाथ

अनाथालय में अधिकांश संपन्न जनों के जन्मदाता क्यों रहते आज तलक समझ से परे है? वीभत्स उनके समर्पण को औलादों को तर्पण भी मुनासिब ना होना मानवता के लिए शर्मसार है। अफसोस, उत्तरप्रदेश, वाराणसी के एक प्रसिद्ध साहित्यकार, श्रीनाथ खंडेलवाल का जीवन किसी उपन्यास की करुण कहानी जैसा बन गया। ४०० से अधिक किताबें लिखने वाले और ८० करोड़ की संपत्ति के नाथ खंडेलवाल का २८ दिसंबर २०२४ को अंतिम सांस लेकर अलविदा अनाथ हुए। यह दुर्भाग्य जनक, जिन्होंने अपनी लेखनी से हजारों दिलों को छुआ। उन महान साहित्यकार का जीवन उनके ही बेदर्द औलाद की बेरुखी के कारण वृद्धाश्रम में खत्म हुआ। श्रीनाथ खंडेलवाल ने अपनी लेखनी से भारतीय साहित्य को समृद्ध किया।

श्रृंखला में उन्होंने शिव पुराण और मत्स्य पुराण जैसे अनमोल ग्रंथों का हिंदी अनुवाद किया। उनकी लिखी ३००० पन्नों की मत्स्य पुराण की रचना आज भी विद्वानों के बीच चर्चित है। उन्होंने न केवल धार्मिक ग्रंथों पर काम किया बल्कि आधुनिक साहित्य और इतिहास पर भी कई किताबें लिखीं। उनकी पुस्तकें हिंदी, संस्कृत, असमिया और बांग्ला जैसी भाषाओं में उपलब्ध हैं। जीवन के अंतिम दिनों में वे नरसिंह पुराण का अनुवाद पूरा करना चाहते थे, लेकिन उनकी यह अंतिम इच्छा अधूरी रह गई। यही नहीं उन्होंने अपने जिस बेटे-बेटी पर अपनी जिंदगी न्योछावर कर दी, उन्होंने ही उन्हें घर से निकाल दिया। गजब है जिस पिता ने अपनी औलादों के खातिर कितने जतन-यतन किये, उसे ही यातना मुकम्मल हुई।

बेबसी, जिसके बाद से वो काशी कुष्ठ सेवा संघ के वृद्धाश्रम में रह रहे थे। कुछ महीने पहले उन्होंने अपनी दर्द भरी दास्तान साझा की थी। उन्होंने कहा था, मैंने अपनी पूरी जिंदगी अपनी औलाद के लिए लगाई। अब वे मेरे लिए अजनबी बन गए हैं। मेरे पास सब कुछ था, लेकिन आज मैं अकेला हूँ। विडंबना देखिए, जिनके शब्दों ने समाज को दिशा दी। उनके ही बच्चे उन्हें अपने घर में जगह नहीं दे सके। उनका बेटा एक व्यवसायी है और बेटी सुप्रीम कोर्ट में वकील, लेकिन उन्हों ने अपने पिता से मुँह मोड़ लिया। अंतिम समय, जब श्रीनाथ खंडेलवाल हालत बिगड़ी, तो अस्पताल से परिजनों को सूचित किया गया। लेकिन बेटा बाहर होने का बहाना बनाकर नहीं आया, और बेटी ने फोन तक नहीं उठाया। तब उन्होंने औलाद रहते दुनिया को अनाथ बनकर अलविदा कहा। आखिरकार सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उनकी जिम्मेदारी ली। उनके शव का मणिकर्णिका घाट पर विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया। गमगीन, समाजिक जनों ने कहा, काश, दिवंगत की संतान ने यह देखा होता कि एक समय जो उनके लिए पहाड़ सा खड़ा था, उसे हमने कंधों पर उठाया। व्यथा, मां-बाप जैसे खून के रिश्तों को तार-तार करने घटित घटनाएं विचलित करती है। यथा पंच परिवर्तन के विचार कुटुम्ब प्रबोधन की ओर आगे बढ़ना होगा, तब ही पारिवारिक, सामाजिक और नाते-रिश्तो की मानवीय संवेदना क़ायम रहेंगी। वस्तुतः श्रीनाथ खंडेलवाल की रचनाएं आज भी हमें प्रेरणा देती हैं। उनका जीवन हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि, आखिर क्यों समाज में माता-पिता को उनके ही बच्चों के द्वारा इस तरह त्याग दिया जाता है। लेकिन उनकी दर्दभरी कहानी हरदिल को झकझोरने के लिए काफी है। ऐसे में हर किसी की जुबान पर अब यही सवाल है- क्या ऐसी संतानों को संपत्ति के लिए अपने माता-पिता को त्यागने का अधिकार है? उनकी मृत्यु ने समाज के सामने कई सवाल खड़े कर दिए।

आज का इतिहास

- 1520 : फ्रांस और इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड संधि पर हस्ताक्षर किए।
- 1556 : सिखों के गुरु श्री हरगोविंद सिंह जी का जन्म।
- 1674 : छत्रपति शिवाजी महाराज (शिवाजी राजे भोंसले) का रायगढ़ के किले में राज्याभिषेक।
- 1808 : नेपोलियन बोनापार्ट के भाई जोसफ को स्पेन का राजा बनाया गया।
- 1882 : न्यूयार्क के हेनरी डब्ल्यू सिले ने इलेक्ट्रिक आयरन का पेटेंट लिया।
- 1916 : अमेरिका के ईस्ट क्लीवलैंड में महिलाओं को वोट देने का अधिकार दिया गया।
- 1919 : फिनलैंड ने बोलशेविक के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
- 1926 : मिस्र में एडली पाशा के नेतृत्व में सरकार बनी।
- 1929 : प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता, निर्माता एवं निर्देशक सुनील दत्त का जन्म।
- 1944 : नाजी सेना के फायरिंग दस्ते ने 96 कैदियों की हत्या की।

एक्वेरियम से जीवंत हो उठता है घर का माहौल

रंग-बिरंगी मछलियों का सुंदर सा एक्वेरियम ड्राइंग रूम में रखा हो, तो माहौल जीवंत हो उठता है। घर में एक्वेरियम रखना सिर्फ एक शौक नहीं, बल्कि अब यह एक आम बात हो गई है। कई बार घर में एक्वेरियम रखने या मछलियां पालने को लेकर लोग आशंकित भी रहते हैं। उन्हें लगता है कि एक्वेरियम रखना वास्तु और घर की सुख एवं समृद्धि के लिहाज से ठीक नहीं है, लेकिन इस तरह के मिथक पर भरोसा करने पर आपका शौक मिट्टी में मिल सकता है। घर में एक्वेरियम रखने की चाहत रखते हैं, तो आशंकाओं से उबरना जरूरी है।

खर्चीला शौक

एक आम धारणा है, कि फिश टैंक का रख-रखाव काफी खर्चीला है। यह बात सही नहीं है। वास्तव में एक्वेरियम जितना बड़ा होगा, उसका रख-रखाव उतना ही आसान होता है। फ्रेश वाटर में रहने वाली मछलियों का रख-रखाव बेहद आसान है और यह ज्यादा खर्चीला भी नहीं है। फ्रेश वाटर में रहने वाली मछलियां नई परिस्थितियों में आसानी से ढल भी जाती हैं। फ्रेश वाटर टैंक के रख-रखाव की बात करें, तो फिश फूड, पर्याप्त लाइटिंग और फिल्टरिंग का ध्यान रखना जरूरी है और इन चीजों का खर्च बेहद कम होता है।

छोटा नहीं बड़ा टैंक

अगर आप एक्वेरियम रखने जा रहे हैं, तो छोटे टैंक से शुरुआत करना गलत है। छोटे टैंक का रख-रखाव मुश्किल होता है। बड़े टैंक का रख-रखाव आसान होता है और इसमें मछलियों की मृत्यु दर भी कम होती है। किसी बॉल में फिश (खासतौर पर गोल्ड फिश) रखना सबसे खराब आइडिया है। चहलकदमी करने का स्पेस बॉल में कम होता है। ऐसे में मछलियों की मौत हो सकती है।

टैंक वाटर बदलने का झंझट

कई लोगों को लगता है कि हर रोज एक्वेरियम का पानी बदलना एक बड़ा झंझट है। जबकि ऐसा नहीं करना होता, क्योंकि हर रोज पानी बदलने से मछलियों की मौत हो सकती

है। पानी में मौजूद बैक्टिरिया मछलियों को जिंदा रहने में मददगार होते हैं। इसलिए टैंक का पानी पूरी तरह नहीं बदलना चाहिए। सप्ताह में एक बार सिर्फ 10-20 प्रतिशत पानी ही बदलने की जरूरत होती है। अगर फिल्टरेशन सिस्टम है, तो एक महीने के अंतराल में 30-50 प्रतिशत तक पानी बदल सकते हैं।

नेचुरल एन्वायरमेंट नहीं

किसी पेट शॉप में मिलने वाली मछलियां प्राकृतिक आवास से नहीं लाई जाती, बल्कि इन मछलियों की ब्रीडिंग नियंत्रित वातावरण में होती है। प्राकृतिक आवास में इन मछलियों के लिए जिंदा रहना आसान नहीं होगा। अगर किसी तालाब या फिर नदी में इन मछलियों को डाल दिया जाए तो वो दूसरी मछलियों की आसान शिकार बन सकती हैं।

कैटफिश टैंक रखती है क्लीन

अगर टैंक में काई है, तो इसे साफ करना पड़ता है, क्योंकि मछली टैंक की सफाई नहीं करती। ऐसे में संभावना कम ही है कि कैटफिश आपके एक्वेरियम टैंक को साफ रखेगी।

ज्यादा आबादी नहीं

यह समझना सही नहीं है कि टैंक में मछलियों की अधिक संख्या नुकसानदायक हो सकती है। इतना जरूर समझ लें कि मछलियों को अपने उत्सर्जित अपशिष्ट को मैनेज करना होता है। ऐसा नहीं होगा, तो अपशिष्ट जहर बनकर मछलियों की जान ले सकता है। इसलिए निर्धारित मात्रा में पानी की उपलब्धता और तय समय पर पानी बदलना एक्वेरियम की मछलियों की सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

आपके घर को प्रदूषण मुक्त बना सकता है ये प्लांट

हाल ही में एक स्टडी में पता चला है कि घर में बदलाव लाने वाले पौधे पोथोस आईवी को घर में लगाने से प्रदूषित हवा से बचा जा सकता है। इसके साथ-साथ ये पौधे घर में बेंजीन और क्लोरोफॉर्म को खत्म कर देता है, क्योंकि इससे कैंसर होने का खतरा भी बना रहता है।

इन पौधे से आपको एक प्रोटीन भी मिलता है, जिसे पी450, 2ई1 या 2ई1 के नाम से जाना जाता है। यह ट्रांसफॉर्मेशन कंपाउंड्स से मोलेक्युल्स को बदलने में मदद करते हैं। इससे वो खुद अपनी ग्रोथ को भी बढ़ाते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन के प्रोफेसर स्टुअर्ट स्ट्रांड के मुताबिक, लोग वास्तव में घरों में इन खतरनाक कंपाउंड्स के बारे में बात या फिर इसे बाहर करने के लिए कुछ नहीं करते हैं।

स्टडी के लिए टीम ने ऐसे पौधे को टेस्ट भी किया और इसे प्रदूषित हवा से पोथोस आईवी का मुकाबला कराया। उन लोगों ने दो ग्लास ट्यूब में प्लांट को रखा और फिर उन्होंने बेंजीन और क्लोरोफॉर्म को भी मिलाया। इसे परिवर्तन करने वाले प्लांट में 11 दिनों के भीतर ही पाया कि ट्यूब काफी प्रदूषित हो गया। वहीं, पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रकाशित एक और रिसर्च में देखने को मिला कि बिना किसी बदलाव लाने वाले पौधों को ट्यूब में डाला गया, लेकिन, इनमें कोई परिवर्तन देखने को नहीं मिला है। हालांकि, परिवर्तन होने वाले पौधों को जब घरों में लगाया गया तो इससे तीन दिन के भीतर ही 82 फीसदी प्रदूषित हवा साफ हो गई।

शास्त्रों में अमांगलिक माने गए हैं कुत्ते

जानें श्वान से जुड़े अपशकुन और उपाय

शास्त्रों के अनुसार उल्लू एवं कबूतर की भांति ही कुत्ते भी यम के दूत माने गए हैं और अमांगलिक हैं, जिनसे सावधान होकर पितृलोक में मृतात्माओं के जाने के लिए कहा गया है। ये दूसरों के प्राण भक्षण कर तृप्त होते हैं। श्वान को यमराज से जोड़ा गया है अतःअशुभ है।

ऋग्वेद में एक स्थान पर जघन्य शब्द करने वाले श्वानों का उल्लेख मिलता है, जो विनाश के लिए आते हैं। अतः श्वानों की आवाज को जघन्य माना गया है तथा इनका देखना भी अमांगलिक समझा गया है, क्योंकि मृतात्माओं को इनकी दृष्टि से बचाने के लिए सावधान किया गया है। सूत्र-ग्रंथों में भी श्वान को अपवित्र माना गया है। इसके स्पर्श एवं दृष्टि से भोजन अपवित्र हो जाता है। इस धारणा का कारण भी श्वान का यम से संबंधित होना है। श्वान का गृह के चारों ओर घूमते हुए क्रंदन करना अपशकुन या अद्भुत घटना कहा गया है और इसे इंद्र से संबंधित भय माना गया है। अतः श्वान के संबंध में वैदिक साहित्य में अपशकुनसूचक होने की ही प्रबल धारणाएं पाई जाती हैं, किंतु ईरान में श्वान के प्रति शुभ शकुनसूचक भावनाएं पाती जाती हैं।

करें ये उपाय

- भारत में भी श्वान को गुरु ग्रह से संबंधित माना गया है।
- शनि की प्रसन्नता के लिए भी काले कुत्ते को नियमित रोटी देना शुभ माना जाता है।
- भैरों देवता को प्रसन्न करने के लिए भी इन्हें रोटी खिलाने का प्रावधान है।

इस मंदिर में स्थित मां लक्ष्मी की मूर्ति दिन में तीन बार बदलती है रंग

हमारे देश में कई सारे प्राचीन मंदिर स्थित हैं। लगभग हर प्राचीन मंदिर से कोई न कोई चमत्कार जुड़ा है, जो आपको सोचने पर मजबूर कर देता है। ऐसे ही एक मंदिर के बारे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं। इस मंदिर में स्थित मां लक्ष्मी की मूर्ति दिनभर में तीन बार अपना रंग बदलती है।

जी हां, ये चमत्कारिक मंदिर स्थित है मध्यप्रदेश के जबलपुर में। ये स्थान पचमठा मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि यह स्थान देशभर के तांत्रिकों के लिए तंत्र साधना का विशेष केंद्र माना जाता है। इस मंदिर के चारों तरफ श्रीयंत्र की विशेष संरचना बनी हुई है। इतना ही नहीं इस मंदिर में स्थित मां लक्ष्मी की प्रतिमा आज भी दिन में तीन बार रंग बदलती है।

बताया जाता है कि इस पचमठा मंदिर का निर्माण लगभग 11 सौ वर्ष पूर्व हुआ था। इस पचमठा मंदिर की एक और विशेष बात यह है कि यहां पर आज भी सूरज की पहली किरण मां लक्ष्मी के चरणों में पड़ती है। यहां पर प्रतिदिन मां लक्ष्मी की प्रतिमा का रंग तीन बार परिवर्तित होता है। प्रातः काल के समय प्रतिमा का रंग सफेद, दोपहर में पीला और शाम को नीला हो जाता है। शुक्रवार के दिन इस मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ रहती है।

कहा जाता है कि, सात शुक्रवार तक यहां पर मां लक्ष्मी के दर्शन करने से आपकी मनोकामना पूरी होती है। पचमठा मंदिर के पास एक तालाब भी है, जिसे अधारताल तालाब के नाम से जाना जाता है। इस तालाब का निर्माण रानी दुर्गावती के विशेष सेवापति रहे दीवान अधार सिंह ने बनवाया था। पचमठा मंदिर में दिवाली के दिन देशभर से लोग मां लक्ष्मी की विशेष पूजा करने पहुंचते है। दिवाली की रात पचमठा मंदिर के कपाट पूरी तरह खोल दिए जाते हैं और पूरे मंदिर को दीपक से प्रज्वल्लित कर दिया जाता है। ये दृश्य बेहद मनमोहक और अद्भुत होता है।

भारतीय संस्कृति का हिस्सा है नमस्कार

नमस्कार हमारी संस्कृति का हिस्सा है। नमस्कार सदियों से हमारी जीवन शैली से जुड़ा हुआ है, जिसे हम आज की स्थिति में कम इस्तमाल करने लगे हैं।

पश्चिमी देशों की संस्कृति को हम इस कदर आंख बंद करते हुए अपनाते जा रहे हैं, कि हमें अपनी सस्कृति के वास्तविक मायने ही भूलते जा रहे हैं। एक-दूसरे के हाथ में हाथ मिलाकर हेल्लो हाय बोलने से काफी बेहतर नमस्कार करना होता है। नमस्कार के पीछे कोई रूढ़िवादी सोच नहीं है। इसके पीछे वैज्ञानिक दृष्टि है, जिसे समझ कर इसे अपने जीवन में सभी लोगों को अपनाना चाहिए।

नमस्कार करने का तरीका

आराम से सीधे खड़े रहो। दोनों हाथों के पंजे छाती के पास लाकर हाथों के पंजों को मिला दो। ये हाथों के पंजों को थोडा टेढ़ा रखते हुए छाती के पास हो। उंगलियों से उंगलियां मिलना चाहिए। नमस्कार करते वक्त हाथों में कुछ समान नहीं पकड़ना चाहिए। मन में कोई भी दूर भाव नहीं लाना चाहिए। नमस्कार करते वक्त शरीर को न तो सख्त रखे न ही पूरा ढीला। भगवान हो चाहे अच्छा बुरा इंसान को नमस्कार, करते वक्त गुस्सा नहीं करना चाहिए। नमस्कार करते वक्त शरीर को हिलाना नहीं चाहिए और पैरों को बहुत दूर भी नहीं रखना चाहिए।

अगर शरीर के इन खास हिस्सों पर है तिल तो बहुत लकी हैं आप

आमतौर पर हर किसी को शरीर के किसी न किसी हिस्से पर तिल जरूर रहता है। गाल पर तिल होने को लोग सुंदरता से जोड़कर देखते हैं। इसी तरह शरीर के अंगों पर तिल का अपना ही महत्व होता है। कुछ तिल लोगों के लिए शुभ माने जाते हैं तो कुछ अशुभ। वैसे तो शरीर के अंगों पर तिल का अपनी ही महत्व होता है, लेकिन कुछ तिल उस इंसान के लक्की होने का सबूत होते हैं। आपने अक्सर लोगों को कहते सुना होगा कि जिसकी हथेली में तिल होता है और वो मुट्ठी में बंद हो जाए तो उसके पास बहुत पैसे आते हैं। सामुद्रिक शास्त्र पर गौर करें तो शरीर पर तिल होना तो कोई खास अंतर नहीं डालता, लेकिन वह शरीर के किस अंग पर है, ये बात बहुत अहम होती है।

शरीर के अंगों पर तिल का मतलब

हथेली पर तिल

समुद्रशास्त्र के अनुसार, हथेली पर तिल वाले लोग बहुत ही किस्मत वाले होते हैं। ऐसे लोगों को हर काम में तरक्की मिलती है। कभी हारने न मानने वाले इस तिल के लोग अपनी मेहनत से हर मुकाम हासिल कर लेते हैं और ऐसे लोग अमीर भी बन जाते हैं।

नाक पर तिल

ऐसे लोग सुंदर होने के साथ-साथ नखराले भी होते हैं। इन लोगों को छोटी-छोटी बात पर गुस्सा आता है। स्वभाव से नखराले होने के बावजूद भी इस तिल के लोग बहुत भाग्यशाली होते हैं। ये जो चाहते हैं, इन्हें मिल जाता है।

जरा ध्यान से देख लीजिए कहीं आपकी भी तो नाक पर तिल नहीं है।

ठोड़ी पर तिल

जिन लोगों के ठोड़ी पर तिल होता है वो सुंदर होने के साथ ही स्वभाव से काफी शांत होते हैं। ऐसे लोग हर बिगड़े हुए काम को आसानी से सुलझा लेते हैं। ऐसे लोग अपनी मधुर वाणी का लाभ हमेशा उठाते हैं। ऐसे लोग बहुत भाग्यशाली होते हैं, उन्हें जीवन में दौलत और खुशियां मिलती हैं।

पीठ पर तिल

जिन लोगों के पीठ पर तिल मौजूद होता है वो स्वभाव से बेहद रोमांटिक होते हैं। अक्सर घूमने-फिरने के बारे में सोचने वाले इस तरह के लोगों की हर इच्छा पूरी होती है। इन लोगों के मन की इच्छा बिना मेहनत के ही पूरी हो जाती है, तो हुए न ये लोग लकी, क्योंकि मेहनत से हर किसी को बहुत कुछ हासिल हो सकता है, जिसे बिना मेहनत के मनचाही चीज मिल जाए वो वाकई में लकी होता है।

पैर के अंगूठे में तिल

जिन लोगों के पैर के अंगूठे पर तिल होता है, उन्हें कभी पैसों की कमी नहीं होती। इसके अलावा समाज में प्रतिष्ठता के मामले में भी ऐसे लोग लकी होते हैं। पैर के अंगूठे पर तिल होना सौभाग्यशाली माना जाता है।

नाभि के पास तिल

समुद्रशास्त्र के अनुसार आपकी नाभि के पास तिल है, तो यह आपके लिए बहुत ही शुभ फलदायी है। ऐसे तिल का होना आपके लिए सुख समृद्धि का सूचक है।

तो आज ही आप चेक कर लीजिए, की आपके शरीर के किन-किन हिस्सों पर तिल है और उस तिल का क्या महत्व है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि आप मेहनत करना छोड़ दें।

सलाद खाने के फायदे

अगर आप खाना खाने से पहले सलाद खाते हैं तो यह बेहद लाभदायक होता है। अगर आप सलाद नहीं खाते तो शुरु कर दें क्योंकि कई बार खाने के साथ ही हमारे खून में कुछ ऐसे तत्व भी पहुंच जाते हैं जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में बीमारियों से बचने के लिए जरूरी है शरीर के अंदर मौजूद ये विकार बाहर निकलते रहें। यह विकार अगर जमा होने लगते हैं तो धीरे-धीरे जहर की तरह हो जाते हैं। डॉक्टरों के अनुसार खून साफ न हो तो फोड़े-फुंसी, मुंहासे और त्वचा रोगों जैसी कई बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए खून साफ रखने के लिए ये तरीके अपनायें।

खाने से पहले सलाद खाएं

अपने आहार की शुरुआत से पहले अच्छी मात्रा में हरी सब्जियों का सलाद या रंगीन सब्जियों का मिक्स सलाद खाएं। सलाद ऐंटिऑक्सिडेंट्स और एंजाइम्स से भरपूर होता है, जो पाचन क्रिया को सही रखता है। साथ ही ये जरूरी विटमिन, मिनरल्स और कई अन्य फिटोकेमिकल्स मुहैया करवाता है। इसलिए हर बार खाने से पहले कम से कम एक कटोरी सलाद जरूर खाएं।

सबसे जरूरी चीज है पानी

अगर आप शरीर में मौजूद गंदगी को बाहर निकालना चाहते हैं, तो इसके लिए सबसे अच्छा उपाय है पानी। अगर आप पर्याप्त पानी नहीं पीते हैं, तो बहुत हेल्दी खाना खाने के बाद भी आपको कोई लाभ नहीं मिलता है और शरीर की गंदगी पूरी तरह साफ नहीं होती है। इसलिए बॉडी को डीटॉक्स करने के लिए दिन भर में कम से कम ३-४ लीटर पानी जरूर पिएं।

नींबू और संतरा

ऐंटिऑक्सिडेंट, विशेष रूप से विटमिन सी से भरपूर संतरा और नींबू ग्लूटाथियॉन के उत्पादन को बढ़ाकर लिवर के कार्य में सहायता करते हैं। ग्लूटाथियॉन वह यौगिक है जो लिवर के डिटॉक्सिफिकेशन के लिए जरूरी होता है। कुछ दिनों तक ठोस आहार के बिना नींबू पानी पीने से आपकी डीटॉक्स प्रणाली को प्राकृतिक रूप से बढ़ावा मिलता है। नींबू में पर्याप्त मात्रा में विटमिन सी और ऐंटिऑक्सिडेंट यौगिक, लिमोनोइड्स होते है जो डिटॉक्सिफाई एंजाइमों को सक्रिय करने में मदद करते हैं।

जरूरी है फलों का सेवन

पर्याप्त मात्रा में फलों का सेवन करना चाहिए। फलों में मौजूद मिनरल्स और ऐंटिऑक्सिडेंट्स खून को साफ करते हैं। ये आपके शरीर में मौजूद विषैले पदार्थों को बाहर निकालकर कोलन और लिम्फेटिक सिस्टम को सही तरह से काम करने में मदद करते हैं। अगर आप वजन कम करने का प्रयास कर रहे हों, तो फल मदद कर सकते हैं।

नट्स और अनाज का सेवन

शरीर की रक्तशर्करा को स्थिर रखने के लिए भोजन के बीच में स्वास्थ्यवर्धक आहार खाने चाहिए। रक्त शर्करा में आने वाला उतार चढ़ाव आपके शारीरिक ऊर्जा के स्तर को कम कर सकता है। इसके साथ ही इसका असर प्रतिरक्षा प्रणाली पर भी पड़ता है।

ये वजन को भी ठीक करता है। रक्त शर्करा को नियंत्रित रखने और ऊर्जा का स्तर बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में नट्स, साबुत अनाज का दलिया और स्मूथी आदि का सेवन करना चाहिए।

डेंगू से बचाव इस प्रकार करें

मौसम में अचानक आए बदलाव की वजह से डेंगू, मलेरिया के मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। वैसे तो डेंगू बुखार तकरीबन ७-१० दिनों तक बना रहता है और कई बार अपने आप ही ठीक हो जाता है लेकिन डेंगू हेमरेजिक फीवर थोड़ा खतरनाक होता है और इसमें खून के प्लेटलेट्स और डब्ल्यूबीसी की संख्या कम होने लगती है। ऐसी स्थिति में दवा के साथ ही अगर आयुर्वेदिक इलाज किया जाए तो मरीज जल्दी ठीक हो सकता है।

कद्दू का रस पीयें

आमतौर पर लोग कद्दू की सब्जी ही खाते हैं, मगर सब्जी से ज्यादा फायदेमंद इसका रस होता है। डेंगू-मलेरिया ही नहीं बल्कि किसी भी बीमारी में सबसे पहले शरीर की इम्यूनिटी बेहतर करनी जरूरी है ताकि शरीर रोग से लड़ने लायक हो जाए और कद्दू का रस शरीर को अंदर से मजबूत बना देता है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी बढ़ जाती है हालांकि इम्यूनिटी एक-दो दिन में नहीं बढ़ती। इसके लिए लंबे समय तक स्टीन का ध्यान रखना पड़ता है!

बकरी का दूध भी फायदेमंद

कद्दू के रस के अलावा बकरी का दूध, पपीते की पत्तियां और गिलोय का रस भी खून में कम हो रहे प्लेटलेट्स की संख्या को फिर से सामान्य करने में मदद करता है। दरअसल, बकरी का दूध सुपाच्य होता है। आयुर्वेद में बताया गया है कि बकरी का दूध डेंगू के बुखार को निकलने में कारगर होता है।

दिल को मजबूत बनाए

कद्दू का रस रोग प्रतिरोधी ताकत बढ़ाने के साथ ही दिल को भी मजबूत बनाता है। दिल से संबंधित बीमारियां जैसे हार्ट अटैक, हार्ट स्ट्रोक आदि में कद्दू का रस बेहद लाभदायक होता है। साथ ही इसमें धमनियों को साफ करने के गुण होते हैं। इसमें उपस्थित ऐंटिऑक्सिडेंट धमनियों की दीवारों को सख्त होने से रोकता है।

पाचन शक्ति बढ़ाए

कद्दू का रस पाचन शक्ति बढ़ाता है, जिससे शरीर स्वस्थ रहता है। दस्त और कब्ज दोनों ही समस्या में इसका सेवन बहुत मददगार होता है। इसके अलावा कद्दू का रस पीने से शरीर की गंदगी और विषैले पदार्थ यूरीन के माध्यम से बाहर निकाल जाते हैं। इसके रोगनाशक गुण अल्सर और ऐसिडिटी के इलाज में बहुत सहायक होते हैं।

पथरी की समस्या में लाभकारी

किडनी में पथरी की समस्या से परेशान लोगों के लिए कद्दू का रस बहुत फायदेमंद होता है। अगर आप किडनी में पथरी की समस्या से परेशान हैं तो १० दिन तक लगातार दिन में तीन बार आधा गिलास कद्दू के रस का सेवन करें। किडनी की परेशानी भी इसका रस पीने से ठीक होने लगती है।

त्वचा की देखभाल करे

कद्दू के रस में प्रचूर मात्रा में विटेमिन सी, विटमिन ई और बीटा-कैरोटीन होता है, जो त्वचा को जवां, नर्म और चमकदार बनाए रखता है। इसके अलावा यह झुर्रियों से बचाता है और त्वचा को हाइड्रेट भी करता है।

लोगों को प्रेरित कर सकते हैं तो बने मोटिवेशनल स्पीकर

देश भर में अवसाद के बढ़ते मामलों को देखते हुए मोटिवेशनल स्पीकर के क्षेत्र में भी आप कैरियर बना सकते हैं। आजकल 22 से 25 साल के उम्र के लोग भी अवसाद के शिकार हो जाते है। जिस तरह अवसाद तेजी से बढ़ रहा है, उसी के साथ मोटिवेशनल स्पीकर की मांग भी बाजार में बढ़ती जा रही है। अगर आप अपनी बातों से लोगों को प्रेरित कर सकते हैं तो आप आपमें मोटिवेशनल स्पीकर बनने की क्षमता है। मोटिवेशनल स्पीकर्स कुछ भी शुरू करने से पहले लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचते हैं। इसके बाद ही वे उन्हें प्रेरित करने की शुरुआत करते हैं।

इसके लिए आपको अच्छे-खासे होमवर्क की जरूरत पड़ती है। प्रेरित करते हुए महान लोगों की बातों के उदाहरण के साथ प्रस्तुतीकरण से कही हुई बात को समझाना पड़ता है। ये एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें आप लोगों से बात करके अच्छी कमाई कर सकते हैं। यह एक संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण करियर है। इस क्षेत्र में आपकी सफलता या असफलता उन दर्शकों पर निर्भर करती है, जिसे आप प्रेरित कर रहे हैं। यदि आप लोगों में बातों से जोश भर देते हैं तो यकीन मानें आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता।

इस क्षेत्र के लिए विषय का विस्तृत ज्ञान होना बहुत जरूरी है। इसके लिए फिलॉस्फी से लेकर लिटरेचर तक हर तरह की किताबें पढ़नी चाहिए। ताजा मामलों से भी अपने को अपडेट रखना चाहिए।

कोर्सेज: कुछ प्रबंधन स्कूलों में स्पीकिंग पावर पर काम करवाया जाता है। इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि आप मोटिवेशनल स्पीकर बनने के लिए मैनेजमेंट कोर्स ही करें। इस करियर की जरूरत को ध्यान में रखते हुए मजबूत इच्छाशक्ति और सकारात्मक सोच बनाएं रखें।

कमाई: मोटिवेशनल स्पीकर की आमदनी कम से कम 40-50 हजार से शुरू होकर लाखों में होती है। यदि किसी स्पीकर की कोई किताब नाम कमा लेती है अथवा वह अपने दम पर कोई बड़ा काम कर जाता है तो इसकी मांग और बढ़ जाती है।

अवसर: आजकल बहुत सी कंपनियां, एजेंसियां, एनजीओ, मैनेजमेंट सहित अन्य दूसरे स्कूल-कॉलेज मोटिवेशनल स्पीकर को नियुक्त करने लगे हैं। इसके अलावा कुछ खास कार्यक्रमों में भी मोटिवेशनल स्पीकर्स को आंमत्रित किया जाता है।

प्रमुख संस्थान

फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट
बी-18, कुतुब इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली
टाई हॉवर्ड मोटिवेशनल स्पीकर ट्रेनिंग स्कूल

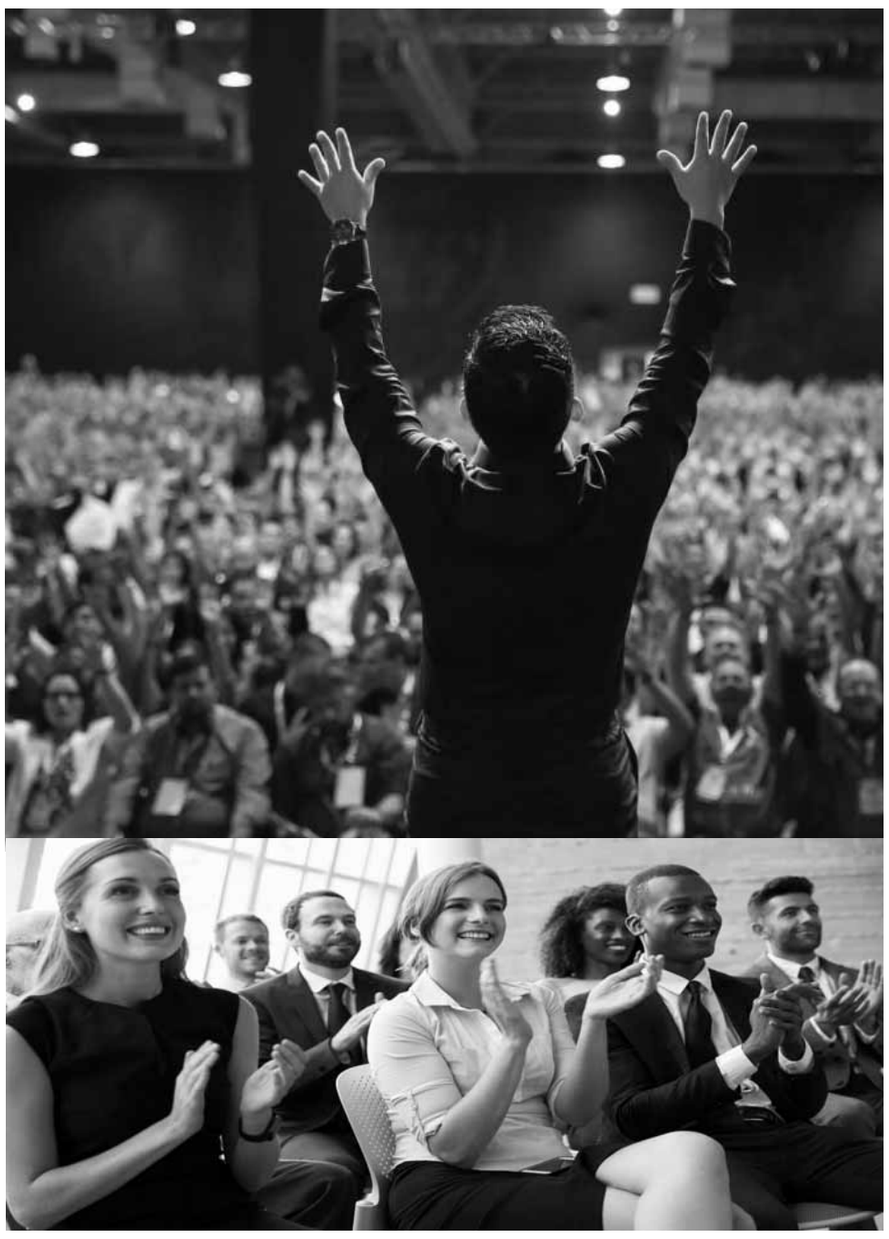

एआई के ये कोर्स कर संवारें करियर

आजकल आर्टिफीशियल इंटेलीजैंस (एआई)की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में अगर आप भी करियर में आगे बढ़ना चाहते हैं तो इस प्रकार के कोर्स कर आगे बढ़ सकते है । कई कंपनियां कुछ कम अवधि के ए आई के शार्ट टर्म एआई कोर्स आयोजित करती हैं जिन्हें पूरा कर आप भी इसमें अच्छा करियर बना सकते हैं। इन कोर्स की फीस 500 रुपए से लेकर 15 हजार रुपए तक हो सकती है। इनमें से कुछ कोर्स फ्री होते हैं, लेकिन सर्टिफिकेट लेने के लिए कंपनियां फीस लेती हैं। गूगल समेत कई कंपनियों की तरफ से कई तरह के एआई कोर्स जारी किए गए हैं। यह कोर्स ऑनलाइन और पूरी तरह फ्री हैं। करियर में आगे बढ़ने के लिए यह कोर्स आपकी मदद कर सकते हैं। हालांकि यह कोर्स अंग्रेजी में होते हैं और आपको थोड़ी-बहुत कंप्यूटर की जानकारी होनी चाहिए। बाकि इन कोर्स को करने के लिए किसी खास तरह की योग्यता की आवश्यकता नहीं है। ऐसे में आप यह कोर्स को अपनी रेज्यूमे में जोड़कर अच्छी नौकरी की तलाश पूरी कर सकते हैं। लार्ज लैग्वेज मॉडल्स = इस कोर्स को करने के बाद आप भी चैट जपीटी जैसा प्लैटफॉर्म बना सकते है। इस कोर्स में आपको यह सिखाया जाता है कि किस तरह से चैट जपीटी जैसे प्लेटफॉर्म पर इमेज और कंटेंट क्रिएट किये जाते हैं। आप इस कोर्स को करने के बाद किसी भी टॉपिक पर आर्टिकल बना सकते हैं। यह किसी भी कंटेंट को दूसरी भाषा में ट्रांसफर कर सकते हैं। मिनटों में लंबे असाइनमेंट या प्रोजेक्ट तैयार कर सकते हैं। लार्ज लैग्वेज मॉडल्स कोर्स में यह भी बताया व सिखाया जाता है कि आप किस तरह प्रॉम्प्ट ट्यूनिंग की सहायता से आउटपुट पर नियंत्र पा सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 8 घंटे की है। इमेज जनरेटर = इमेज जनरेटर का कोर्स कर आप आई की सहायता से कैसा भी कोई भी फोटो बना सकते हैं। इस कोर्स में आप यह भी सीख सकते हैं कि कम रिजॉल्यूशन वाली फोटो को हाई रिजॉल्यूशन में कैसे बदलें। इस कोर्स को करने के बाद आप किसी का चेहरा भी डिजाइन कर सकते हैं और लैंडस्केप इमेज भी तैयार कर सकती हैं। इस कोर्स में टेक्स्ट प्रॉम्प्ट के आधार पर इमेज, स्केच और कार्टून आदि बनाने की ट्रेनिंग दी भी जाती है। इस कोर्स की अवधि 8 घंटे की है। इसके अलावा कई बड़ी अवधि के भी कोर्स हैं।

एथिकल हैकर के क्षेत्र में हैं भारी संभावनएं

आजकल जिस प्रकार से साइबर अपराध बढ़ते जा रहे हैं। उसको देखते हुए एथिकल हैकर की मांग तेजी से बढ़ रही है। एथिकल हैकर का काम अपने कौशल का इस्तेमाल कर कंपनियों और लोगों को साइबर हमले से बचाना हैं। एथिकल हैकर कंप्यूटर सिस्टम की कमजोरियों का पता लगाकर साइबर हमले रोकते हैं।

आजकल जिस प्रकार से साइबर अपराध बढ़ रहा है, उससे एथिकल हैकर्स की भी मांग भी तेजी से बढ़ी है। सरकारी क्षेत्र से लेकर निजी क्षेत्र सभी में इनके लिए अवसर काफी ज्यादा है। हालात ये है कि जरुरत जितनी है उससे इसके पेशेवरों की तादाद काफी कम है। ऐसे में यह एक फायदेमंद, रोमांचक और महत्वपूर्ण कॅरियर बन गया है। ऐसे में अगर आप भी कंप्यूटर और हैकिंग में रुचि रखते हैं, तो आप एथिकल हैकिंग की बारीकियां सीखकर इस क्षेत्र में उतर सकते हैं।

एथिकल हैकर बनने के लिए उम्मीदवार को कंप्यूटर सिस्टम से जुड़ी सभी अहम जानकारियां होनी चाहिए। इसमें स्क्रिप्टिंग, ऑपरेटिंग सिस्टम नेटवर्किंग का अच्छा ज्ञान, प्रोग्रामिंग पर अच्छी पकड़, सर्वर और सर्च इंजन, डाटाबेस की अच्छी समझ, नई तकनीकों से उसे लगातर अपडेट रहना होगा। इसके साथ ही विंडोज, लिनक्स और पायथन जैसे ऑपरेटिंग सिस्टम की भी पूरी जानकारी होनी चाहिये।

विदेशी भाषाएं सीख कर पायें अच्छी नौकरी

अगर आप तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं तो हिंदी और अंग्रेजी के साथ ही अलग-अलग भाषाएं सीखना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। अलग-अलग और नई तरह की भाषा आपको एक अच्छी नौकरी भी दिला सकती है। अगर इन भाषाओं का ज्ञान हिंदी के साथ हो तो आपको नौकरी मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

स्पेनिश: अगर किसी भाषा को वाकई वैश्विक भाषा का दर्जा मिल सकता है तो वो स्पेनिश है। दुनिया भर में इस भाषा से जुड़े रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। अमेरिका में बड़ी संख्या में ऐसे लोग रहते हैं, जो स्पेनिश बोलते हैं। इसके अलावा मुसाफिरों की तादाद भी काफी है। इसे सीखना तुलनात्मक रूप से आसान है। स्पेन के अलावा ये भाषा दक्षिण अमेरिका के कई देशों और मेक्सिकों में भी बोली जाती है।

जर्मन: जर्मनी के अलावा स्विटजरलैंड में भी ये भाषा काफी प्रचलित है और ये दोनों देश यूरोप में कारोबार का केंद्र माने जाते हैं। ऐसे में ये भाषा कारोबार के लिहाज से अहम है।

फ्रेंच: दुनिया भर में 20 करोड़ से ज्यादा लोग यह भाषा बोलते हैं। दुनिया के 40 से ज्यादा देशों में आप फ्रेंच बोल-सुन सकते हैं। ये 8 देशों की भाषा है और संयुक्त राष्ट्र में इसे आधिकारिक दर्जा हासिल है।

अंग्रेजी: अंगेजी का महत्व आपको पता ही है। लंदन, अमेरिका समेत यूरोप में प्रमुख तौर पर बोली जाने वाली भाषा है। इससे करियर की असीम संभावनाएं आपके लिए खुलती हैं।

जापानी: अंग्रेजी में कई ऐसे शब्द हैं, जो इसी भाषा में पहुंचे हैं। अगर एशिया के रोबोटिक केंद्र में जगह बनानी है तो जापानी सीखना अनिवार्य समझ लीजिए।

अच्छी नौकरी के लिए अपनायें ये टिप्स

हर किसी युवा का सपना होता है कि उसे जल्दी से जल्दी नौकरी मिल जाए। खास करके अगर उनकी उम्र 20-25 साल हो। कुछ छात्र कॉलेज से निकलने के बाद भी संशय में होते हैं कि उन्हें क्या करना है। अगर आप जल्दी नौकरी करना चाहते हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखें।

प्रोफाइल बनाएं: सबसे पहले बारी आती है मजबूत प्रोफाइल की और अच्छे प्लेटफॉर्म की।

अपने रिज्यूमे को अपडेट करें: अगर आप बेहतरीन नौकरी चाहते हैं तो अपने रिज्यूमे को लगातार अपडेट करना न भूलें। पुराना रिज्यूम किसी भी कंपनी को न भेजें।

इंटर्नशिप करें: आपके लिए जितनी जल्दी संभव हो, इंटर्नशिप शुरू कर दें। सारे स्टूडेंट्स जानते हैं कि नौकरी पाने के लिए इंटर्नशिप करना कितना जरूरी है लेकिन वे इस ओर ध्यान नहीं देते हैं। आप चाहें तो कॉलेज की छुट्टियों में इंटर्नशिप कर सकते हैं। हो सकता है कि यह आपको अच्छी जॉब ही दिला दें।

मेंटर जरूर खोजें: हमारे जीवन में कुछ भी अच्छा करने के लिए हमें एक मेंटर की जरूरत होती है। एक ऐसा मेंटर जो आपको अच्छी तरह जानता हो और आप उसे बेहतर जानते हों। ज्यादातर भारतीय स्टूडेंट्स अपने माता-पिता को ही अपना मेंटर मानते हैं यह एक अच्छी बात है। मगर परिवार से हट कर भी आपका एक मेंटर होना चाहिए जो आपको कुछ करने के लिए उत्साहित करे। खासकर के आप जिस फील्ड में जाना चाहते हैं, उससे जुड़ा हुआ एक मेंटर जरूर खोजें।

प्रोफेशनल डेवलपमेंट ग्रुप ज्वॉइन करें: अपने कॉलेज के दिनों से ही प्रोफेशनल ग्रुप को ज्वॉइन करना शुरू कर दें। इसके लिए आप अपने कॉलेज के एल्यूमनाई से भी जुड़ सकते हैं। ऐसा करने से आपको पेशेवरों के बारे में जानकारी मिलेगी। यहीं से आप नेटवर्किंग भी शुरू कर सकते हैं। हो सकता है कि इन्हीं ग्रुप्स में से कोई आपको जॉब ऑफर कर दें।

अपडेट रहें

अगर आप नौकरी चाहते हैं और जिस फील्ड में नौकरी चाहते हैं उसके लेकर अपडेट रहें, देखें- मार्केट में उस नौकरी की कितनी डिमांड कहां और कब है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उद्योगों का तीव्र गति से विकास हो रहा है: कश्यप

इन्दौर । सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य कुमार कश्यप ने कहा है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में उद्योगों का तीव्र गति से विकास किया जा रहा है, इसी श्रृंखला में संभागीय इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किये जा रहे हैं, जिसके अच्छे परिणाम आ रहे हैं। मंत्री कश्यप इन्दौर में लघु उद्योग भारती की कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में मंत्री कश्यप द्वारा मालवा प्रांत के 15 जिलों से आए उद्यमियों के साथ संवाद किया एवं विभाग की योजनाओं की जानकारी प्रदान की। उन्होंने उद्यमियों के विभिन्न विषयों का समाधान भी किया गया। मंत्री कश्यप ने कहा कि लघु उद्योग भारती उद्यमिता के क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रही है। हमें विश्वास है कि सरकार और संस्था मिलकर आगे और भी अच्छे कार्य करेंगे। अखिल भारतीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद, उपाध्यक्ष ताराचंद गोयल, प्रदेश अध्यक्ष राजेश मिश्रा, प्रदेश महामंत्री अरुण सोनी सहित बड़ी संख्या में उद्यमी और मालवा के विभिन्न जिलों से 200 से अधिक उद्यमी उपस्थिति रहे।

आईएफएमआईएस में समग्र आईडी की प्रविष्टि 28 तक

अशोकनगर । राज्य शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि वित्त विभाग द्वारा संधारित एकीकृत वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली आईएफएमआईएस के अंतर्गत उपलब्ध शासकीय सेवकों की जानकारी का सत्यापन समग्र आईडी से किया जाना है। वेतन भुगतान आधार सक्षम भुगतान प्रणाली के माध्यम से किया जाना है। इस संबंध में जिला कोषालय अधिकारी रवीन्द्र सूर्यवंशी ने बताया कि समस्त शासकीय सेवकों का दायित्व होगा कि वह आईएफएमआईएस के अंतर्गत कर्मचारी स्वयं सेवा प्रोफाइल के माध्यम से अपनी समग्र आईडी की प्रविष्टि कर जानकारी सत्यापित कर सकते है। आईएफएमआईएस में समग्र आईडी की प्रविष्टि एवं सत्यापन से पूर्व समस्त शासकीय सेवकों द्वारा उनकी समग्र आईडी का पंजीयन/अद्यतन एवं आधार से लिंक समग्र पोर्टल के माध्यम से कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। जिस बैंक खाते में वेन प्राप्त हो रहा है, उस बैंक खाते को आधार से भी आवश्यक रूप से लिंक कराया जाये।

विश्वकर्मा योजना में 19 व्यवसायों के कारीगर-शिल्पकारों को दिया गया प्रशिक्षण

इन्दौर । पीएम विश्वकर्मा योजना सितम्बर 2023 से प्रारंभ है। विगत वर्ष में 19 व्यवसायों के निर्माता-बढ़ई, नाव, कवच, लोहार, हथौड़ा, टूल किट, ताला, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, जूता कारीगर, राज मिस्त्री, टोकरी, चटाई, झाड़ू, गुड़िया, खिलौना, नाई, माली, धोबी, दर्जी, मछली पकड़ने का जाल बनाने में लगे कारीगरों व शिल्पकारों को कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें आर्थिक सहायता भी उपलब्ध करवाई गई है। 15 हजार रुपये का ई-वाउचर डिजिटल लेन-देन के लिये प्रोत्साहित कर उन्हें मार्केटिंग के लिये सपोर्ट भी किया गया है। प्रि-बेसिक ट्रेनिंग के लिये 23 हजार 72 कारीगर नामांकित हुए थे। बेसिक ट्रेनिंग में 12 हजार 318 उम्मीदवारों का नामांकन हुआ था। जिसमें से 12 हजार 06 उम्मीदवारों ने ट्रेनिंग पूर्ण की थी। सात शासकीय आईटीआई में प्रशिक्षण दिया गया। शासकीय आईटीआई इन्दौर सहित संभाग के आलीराजपुर, निवाड़ी, बड़वानी, सिंघाना, झाबुआ तथा खंड़वा में प्रशिक्षण का संचालनपूर्ण किया गया।

प्रशिक्षण प्रदान करने में इन्दौर जिले प्रथम स्थान पर रहा है। शासकीय आईटीआई इन्दौर में लोहार व्यवसाय के 21 कारीगर, दर्जी व्यवसाय के 70 कारीगर तथा कारपेंटर(बढ़ई) व्यवसाय के 27 कारीगरों को प्रशिक्षण दिया गया है।

युवा दिवस पर आयोजित होगा सामूहिक सूर्य नमस्कार

अशोकनगर । कलेक्टर सुभाष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता मे स्वामी विवेकानन्द के जन्म दिवस युवा दिवस के अवसर पर 12 जनवरी को सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री द्विवेदी ने निर्देशित किया कि शासन के निर्देशानुसार जिले के युवा दिवस के अवसर पर 12 जनवरी को सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन हेतु सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई पेयजल व्यवस्था हेतु मुख्य नगर पलिका अधिकारी अशोकनगर के द्वारा की जाएं। उन्होंने कहा कि सर्वश्रेष्ट सूर्य नमस्कार करने वालों को पुरष्कृत करने के निर्देश दिए। जिसमे 4 समूहों बालक एवं बालिका 20 वर्ष से 30 वर्ष तक, 30 वर्ष से 50 वर्ष तक एवं 50 वर्ष से अधिक सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन करने वालो का चयन निर्णायक मंडल द्वारा किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि जिला स्तर पर 12 जनवरी को सामूहिक सूर्य नमस्कार आयोजन शास. उत्कृष्ट उमावि अशोकनगर में किया जायेगा। जिसमे विद्यालय के समस्त छात/छात्रा, स्टाफ एवं अधिकारी, कर्मचारी शामिल होगें।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में 61 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षित

इन्दौर । पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना भारत सरकार की योजना है। सरकार द्वारा सोलर रूफटॉप क्षमता की हिस्सेदारी बढ़ाने और देश में आवासीय परिवारों को एक करोड़ रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित करके अपनी बिजली उत्पन्न करने के लिये सशक्त बनाने के उद्देश्य से पी. एम. सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना प्रारंभ की गई है। उक्त योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश के 60 ट्रेनर आईटीआई में 61 प्रशिक्षार्णियों को प्रशिक्षित किया गया है। वर्तमान में 2917 कैंडिडेट्स द्वारा प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया गया है। शासकीय आईटीआई इन्दौर से 57 कैंडिडेट्स प्रशिक्षित हुए है।

११ खनिज बकायादारों से वसूली के लिये आरआरसी जारीं

ग्वालियर 7 जिले के 11 खनिज उत्खनन पट्टेधारियों से बकाया राशि वसूलने के लिये आरआरसी जारी की गई हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर यह आरआरसी जारी हुई हैं।

जिला खनिज अधिकारी प्रदीप भूरिया ने बताया कि सतीशचंद जैन से लगभग 31 लाख, धमेन्द्र गुर्जर से 10 लाख 36 हजार, जितेन्द्र शुक्ला से लगभग 8 लाख 87 हजार, भूरे सिंह यादव से 7 लाख 80 हजार, बंशीवाला स्टोन क्रेशर से लगभग 18 लाख 29 हजार, अरविंद सिंह गुर्जर से लगभग 9 लाख 66 हजार, सतेन्द्र सिंह से लगभग 13 लाख, मधु जैन से 44 लाख 34 हजार, शिमलाबाई से लगभग 22 लाख 40 हजार, राजेश स्टोन से लगभग 9 लाख 22 हजार एवं बीएस ग्रेनाइट से लगभग 14 लाख 21 हजार रूपए वसूलने के लिये अलग-अलग आरआरसी आदेश जारी किए गए हैं।

क्रेशर आधारित खनिज पट्टों की डेडरेंट राशि जमा न करना भारी पड़ा तीन खनिज पट्टेधारियों के उत्खनन पट्टे निरस्त

ग्वालियर । पत्थर क्रेशर आधारित खनिज पट्टे की डेडरेंट राशि ब्याज सहित जमा न करना तीन खनिज पट्टेधारियों को भारी पड़ा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने इनके उत्खनन पट्टे निरस्त कर दिए हैं। जिला खनिज अधिकारी प्रदीप भूरिया ने बताया कि डेडरेंट की राशि जमा न करने पर बालाजीपुरम गुड़ा गुड़ी का नाका निवासी धर्मेन्द्र सिंह गुर्जर को डबरा तहसील के ग्राम लदेरा में शासकीय भूमि पर दिया गया उत्खनन पट्टा निरस्त कर दिया गया है। इसी प्रकार शारदा विहार सिटी सेंटर निवासी अक्षत शर्मा को डबरा तहसील के ग्राम आरखी में दिया गया शासकीय भूमि का उत्खनन पट्टा एवं बड़ी मढैया केदारपुर निवासी सतेन्द्र सिंह गुर्जर को डबरा तहसील के ग्राम लदेरा में दिया गया पट्टा निरस्त किया गया है। समय पर डेडरेंट की राशि जमा न करने पर इन तीनों पट्टेधारियों को विधिवत कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे।

देश और धर्म के लिए गुरु गोबिंद सिंह ने दी शहादत-योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु गोबिंद सिंह की जयंती पर सोमवार को यहां उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वह बलिदान की अतुलनीय मिसाल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज शहीद पिता के पुत्र हैं और शहीद पुत्रों के पिता भी हैं। उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह के पिता गुरु तेग बहादुर जी महाराज ने देश व धर्म के लिए शहादत दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को डीएवी कॉलेज में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि २६-२७ दिसंबर को पूरे देश ने गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के चारों साहिबजादों (बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह) के साथ जुड़ते हुए उनकी स्मृतियों को नमन किया और मां गुजरी के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु तेग बहादुर सिंह ने अपना शीश दिया, लेकिन भारत के शीश 'कश्मीर' को बचाया जो आज भी भारत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह के दो छोटे साहिबजादे जोरावर सिंह-फतेह सिंह ने इस्लाम स्वीकार करने से इंकार कर दिया जिसके बाद उन्हें दीवारों में जिंदा चुनवा दिया गया। उन्होंने कहा कि चमकौर युद्ध में बड़े साहिबजादे बाबा अजीत सिंह और जुझार सिंह शहीद हो गए और इस दुख में मां गुजरी देवी का प्राणोत्सर्ग हुआ। उन्होंने कहा ''सब कुछ खोने के बाद भी गुरु गोबिंद सिंह ने कहा कि चार मुए तो क्या हुआ, जीवित कई हजार... यह मंत्र आज भी पूरे भारत के लिए नई प्रेरणा है। उनका कथन 'सवा लाख से एक लड़ाऊं तब गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं..' गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा का भाव है जो नई ऊर्जा का संचार और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख गुरुओं गुरु नानक देव, गुरु अर्जुन देव, गुरु तेगबहादुर, गुरु गोबिंद सिंह महाराज ने जो परंपरा डाली, वे परंपराएं और उनका गौरवशाली इतिहास आज भी प्रेरणा प्रदान कर रहा है।

(जांजगीर-चांपा) खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों को नये साल में मिली स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की सौगात

सद्गुरू लोकेशानंद महाराज के सान्निध्य में निकलेगी भव्य शोभायात्रा, हजारों हरि भक्त होंगे शामिल

इन्दौर । नारायण भक्तिपंथ एवं हरि भक्तों द्वारा देवी अहिल्या की नगरी इन्दौर में भगवान विष्णु की महायात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस महायात्रा में इन्दौर के हरि भक्तों के साथ-साथ शहादा, मुंबई, उदयपुर के भक्त भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे। भगवान शेषशायी श्रीनारायण की इस भव्य शोभायात्रा के लिए तैयारियां का दौर जारी है। रविवार को वायएन रोड़ स्थित राणी सती मंदिर में आयोजित बैठक में शोभायात्रा व दर्शन-पूजन की व्यवस्थाओं को लेकर विचार-विमर्श किया गया साथ सभी हरि भक्तों को जिम्मेदारियां भी सौंपी गई। बैठक के दौरान सद्गुरू श्री लोकेशानंद महाराज के सान्निध्य में हरि भक्तों ने पत्रिका का विमोचन किया एवं सभी सदस्यों को अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

नारायण भक्ति पंथ से जुड़े राजपालसिंह सिसौदिया, नीतिन अग्रवाल एवं महेंद्र अग्रवाल ने बताया कि गुरूवार ९ जनवरी को सुबह ९ बजे राजबाड़ा पर आम भक्त भगवान विष्णु की इस दिव्य एवं दुर्लभ मूर्ति का दर्शन-पूजन कर सकेंगे। दर्शन के पूर्व नावदापंथ के सिदौड़ा गांव से मूर्ति विशाल रथ के माध्यम से राजबाड़ा पहुंचेंगी। यहां विद्वान पंडितों के सान्निध्य में दर्शन-पूजन की व्यवस्था राजबाड़ा पर रहेगी। श्री नारायण भक्तिपंथ से जुड़े मणिकांत गुप्ता, मनीष शर्मा एवं संतोष गर्ग ने बताया कि ९ से ११ बजे दर्शन पूजन करने के पश्चात हरि भक्तों द्वारा राजबाड़ा से गांधी हाल तक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में हरि भक्त शामिल होंगे। गाजे-बाजे के साथ निकलने वाली यात्रा में अनेक सामाजिक संगठन शामिल होंगे। गांधी हाल से शोभायात्रा शहादा के लिए प्रस्थान करेगी। शोभायात्रा राऊ महू, मानपुर, ठीकरी, बस्काटक, जुलवानिया, गुजरी, सेंधवा, निवाली, पानसेमल, खेतिया आदि नगरों का नगर भ्रमण कर ११ जनवरी को शहादा नगर पहुंचेंगी। ११ जनवरी को शहादा में विशाल भक्ति महोत्सव मनाया जाएगा। जिसमें सत्संग, भजन, कीर्तन व महापूजा एवं भगवान की विशेष अर्चना संपन्न होगी। वहीं उत्तरायण महापर्व पर १४ जनवरी दोपहर १२ बजे भगवान विष्णु की शेषशायी मूर्ति को गर्भगृह में विराजित किया जाएगा वहीं १५ जनवरी को महाप्रसादी का आयोजन होगा।

इन्दौर से २२५ कि.मी. की यात्रा रहेगी

सद्गुरू लोकेशानंद महाराज ने बताया कि इन्दौर से शहादा की २२५ कि.मी. की इस यात्रा में अनेक सामाजिक संगठन शामिल होंगे। जिनमें अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज, श्री पारीक ब्राह्मण समाज, श्रीपालीवाल ब्राह्मण समाज ४४ श्रेणी, वेश्य समाज, क्षत्रीय समाज, मराठी समाज, जैन समाज, बोहरा समाज, सिक्ख समाज, सिंधी समाज, पालीवाल समाज, बजरंग मंडल, सीए एसोसिएशन, डॉक्टर्स ग्रुप, अधिवक्तागण रहेंगे। २२५ किलोमीटर की इस यात्रा के दौरान विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों द्वारा रथ यात्रा की अगवानी भी इस दौरान की जाएगी।

जिला मीडिया क्लब ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपा

अशोकनगर । जिला मीडिया क्लब अशोकनगर के सदस्यों ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की नृशंस हत्या के खिलाफ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, और गृह मंत्री अमित शाह को संबोधित ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन जिला कलेक्टर के माध्यम से दिया गया। ज्ञापन में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। उन्होंने कहा कि यह घटना न केवल पत्रकारिता पर हमला है, बल्कि समाज में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा करती है। जिला मीडिया क्लब के संरक्षक ओमप्रकाश रघुवंशी और सुनील तनेजा ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। ऐसे कृत्य इसे कमजोर करने की साजिश हैं।

जिला अध्यक्ष राजेंद्र नामदेव और महासचिव संजीव यादव ने कहा कि इस घटना ने पूरे पत्रकार जगत को झकझोर दिया है। ज्ञापन सौंपने वालों में उपाध्यक्ष राजकुमार प्रजापति, राजिद अहमद , चंद्रपाल बघेल, नीरज शर्मा , राजेंद्र रजक,कमलेश गुप्ता,सहित अन्य सदस्य शामिल थे। उन्होंने सरकार और प्रशासन से त्वरित कदम उठाने की मांग की है।

ज्ञापन में रखी गई प्रमुख मांगे-

इस हत्या की स्वतंत्र और निष्पक्ष एजेंसी से जांच करवाई जाए। दोषियों को शीघ्र कानूनी कार्यवाही कर सख्त सजा दी जाए। पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार कानून बनाए। मृतक पत्रकार के परिवार को आर्थिक सहायता और सुरक्षा प्रदान की जाए। ऐसे कृत्यों पर सख्त कार्रवाई हो, जो पत्रकारिता की स्वतंत्रता को बाधित करते हैं।

ऑटो मैकेनिक की ईंट से कूंचकर हत्या

कानपुर । जिले के बिधनू थानाक्षेत्र में रमईपुर स्थित चार्जिंग प्वाइंट की दुकान के अंदर सोमवार सुबह ३५ वर्षीय ऑटो मैकेनिक की ईंट से कूंचकर हत्या कर दी गई। सुबह चार्जिंग पर लगे ऑटो को लेने आये चालक ने चारपाई पर लहूलुहान शव पड़ा देखा तो संचालक को जानकारी दी। एडीसीपी साउथ महेश कुमार ने फोरेंसिक टीम संग घटनास्थल पहुंचकर पड़ताल की। घटनास्थल से शराब की बोतल, ग्लास, चिप्स और पानी का पाउच मिला है। जिससे माना जा रहा है कि हत्यारों ने वारदात से पहले शराब पी। जानकारी के मुताबिक जाजमऊ निवासी मोहम्मद फरीद अहमद का ३८ वर्षीय बेटा मोहम्मद शादाब उरियारा स्थित न्यू औतार मोटर्स में मैकेनिक का काम करता था। वह देर रात होने पर अक्सर रमईपुर स्थित आवास विकास निवासी रविशंकर गुप्ता की निर्माणाधीन मार्केट में संचालित चार्जिंग प्वाइंट में रुक जाता था। रविवार रात को भी वह चार्जिंग प्वाइंट की दुकान में चारपाई पर सो रहा था। सोमवार सुबह कुल्हौली निवासी चालक विजय चार्जिंग में लगे ऑटो को लेने दुकान का शटर उठाकर अंदर पहुंचा तो देखा कि शादाब का लहूलुहान शव चारपाई पर पड़ा मिला। जिस पर उसने दुकान मालिक रविशंकर और पुलिस को घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी पर एडीसीपी साउथ महेश कुमार फोरेंसिक टीम व खोजी स्वान संग मौके पर पहुंचे और साक्ष्य एकत्र किए। फोरेंसिक जांच में सामने आया कि मैकेनिक का हत्यारों से काफी संघर्ष हुआ। जिसमे उसका सिर दुकान की दीवारों में पटका गया। इसके बाद उसे चारपाई पर गिराकर ईंट या भारी वस्तु से सिर पर कई वार करके हत्या कर दी गई।

केन्द्रीय जेल की प्रस्तावित पुनर्घनत्वीकरण योजना का कलेक्टर ने देखा प्रजेंटेशन शासन के प्रावधानों के अनुसार प्रस्ताव तैयार करने के दिए निर्देश

ग्वालियर 7 ग्वालियर की केन्द्रीय जेल को शहर से बाहर स्थानांतरित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। हाउसिंग बोर्ड (मध्यप्रदेश आवास एवं अधोसंरचना विकास बोर्ड) द्वारा केन्द्रीय जेल को साडा क्षेत्र में स्थानांतरित करने एवं केन्द्रीय जेल के वर्तमान स्थल के पुनर्घनत्वीकरण (रीडेंसी फिकेशन) के लिए परियोजना का प्रारंभिक प्रस्ताव तैयार किया है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने हाउसिंग बोर्ड द्वारा तैयार केन्द्रीय जेल ग्वालियर के पुनर्घनत्वीकरण प्रस्ताव का प्रजेंटेशन देखा। साथ ही इसमें आवश्यक सुधार करने के निर्देश हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों को दिए।

सोमवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि राज्य शासन के प्रावधानों के तहत पुनर्घनत्वीकरण परियोजना के प्रस्ताव तैयार करें। प्रस्ताव में केन्द्रीय जेल के हितों का ध्यान रखा जाए। साथ ही साडा क्षेत्र में केन्द्रीय जेल के निर्माण के लिए प्रस्तावित स्थल के बारे में पहले ही भलीभाँति जाँच-पड़ताल कर यह सुनिश्चित कर लें कि इस स्थल पर किसी विभाग की आपत्ति तो नहीं है। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार व श्री कुमार सत्यम, संयुक्त कलेक्टर श्री संजीव जैन, एसडीएम श्री अतुल सिंह व कार्यपालन यंत्री हाउसिंग बोर्ड श्रीमती नीरू राजपूत तथा साडा सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

कार्यपालन यंत्री हाउसिंग बोर्ड श्रीमती राजपूत ने बैठक में जानकारी दी कि पुनर्घनत्वीकरण योजना के तहत साडा क्षेत्र में पाँच हजार कैदियों की क्षमता वाले केन्द्रीय जेल भवन का निर्माण प्रस्तावित किया गया है, जिसमें कैदियों के लिये ७ प्रकार की औद्योगिक गतिविधियों के ट्रेनिंग सेंटर, ५०० सीटर ऑडिटोरियम व ३०० लोगों की क्षमता वाला कॉन्फ्रेंस हॉल, १०० बैडेड अस्पताल भवन, चिकित्सा उपकरण, ५०० आर्म्स क्षमता का स्टोर रूम, दो गोदाम, दो प्ले ग्राउण्ड, एक परेड ग्राउण्ड, अधिकारियों के लिए दो डी टाइप, चार ई टाइप व ६ एफ टाइप, २१ जी टाइप, २५७ एच टाइप व ११ आई टाइप क्वार्टर्स प्रस्तावित किए गए हैं। इसके अलावा प्रवेश द्वार, अधीक्षक कार्यालय, लैंड स्केपिंग, बाउण्ड्री वॉल, पुरुष व महिला गार्ड रूम तथा सोलर पैनल व आकस्मिक जनरेटर का प्रावधान किया गया है।

ज्ञात हो ग्वालियर की केन्द्रीय जेल के वर्तमान भवन का निर्माण लगभग १४५ वर्ष पहले सन् १८७९ में हुआ था। जिसकी क्षमता ढाई हजार कैदियों की है। साडा क्षेत्र में नई केन्द्रीय जेल का निर्माण लगभग २० हैक्टेयर क्षेत्र में प्रस्तावित किया गया है। वर्तमान केन्द्रीय जेल परिसर में आवासीय व व्यवसायिक निर्माण प्रस्तावित किए गए हैं।

हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनेगा भारतीय गरिमा का शीर्ष उत्सव गणतंत्र दिवस

ग्वालियर 7 भारतीय गरिमा के शीर्ष उत्सव गणतंत्र दिवस की ७५वी वर्षगाँठ सम्पूर्ण देश के साथ ग्वालियर जिले में भी परंपरागत ढ़ंग से उत्साह, उमंग, हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाई जायेगी। गणतंत्र दिवस २६ जनवरी को मुख्य समारोह कम्पू स्थित एस ए एफ ग्राउण्ड पर आयोजित होगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह की मौजूदगी में आयोजित हुई बैठक में मुख्य समारोह की तैयारियों की समीक्षा की। साथ ही विभिन्न अधिकारियों को तमाम व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने कहा गणतंत्र दिवस समारोह के सभी कार्यक्रम गरिमापूर्ण और आकर्षक हों। साथ ही नए कार्यक्रम भी शामिल किए जाएँ।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने निर्देश दिए कि मुख्य समारोह में निकलने वाली सभी विभागों की झाँकियाँ जीवंत व आकर्षक हों। साथ ही सरकार की उच्च प्राथमिकता वाली योजनाओं व कार्यक्रमों को झाँकियों की थीम बनाएँ। उन्होंने अगली टीएल मीटिंग में झाँकियों की थीम प्रस्तुत करने के लिये विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा कि २६ जनवरी को मुख्य समारोह में निकलने वाली सभी झाँकियां कार्यक्रम के बाद महाराज बाड़ा अथवा ऐसे स्थान पर दिन भर प्रदर्शन के लिये खड़ी करवाएं जहाँ पर अधिक से अधिक नागरिक इन झांकियों को देख सकें।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों का चयन सावधानी पूर्वक करें और इस बात का ध्यान रखें कि कार्यक्रम राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत व भारतीय संस्कृति पर केन्द्रित हो। उन्होने निर्देश दिये कि सभी तैयारियां गणतंत्र दिवस की गरिमा को ध्यान में रखकर पूर्ण की जायें।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने कहा कि गणतंत्र दिवस पर निकलने वाली संयुक्त परेड में सुरक्षा बलों के जवानों के साथ स्काउट-गाइड, एन सी सी व शौर्या दल आदि भी कदम ताल मिला सकें इसके लिये इनको भी परेड का नियमित अभ्यास कराया जायेगा। संयुक्त परेड का अभ्यास १० जनवरी से शुरू होगा। उन्होंने कहा गणतंत्र दिवस के सभी आयोजन गरिमामय व सुव्यवस्थित ढंग से संचालित हो सकें, इसके लिए समारोह स्थल पर पर्याप्त बैरीकेटिंग की जाए।

सोमवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विवेक कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार, श्री कुमार सत्यम व श्री टी एन सिंह व संयुक्त कलेक्टर श्री संजीव जैन सहित जिले के सभी एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि संयुक्त परेड की सलामी लेंगे और प्रदेश की जनता के नाम मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन करेंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा कारगिल शहीदो के परिजनों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मानित किया जायेगा। स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विभागीय झांकिया समारोह का मुख्य आकर्षण होगी।

उत्कृष्ट अधिकारी-कर्मचारियों का होगा सम्मान, १८ जनवरी तक नाम मांगे

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि गणतंत्र दिवस पर सम्मानित कराने के लिये ऐसे अधिकारियों व कर्मचारियों के नाम भी भेजे जाएं, जिन्होंने उत्कृष्ट कार्य किया है। सभी विभागों के कार्यालय प्रमुख १८ जनवरी तक अपने अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों के नाम विस्तृत विवरण के साथ कलेक्ट्रेट में उपलब्ध करा दें।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत हुआ मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

ग्वालियर । फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-२०२५ के अंतर्गत ग्वालियर जिले में भी ०६ जनवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशानुसार मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक लेकर मतदाता सूची के प्रकाशन की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। साथ ही राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत अंतिम रूप से प्रकाशित मतदाता सूची की सॉफ्ट कॉपी एवं हार्ड कॉपी सौंपी। निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद जिले के कुल मतदाताओं में ८ हजार ७८८ मतदाताओं का इजाफा हुआ है।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-२०२५ के तहत जिले के सभी १६७९ मतदान केंद्रों पर बीएलओ द्वारा मतदाता सूची का वाचन भी किया गया। संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन कराया गया।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजीव जैन ने बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी दी कि संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के अनुसार जिले में कुल मतदाताओं की संख्या १६ लाख ४४ हजार ११४ हो गई है। जो प्रारूप के प्रकाशन के समय १६ लाख ३५ हजार ३२६ थी। इस प्रकार मतदाताओं की संख्या में कुल ८ हजार ७८८ का इजाफा हुआ है। जिले में १८ से १९ वर्ष आयु वर्ग के ६ हजार २०६ नए मतदाता जुड़े हैं। इसी तरह महिला मतदाताओं की संख्या में भी ५ हजार १२९ की बढ़ोत्तरी हुई है। अस्सी वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मतदाताओं की संख्या ६४५ घट गई है। वहीं दिव्यांग मतदाताओं की संख्या में १०१ का इजाफा हुआ है। जेंडर रेशियो व ईपी रेशियो में भी सुधार हुआ है।

बैंकिंग सेक्टर में भी इस तरह बन सकते हैं लीडर

जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं –

त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए-पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई-न-कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।

फोटोग्राफी की इन शाखाओं में बना सकते हैं शानदार करियर

फोटोग्राफी अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। इस बात को ऐसे भी समझा जा सकता है कि किसी बात को कहने में जहां हजार शब्दों की जरूरत पड़ सकती है, वहीं एक फोटो हजार शब्दों को बयां कर देता है। फोटोग्राफी में करियर बनाने के लिए इस फील्ड में अनुभव के साथ इसका शौक होना भी बहुत जरूरी है। यह क्षेत्र न सिर्फ अच्छा पैसा देता है, बल्कि ग्लैमर से भी जुड़ा हुआ है।

क्या आपमें है धैर्य?

इस क्षेत्र में सफल होने के लिए एक मूलमंत्र है धैर्य। अच्छे क्लिक के लिए धैर्य की बहुत जरूरत होती है। फिर चाहे आप किसी भी माहौल में काम कर रहे हों। तनावपूर्ण माहौल हो या भीड़ भरे इलाके, फोटोग्राफर को अच्छा परिणाम देने में सक्षम होना पड़ता है। फोटोग्राफर और सिनेमेटोग्राफर के लिए अपनी आंखों का सही इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। उसके लिए उसका कैमरा ही उसकी आंखें है। इसके अलावा, फ्रीलांस फोटोग्राफर या व्यवसायिक फोटोग्राफरों के पास तकनीकी कौशल के साथ व्यापारिक समझ भी होनी चाहिए। तकनीकी पहलू लाइटिंग, लैंस, रिफ्लेक्टर, फिल्टर और सेटिंग्स जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके ही फोटोग्राफर किसी पिक्चर को कैप्चर करते हैं। इसी के साथ अच्छी फोटो खींचने के लिए कई चीजों के समायोजन की जरूरत होती है, जैसे कैमरे की क्वॉलिटी, सब्जेक्ट, लाइटिंग, फोटोग्राफर का कौशल आदि। डिजिटल कैमरों में इलेक्ट्रॉनिक मेमरी का इस्तेमाल किया जाता है। इन तकनीकों की जानकारी होना आज के समय में जरूरी है।

फोटोग्राफी की शाखाएं

फोटोग्राफी की कुछ खास शाखाएं हैं, जिनमें आप अपना करियर बना सकते हैं। ये इस प्रकार हैं –

विज्ञापन/ फैशन – विज्ञापनों और विज्ञापन एजेंसियों के कार्य के लिए कुशल फोटोग्राफरों की जरूरत होती है। फैशन फोटोग्राफी काफी हद तक एडवर्टाइजिंग फोटोग्राफी के समान ही होती है लेकिन इसमें तकनीक से ज्यादा परिधानों को उजागर करने की क्षमता जरूरी होती है।

कला/ फिल्म – आजकल किसी भी फिल्म की मेकिंग से लेकर उसके प्रदर्शन तक सारी गतिविधियां कैमरे में कैद की जाती हैं। इसके लिए हाई क्वॉलिटी और हाई रिजॉल्यूशन फोटोग्राफी का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाता है।

साइंस/ मेडिकल/ तकनीक – इन क्षेत्रों में कार्यरत फोटोग्राफर कला से ज्यादा महत्व वस्तुपरक दृष्टिकोण को देते हैं, जिससे तथ्य को समझने में आसानी हो सके। फॉरेन्सिक लैब हो या वारदात का स्थान, सभी जगह कई एंगलों से फोटो खींचने होते हैं।

फोटो जर्नलिज्म – अगर आप फोटो जर्नलिस्ट हैं, तो तुरंत घटनास्थल तक पहुंचने के साथ ही सबसे पहले प्रेस या स्टूडियो तक जानकारी पहुंचाने की जिम्मेदारी आपको ही निभानी होती है। फोटो जर्नलिज्म में फोटो की श्रृंखलाओं के माध्यम से किसी विषय या घटना के बारे में स्टोरी फाइल की जाती है। आज के डिजिटल दौर में विश्व की प्रमुख घटनाओं को फोटो के माध्यम से कवर करने का रुझान तेजी से बढ़ा है।

कैसे करें शुरूआत?

बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद इस फील्ड में प्रवेश लिया जा सकता है। इस कोर्स को सरकारी या निजी स्तर पर कई संस्थान कराते हैं। कोर्स करने से पहले बेसिक फोटोग्राफी का ज्ञान हासिल कर लेना अच्छा रहता है। बेहतर होगा कि एक डिजिटल कैमरा लेकर इसकी शुरूआत कर दी जाए। जब आपको लगे कि आप इस कोर्स के लिए पूरी तरह तैयार हैं, तो फिर डिजिटल एसएलआर खरीदकर प्रोफेशनली इससे जुड़ जाएं।

प्रशिक्षण भी अहम

फोटोग्राफी के प्रशिक्षण के लिए किसी अच्छे संस्थान से फाइन आर्ट्स या मास कम्युनिकेशन कोर्स करके अच्छा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। वहीं मोशन फोटोग्राफी का प्रशिक्षण फिल्म एवं टेलीविजन संस्थानों द्वारा दिया जाता है। सबसे पहले किसी अच्छे संस्थान में प्रवेश लेना जरूरी है। इनमें फोटोग्राफी कला का अध्ययन कराया जाता है। इससे आपको मूलभूत जानकारी प्राप्त हो सकेगी। जब आपको लगे कि आप पर्याप्त सक्षम हो गए हैं, तो किसी एक्सपर्ट फोटोग्राफर के साथ काम कर बारीक चीजों को भी सीख सकते हैं। फिर उच्च शिक्षण संस्थान की ओर रुख कर सकते हैं। यदि यह तरीका न भाए, तो दूसरे तरीके से फाइन आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स, मास कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म जैसे कोर्स में प्रवेश लें। इसमें आपको फोटोग्राफी मुख्य कोर्स के तौर पर पढ़ाई जाएगी। ध्यान रहे, प्रशिक्षण आपको तकनीकी पहलुओं की जानकारी दे सकता है लेकिन नए विचार और व्यक्तिगत स्टाइल तो स्वयं ही विकसित करनी होती है। व्यवहारिक ज्ञान यहां सबसे जरूरी होता है।

इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यही देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।

कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी-बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम,कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे-धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौंपें।

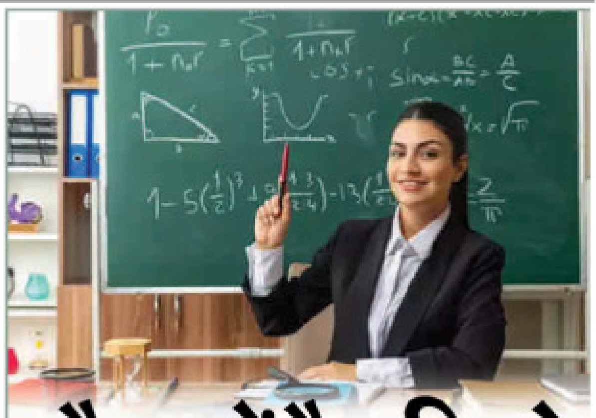

मैथ्स में है रूचि तो इन क्षेत्रों में बना सकते हैं करियर

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं।

भारत में 135 से भी अधिक विश्वविद्यालय गणित से जुड़े कोर्स चलाते हैं। कुछ विश्वविद्यालय शुद्ध गणित (प्योर मैथमेटिक्स) व अनुप्रयुक्त गणित (अप्लायड मैथमेटिक्स) में विशेषज्ञता प्रदान करते हैं। आप कुछ स्थानों पर चलाए जाने वाले एकीकृत एमएससी पीएचडी डिग्री कोर्स के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। यूं देश में स्नातक स्तर पर गणित की शिक्षा देने वाले दो विश्व स्तरीय संस्थान हैं भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), बेंगलुरू तथा चेन्नाई गणित संस्थान (सीएमआई), चेन्नाई। आईएसआई से गणित व कम्प्यूटर विज्ञान में बी. मैथ्स डिग्री तथा सीएमआई से गणित की बीएससी डिग्री की जा सकती है। इनमें प्रवेश प्रत्येक वर्ष मई के अंत में देश के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित की जाने वाली एक लिखित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। ये दोनों संस्थान ऐसे विद्यार्थियों को भी अपने यहां प्रवेश देते हैं, जो इंडियन नेशनल मैथमेटिकल ओलिंपियाड (आईएनएमओ) में पास होते हैं या किशोर वैज्ञानिक प्रोत्साहन योजना (केवीपीवाई) अध्येता होते हैं। गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है –

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्वविलय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं –
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्वविलय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

विषय एक संभावनाएं अनेक

गणित तथा इससे जुड़े प्रमुख करियर इस प्रकार हैं

गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षण

गणित के शिक्षकों की मांग कल भी थी, आज भी है और भविष्य में भी रहेगी। गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की न केवल भारत में बल्कि विश्व भर में धूम मची हुई है। वैश्विक आईटी इंडस्ट्री भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को रोजगार देने के लिए बाहें फैलाए खड़ी है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के चलते बैंक तेजी से अपनी शाखाएं बढ़ा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के चलते अकाउंट्स तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब लोकप्रियता अर्जित की है। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक अत्यधिक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम्स एनालिस्ट के लिए सॉफ्टवेयर, अनुसंधान, शिक्षा, सिक्यूरिटी, बैंकिंग, अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर विज्ञान, भौतिकी, तकनीकी शाखाओं आदि में रोजगार के ढेरों अवसर हैं। अधिकांश सिस्टम्स एनालिस्ट लागत-लाभ व निवेश पर मुनाफा का विश्लेषण तैयार करने के लिए विशिष्ट प्रकार की कम्प्यूटर प्रणालियों पर कार्य करते हैं और मैनेजरों को यह निर्णय लेने में सहायता करते हैं कि या प्रस्तावित टेक्नोलॉजी वित्तीय दृष्टि से कारगर होगी या नहीं।

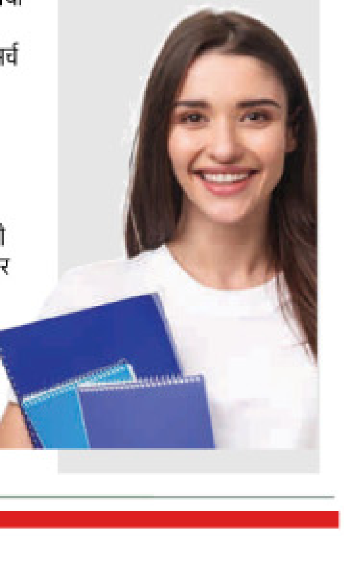

संक्षिप्त समाचार

सिराज 100 टेस्ट विकेट लेने 23वे भारतीय गेंदबाज बने

सिडनी । भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने बॉर्डर गावस्कर सीरीज में एक अहम उपलब्धि अपने नाम किया है। सीरीज ने इस सीरीज में कुल 20 विकेट लेने के साथ ही अपने 100 टेस्ट विकेट पूरे किये। अब वह 100 विकेट लेने वाले खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हो गये हैं। सिराज ने अंतिम टेस्ट में उस्मान ख्वाजा का विकेट लेने के साथ ही अपने 100वां विकेट पूरे किये। वह 100 टेस्ट विकेट लेने वाले भारत के 23वें खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले भारत से आर अश्विन, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा ने भी 100 केट लिए थे। इस सीरीज में सिराज ने प्रसिद्ध कृष्णा के साथ मिलकर गेंदबाजी की। सिराज ने पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का समापन 31.15 की औसत और 3.96 की इकॉनमी के साथ 20 विकेट लेकर किया। वह दोनों टीमों में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। सिराज ने अब तक कुल मिलाकर 36 टेस्ट और 67 पारियों में 30.74 की औसत और 3.47 की इकॉनमी से 100 टेस्ट विकेट लिए हैं।

दक्षिण अफ्रीक गेंदबाज पर भड़के बाबर आजम

केपटाउन । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में गेंदबाज पर भड़क गये। यह मामला पाक की दूसरी पारी के 32वें ओवर का है। तब गेंदबाज वियान मुल्डर की गेंद पर बाबर ने सामने की ओर शॉट खेला जिसे दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज ने रोकने के बाद तेजी से गेंद विकेट पर फेंकी जो बाबर आजम के पैर पर जाकर टकरायी। जिसपर बाबर ने नाराजगी जतायी। इसके बाद वियान ने भी उन्हें उसी अंदाज में जवाब दे दिया। इसपर बाबर भड़क गए। इसके बाद अंपायर और एडन मारक्रम ने हस्तक्षेप पर मामला संभाला। इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीकी की शानदार बल्लेबाजी करते हुए 615 रनों का विशाल स्कोर बनाया। इसके बाद पाक बल्लेबाजी मेजबान गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और पूरी टीम 194 रनों पर ही आउट हो गयी। इसके बाद उसे फालोआन खेलने पर मजबूर होना पड़ा। इसके बाद दूसरी पारी में पाक ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 1 विकेट के नुकसान पर 213 रन बना लिए थे।

हरभजन ने बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा, वह नहीं होते तो भारतीय टीम ५-० से हारती

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन पर निराश जतायी है। हरभजन ने हालांकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर सराहना की है। हरभजन के अनुसार अगर बुमराह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में नहीं होते तो भारतीय टीम 5-0 से सीरीज हारती। केवल बुमराह ही एकमात्र ऐसे भारतीय थे जो मेजबान टीम को परेशान किये हुए थे। बुमराह ने अपने प्रदर्शन से इस सीरीज में कई उपलब्धियों को भी हासिल किया।

पर्थ में सीरीज के पहले मैच में भारत की रिकॉर्ड-तोड़ 295 रन की जीत में उनकी गेंदबाजी की अहम भूमिका थी। बुमराह ने इसके बाद के मैचों में भी कसी हुई गेंदबाजी कर मेजबानों को परेशान करना जारी रखा। वह सीरीज के अंत में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में सामने आये। इस कारण उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब दिया गया। भारत की सीरीज हार के बावजूद बुमराह के प्रदर्शन की सभी ने सराहना की। हरभजन ने बुमराह की प्रशंसा की करते हुए कहा कि उन्हें भारतीय टीक को करारी हार से बचाया। अगर वह सीरीज में नहीं होते तो भारत 5-0 या 4-0 से हार जाता। उन्होंने पांच मैचों की सीरीज में 32 विकेट लिए जिससे वह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर टेस्ट सीरीज में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। बुमराह ने 12.64 के असाधारण औसत से यह उपलब्धि हासिल की जिसमें तीन बार पांच विकेट भी उनके नाम रहे।

ऋषि धवन ने सीमित ओवरों के क्रिकेट को अलविदा कहा

मुम्बई । पिछले काफी समय में भारतीय टीम में वापसी करने में असफल रहने पर क्रिकेटर ऋषि धवन ने सीमित ओवरों के प्रारूप को अलविदा कह दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपने संन्यास की जानकारी दी। रविवार शाम को विजय हजारे ट्राफी में आंध्र प्रदेश के खिलाफ अंतिम लीग मैच खेलने के बाद धवन ने सोशल मीडिया पर संन्यास की घोषणा की। हिमाचल प्रदेश टीम के कप्तान ऋषि ने अपने संदेश में लिखा है कि साधारण शुरुआत से लेकर सबसे बड़े मंचों पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने तक, यह मेरे लिए बहुत बड़ा सौभाग्य रहा है।

ऋषि करीब एक दशक से टीम से बाहर हैं1 उन्होंने अपना अंतिम एकदिवसीय और टी20 मैच साल 2016 में ही खेला था। ऋषि इस दौरान आईपीएल खेलते रहे थे। वह 10 साल तक पंजाब किंग्स में शामिल रहे हैं।

ऋषि ने संन्यास की घोषणा करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, ''मैं सीमित ओवरो के भारतीय क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं जिसका मुझे दुख नहीं है। यह एक ऐसा खेल है जिसने पिछले दो दशक से मुझे सभी कुछ दिया है। इस खेल से जुड़ी काफी यादे और खुशनुमा पल हैं जो मुझे हमेशा याद रहेंगे।''

साथ ही कहा कि मैं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई), हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए), पंजाब किंग्स, मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा मुझे दिए गए अवसरों के प्रति आभार व्यक्तकरना चाहता हूं। सबसे बड़े मंचों पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है।

नई शिक्षा नीति के माध्यम से स्पोर्टस टीचर्स भी बन सकेंगे वाइस चांसलर

भोपाल/इन्दौर । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खेल गतिविधियां जीवन में सकारात्मकता और ऊर्जा का संचार करती हैं। भारतीय संस्कृति में खेलों की समृद्ध और उत्कृष्ट परम्परा रही है। नई शिक्षा नीति के माध्यम से खेल के आधार पर डिग्री प्राप्त करने और स्पोर्टस टीचर को असिस्टेंट प्रोफेसर से लेकर वाइस चांसलर तक बनने की व्यवस्था स्थापित की गई है। खेल, व्यक्तिकी दक्षता, क्षमता और योग्यता के प्रकटीकरण के प्रभावी माध्यम हैं। राज्य शासन प्रत्येक स्तर पर खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में सभी खेलों को प्रोत्साहित कर प्रतिभाओं को निखारने के लिए आवश्यक व्यवस्था स्थापित की है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में इसके परिणाम भी दिखाई दे रहे हैं। भोपाल में बेहतर क्रिकेट स्टेडियम विकसित करने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव भोपाल के खेल पत्रकार संघ द्वारा आयोजित 30 वें इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट-2025 के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ओल्ड केम्पियन ग्राउंड पर बल्लेबाजी कर टूर्नामेंट की शुरूआत की। इस अवसर पर खेल मंत्री विश्वास सारंग, पूर्व विधायक ध्रुव नारायण सिंह, खेल पत्रकार संघ के संरक्षण मृगेंद्र सिंह सहित संघ के पदाधिकारी, मीडिया कर्मी एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।

विराट खेल में रोमांच लाते हैं -कमिंस

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि विराट कोहली एक शानदार खिलाड़ी हैं जो खेल को रोमांचक बनाते हैं। वहीं अगर ये उनका उनका अंतिम दौरा था तो ये मेरे लिए निराशाजनक है। इस सीरीज में विराट बल्लेबाजी में असफल रहे और पांच टेस्ट में आठ बार आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद पर आउट हुए। सीरीज में उनकी उपलब्धि की बात करें तो उनके नाम एक शतक रहा।

इसी के बाद से ही टीम में उनके रहने को लेकर सवाल उठने लगे थे। कमिंस ने पांचवां टेस्ट छह विकेट से जीतने के बाद कहा, ' बॉर्डर गावस्कर सीरीज में हमेशा ही एक शानदार मुकाबला रहता है। रनों के अलावा वह खेल में रोमांच लेकर आता है जो कई बार अच्छा होता है और कई बार विरोधी को भड़का भी देता है जो उसकी रणनीति रहती है। उसके साथ खेलने का अलग ही आनंद है। वह पिछले एक दशक से स्टार बल्लेबाज रहा है। अगर आप उसका विकेट लेते हैं तो जीतने में काफी सहायता मिलती है। अगर यह उसकी आखिरी सीरीज साबित होती है तो यह दुखद है।

कमिंस ने मान है कि सीरीज के अंतिम दिन जसप्रीत बुमराह के बाहर रहने से उन्हें लाभ हुआ। उन्होंने कहा, 'हर बार जब भी उसने गेंदबाजी की, अपना प्रभाव छोड़कर महत्वपूर्ण विकेट लिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि उसके नहीं खेलने से हमें फायदा मिला। उन्होंने रोहित शर्मा के खराब फॉर्म के नाम पर अंतिम टेस्ट से बाहर रहने पर भी सवाल उठाया।

गौतम गंभीर का सीनियर खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलने का आग्रह

सिडनी । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम के खराब प्रदर्शन को सीनियर खिलाड़ियों से भी घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा है। गंभीर ने कहा कि अगर आप घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते तो बेहतर टेस्ट खिलाड़ी भी नहीं बन सकते। इससे पहले भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भी कहा था कि सभी खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिये और जो खिलाड़ी ऐसा नहीं करते उन्हें टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिये। वहीं मुख्य कोच गौतम गंभीर ने खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली के टीम में रहने को लेकर कहा कि इस बारे में ये दोनो स्वयं ही तय करेंगे। इनमें अब भी शीर्ष स्तर के प्रदर्शन की ललक है। साथ ही कहा कि सभी सीनियर खिलाड़ियों से घरेलू क्रिकेट खेलकर टेस्ट क्रिकेट के लिए अपनी प्रतिबद्धता साबित करनी चाहिये। गंभीर ने ये नहीं बताया कि रोहित और कोहली भविष्य में टेस्ट टीम का हिस्सा होंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि अगली टेस्ट सीरीज होने में अभी छह माह का समय है।

गंभीर ने कहा, अभी इस पर बात करने का समय नहीं है कि छह महीने बाद हम कहां होंगे। खेल में बहुत कुछ बदलता है। फॉर्म के साथ ही लोग भी बदल जाते हैं। उन्होंने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में होने वाली सीरीज के समय देखेंगे कि क्या होता है। लेकिन जो भी होगा, वह भारतीय क्रिकेट के हित में होगा। कप्तान रोहित शर्मा अपने खराब फॉर्म के कारण अंतिम टेस्ट में नहीं उतरे थे। इस सीरीज में वह पांच पारियों में केवल ३१ रन बना पाये थे, वहीं विराट ने नौ पारियों में १९० रन बनाए थे। कोहली आठ बार स्लिप में कैच होकर आउट हुए थे।

गंभीर ने यह भी कहा कि वह चाहते हैं कि सीनियर खिलाड़ी २३ जनवरी से शुरूहो रहे रणजी ट्रॉफी में कम से कम एक दौर खेलें। उन्होंने कहा, मैं हमेशा चाहता हूं कि सभी घरेलू क्रिकेट खेलें।

अब छह माह बाद जून में ही टेस्ट सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम का ऑस्ट्रेलिया दौरा समाप्त हो गया है। अपने दो माह के इस दौरे में भारतीय टीम को अंत में ३-१ से सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही पिछले एक दशक से उसके पास रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी हाथ से निकल गयी है। इस सीरीज में दोनो ही टीमें बड़े स्कोर नहीं बना पायीं। भारतीय टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह से संघर्ष करती दिखी। अब भारतीय टीम करीब छह महीने के बाद जून में टेस्ट खेलेगी और उसका लक्ष्य इस ऑस्ट्रेलिया दौरे की गलतियों को सुधारना रहेगा।

भारतीय क्रिकेट टीम अब जून में टेस्ट सीरीज खेलने उतरेगी। ये टेस्ट सीरीज इंग्लैंड में होगी। टीम इंडिया इंग्लैंड के दौरे में ५ मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट मैच २० जून से हेडिंग्ले में खेला जाएगा जबकि दूसरा टेस्ट २ जुलाई से बर्मिंघम में। वहीं तीसरा टेस्ट १० जुलाई से लॉर्डस में ओर चौथा २३ जुलाई से मैनचेस्टर में होगा। पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच ३१ जुलाई से द ओवल में खेला जाएगा। सीरीज के पांचों टेस्ट मैच भारतीय समय के मुताबिक दोपहर ३ऱ३० बजे से खेले जाएंगे।

भारतीय टीम इसी महीने जनवारी में इंग्लैंड की मेजबानी करेगी, इस सीरीज में टेस्ट मैच नहीं खेले जाएंगे। भारतीय टीम इस घरेलू सीरीज में ३ एकदिवसीय और ५ टी२० मैच खेलेगी।

इस सीरीज की शुरुआत २२ जनवरी से होगी. दोनों टीमें पहले टी२० में कोलकाता में आमना-सामना करेंगी जबकि सीरीज का दूसरा टी२० मैच २५ को चेन्नई में वहीं तीसरा टी२० मैच २८ को राजकोट में खेला जाएगा। चौथा टी२० मैच ३१ जनवरी को पुणे में जबकि पांचवां और आखिरी टी२० दो फरवरी को मुंबई में खेला जाएगा।टी२० सीरीज के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड से ३ मैचों की एकदिवसीय सीरीज में भी मुकाबला करेगी।

वनडे सीरीज की शुरुआत ६ फरवरी से नागपुर में होगी जबकि दूसरा एकदिवसीय ९ फरवरी को कटक में जबकि तीसरा और आखिरी एकदिवसीय १२ फरवरी को अहमदाबाद में खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम फरवरी में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए यूएई जाएगी।

विराट की जगह किसी युवा को शामिल करें: इरफान

सिडनी । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने टीम के प्रदर्शन पर निराशा जताते हुए कहा है कि अब टीम में सुपरस्टार संस्कृति समाप्त करनी चाहिये। पठान ने कहा कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपने हाल के खराब प्रदर्शन को देखते हुए टीम में रहने अधिकारी नहीं है। उनकी टीम में जगह इसलिए भी नहीं बनती क्यों लगातार असफल होने के बाद भी अपनी तकनीकी कमियों को ठीक करने के लिए उन्होंने घरेलू क्रिकेट नहीं खेला। विराट नौ पारियों में एक शतक के साथ ही १९० रन ही बना सके और बार बार आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंद को खेलकर आउट हुए। ऐसे में उनकी जगह किसी युवा को शामिल किया जाना चाहिये। पठान ने कहा, 'सुपरस्टार कल्चर की जगह पर टीम कल्चर की जरूरत है।

विराट को देनी चाहिये थी ये सलाहः योगराज

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया दौरे में खराब फार्म के कारण असफल रहे विराट कोहली को किसी कोचिंग की जरूरत नहीं है पर प्रबंधन में से किसी को उन्हें ये बताना चाहिये था कि इस प्रकार के शॉट मत खेले। विराट इस सीरीज के पांच टेस्ट मैचों में कोहली केवल १९० रन ही बना पाए और ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर उन्होंने आठ बार अपना विकेट गंवाया।

ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज ने कहा कि अगर कोई खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा है, तो उसे पारंपरिक तरीके की कोचिंग की आवश्यकता नहीं हातीं पर बीच-बीच में अपने खेल को निखारने के लिए प्रबंधन की जरूरत जरूरत होती है। योगराज ने कहा, जब आप भारत के लिए खेल रहे होते हैं तो कोच की भूमिका अहम होती है। कभी-कभी, एक खिलाड़ी का दिमाग बाधित हो जाता है; वे रन नहीं बना पाते हैं, या वे बार-बार आउट हो जाते हैं। ऐसे में उन्हें सलाह ही जरूरत होती है।

उन्होंने कहा, ऐसे खिलाड़ियों को किसी ऐसे व्यक्ति की आवश्यकता होती है जो उनका मार्गदर्शन करे, जो कहे, चलो नेट्स पर चलते हैं और इस पर काम करते हैं। विराट अपने पसंदीदा पुश शॉट से ऑस्ट्रेलिया में कई बार आउट हुए। वह शॉट भारतीय पिचों, इंग्लैंड और अन्य जगहों पर प्रभावी रहा है पर कुछ पिचों पर जहां गेंद उछलती है वहां ये नुकसानदेह साबित हो सकता है। तब उन्हें बताना पड़ता है कि बस सीधा खेलो या इस गेंद को छोड़ दो। यह कोचिंग और प्रबंधन के बीच अंतर को दिखात है। किसी खिलाड़ी की तकनीकी गलती को पहचानना और उसे बताना ही कोचिंग है।

गंभीर के कोच बनने के बाद भारतीय टीम को लगे ये चार झटके

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑस्ट्रेलिया में किये खराब प्रदर्शन से प्रशंसक ठगा हुआ सा महसूस कर रहे हैं। वे समझ नहीं जा रहे हैं कि टी२० विश्व विजेता रही टीम इतना खराब प्रदर्शन कैसे कर सकती है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मजबूत मानी जाने वाली भारतीय बल्लेबाज पूरी तरह नाकाम रही। प्रशंसक समझ नहीं पा रहे हैं कि राहुल द्रविड़ के कोच रहते जीती टीम कैसे गौतम गंभीर के पास आने के बाद ऐसा कमजोर प्रदर्शन करनी लगी। द्रविड़ के बाद नए कोच के रूप में जिम्मेदारी गंभीर को दी गई थी। गंभीर के कोच बनने के बाद टीम को करीब चार झटके लगे हैं। भारतीय टीम को सिडनी टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा। इससे वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप २०२५ से भी बाहर हो गयी। उसे न्यूजीलैंड से घरेलू सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। श्रीलंका तक से उसे हार मिली जबकि उम्मीद की जा रही थी कि गंभीर टीम को और ऊपर ले जाएंगे।

टीम इंडिया पिछले एक दशक से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतती आ रही थी। लगातार चार सीरीज में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराया था। इस दौरान दो बार ऑस्ट्रेलिया को उन्हीं के घर पर हराया गया। गाबा में ऑस्ट्रेलिया को करीब ३० साल बाद हराने का अवसर भी भारतीय टीम को मिला। अब गंभीर की कोचिंग में भारत का यह विजय अभियान टूट गया है। आईसीसी द्वारा तीसरी बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। पहले दो अवसर पर टीम इंडिया फाइनल में जगह बनाने में सफल रही पर खिताब नहीं जीत पाई। गंभीर राज में भारत अब फाइनल तक भी नहीं पहुंची है। न्यूजीलैंड की टीम जब पिछले साल भारत दौरे पर आई तो हर क्रिकेट प्रशंसक को लग रहा था कि यह सीरीज आसानी से जीतकर भारतीय टीम डल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाएगी पर ऐसा हुआ नहीं। इस सीरीज में ०-३ से हार गई। साल २०१२ के बाद यह पहला मौका था जब भारतीय टीम अपने घर पर किसी सीरीज के सभी मैच हारी थी।

रणजी ट्रॉफी खेलकर तकनीकी गलतियों को ठीक करें भारतीय टीम के खिलाड़ी: गावस्कर

सिडनी । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम के सभी खिलाड़ियों से रणजी ट्रॉफी में खेलने को कहा है। गावस्कर ने कहा कि रणजी खेलकर खिलाड़ी अपनी तकनीकी कमियों को दूर कर सकते हैं। उनका मानना है कि इससे न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने बल्लेबाजी में जो गलतियां की थी वह ठीक होंगी। गावस्कर ने कहा कि न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारतीय बल्लेबाज अपनी गलतियों के कारण विफल रहे थे। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी ही धरती पर ०-३ से हार का सामना करना पड़ा जबकि ऑस्ट्रेलिया में टीम को १-३ से हार झेलनी पड़ी। गावस्कर ने कहा, २३ जनवरी से रणजी ट्रॉफी का अगला दौर है। उसमें सभी फिट खिलाड़ियों को खेलना चाहिये। उसमें नहीं खेलने के लिए जो भी बहाना बनाये उसे भारतीय टीम में जगह नहीं दें। उनका मानना था कि अगर खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी नहीं खेलते हैं, तो कोच गौतम गंभीर को उनके खिलाफ सख्त रवैया अपनाना चाहिये।

उन खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त फैसले लेने ही होंगे। उन्होंने कहा, गंभीर को कहना चाहिए कि तुम्हारे पास वह प्रतिबद्धता नहीं है। हमें प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। तुम खेल नहीं रहे हो, तुम जो करना चाहते हो करो पर तुम्हें टेस्ट टीम में जगह नहीं मिलेगी। गावस्कर ने यह भी कहा कि भारतीय बल्लेबाजों के रवैये में जो खामियां आई हैं वे घरेलू क्रिकेट के जरिये ही ठीक की जा सकती हैं। मैंने जो देखा वह तकनीकी कमियां थीं। यदि आप समान गलतियां कर रहे हैं, तो आपको इन्हें सुधारने की जरूरत है। यह सिर्फ इस सीरीज की बात नहीं है, बल्कि न्यूजीलैंड सीरीज के दौरान भी यही हुआ था। साथ ही कहा कि आगामी २०२५-२०२७ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र को देखते हुए घरेलू क्रिकेट के महत्व को स्वीकार कतरे हुए भारत को अब युवा क्रिकेटरों जैसे यशस्वी जायसवाल और नितीश कुमार रेड्डी पर अधिक ध्यान देना चाहिए।गावस्कर ने कहा, वे देश और टीम के लिए नाम कमाने के लिए भूखे हैं। ऐसे खिलाड़ियों की ही हमें जरूरत है।

लीजेंड ९० लीग में दिल्ली रॉयल्स की कप्तानी करेंगे धवन

नई दिल्ली । अगले माह होने वाले लीजेंड ९० लीग में भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन दिल्ली रॉयल्स की कप्तानी करते नजर आयेंगे। इस टीम में न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर रोस टेलर, वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज लेंडल सिमंस, श्रीलंका के एंजेलो परेरा, भारतीय ऑलराउंडर बिपुल शर्मा और वेस्टइंडीज के ग्याद एमरिट भी शामिल रहेंगे। लीग में ७ फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी और कई कई पूर्व क्रिकेटर भी नजर आयेंगे। मन्नत समूह के स्वामित्व वाली दिल्ली रॉयल्स की टीम राष्ट्रीय राजधानी की भावना और गौरव का प्रतीक है। टीम के मालिकों ने कहा कि अनुभव और कौशल से भरपूर उनकी टीम बेहतर प्रदर्शन करेंगी। मन्नत ग्रुप के चेयरमैन देवेंदर कादयान ने कहा कि, हमें पूरा विश्वास है कि धवन और टेलर जैसे खिलाड़ियों के रहते दिल्ली रॉयल्स लीजेंड ९० लीग में एक बेंचमार्क स्थापित करेगी। हमने ऐसी टीम तैयार करने की कोशिश की है जो, मैदान के अंदर और बाहर दोनों ही जगह मजबूती से एक दूसरे के साथ खड़ी रहे। वहीं ग्रुप के प्रतिनिधि मंदीप मलिक ने कहा कि, हम काफी भाग्यशाली हैं, जो टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए हमें इतने बेहतरीन खिलाड़ी मिल पाए हैं। शिखर धवन, रॉस टेलर, लेंडल सिमंस जैसे कई दिग्गजों से सजी हमारी टीम अनुभव और प्रतिभा से भरी हुई है।

स्पेन में ला लिगा फुटबॉल मैच में खेलते हुए रियल मैड्रिड की ओल्गा कैमरुन और एटलिटको मैड्रिड के जेनसन।

ऑक्सीजन देने वाले वृक्ष के आध्यात्मिक रहस्य

हर धर्म में पेड़, पौधे और वृक्षों का बहुत महत्व है, परंतु इसको कोई महत्व नहीं देता है। जिस देजी से वृक्ष कटते जा रहे हैं उससे धरती का पर्यावरण ही नहीं बदल रहा है बल्कि जीवन में संकट में हो चला है। धरती पर ऑक्सीजन का निर्माण करने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वृक्ष नहीं होंगे तो एक दिन वायु भी नहीं होगी और वायु नहीं होगी तो फिर मानव भी नहीं होगा। आओ जानते हैं वृक्ष के 20 रहस्य।

- शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एक पीपल, एक नीम, दस इमली, तीन कैथ, तीन बेल, तीन आंवला और पांच आम के वृक्ष लगाता है, वह पुण्यात्मा होता है और कभी नरक के दर्शन नहीं करता। इसी तरह धर्म शास्त्रों में सभी तरह से वृक्ष सहित प्रकृति के सभी तत्वों के महत्व की विवेचना की गई है।
- भारतीय धर्म मानता हैं कि प्रकृति ही ईश्वर की पहली प्रतिनिधि है। प्रकृति के सारे तत्व ईश्वर के होने की सूचना देते हैं। इसीलिए प्रकृति को देवता, भगवान और पितृ माना गया है। यहां प्रत्येक देवी और देवता से एक वृक्ष, एक पशु या एक पक्षी जुड़ा हुआ है। यहां तक की ग्रह और नक्षत्र भी जुड़े हुए हैं। धर्म मानता है कि दूरस्थ स्थिति ध्रुव तारा भी हमारे जीवन को संचालित कर रहा है। फिर हिमालय के ग्लेशियर और चंद्रमा के तो कहने ही क्या। संपूर्ण ब्रह्मांड एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। एक कड़ी टूटी तो सबकुछ बिखर जाएगा। यह ब्रह्मांड उल्टे वृक्ष की भांति है।
- धर्मानुसार पांच तरह के यज्ञ होते हैं जिनमें से दो यज्ञ- देवयज्ञ और वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति को समर्पित है। दोनों ही तरह के यज्ञों का वैज्ञानिक और धार्मिक महत्व है। देवयज्ञ से जलवायु और पर्यावरण में सुधार होता है तो वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति और प्राणियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का तरीका है। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्त्तव्य समझना उन्हें अन्न-जल देना ही भूतयज्ञ या वैश्वदेव यज्ञ कहलाता है।
- हिन्दू धर्मानुसार वृक्ष में भी आत्मा होती है। वृक्ष संवेदनशील होते हैं और उनके शक्तिशाली भावों के माध्यम से आपका जीवन बदल सकता है। प्रत्येक वृक्ष का गहराई से विश्लेषण करके हमारे ऋषियों ने यह जाना की पीपल और वट वृक्ष सभी वृक्षों में कुछ खास और अलग है। इनके धरती पर होने से ही धरती के पर्यावरण की रक्षा होती है। यही सब जानकर ही उन्होंने उक्त वृक्षों के संवरक्षण और इससे मनुष्य के द्वारा लाभ प्राप्ति के हेतु कुछ विधान बनाए गए उन्ही में से दो है पूजा और परिक्रमा।
- स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन-नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है।
- अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल के औषधीय गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण पीपल के वृक्ष को 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। पीपल के वृक्ष में जड़ से लेकर पत्तियों तक तैंतीस कोटि देवताओं का वास होता है और इसलिए पीपल का वृक्ष प्रातः पूजनीय माना गया है। उक्त वृक्ष में जल अर्पण करने से रोग और शोक मिट जाते हैं। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, 'हे पार्थ वृक्षों में मैं पीपल हूं।'
अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दुःख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन-पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है। सड़क के किनारे पीपल का वृक्ष लगाने, तथा उसका पालन करने वाला देवलोक प्राप्त करता है। पीपल के वृक्षों का रोपण करने वाला इस लोक में तो कीर्ति प्राप्त करता है, मृत्युपरांत भी मोक्ष को प्राप्त होता है। इसमें संदेह नहीं है।
- बरगद को वटवृक्ष कहा जाता है। हिंदू धर्म में वट सावत्री नामक एक त्योहार पूरी तरह से वट को ही समर्पित है। हिंदू धर्मानुसार चार वटवृक्षों का महत्व अधिक है। अक्षयवट, पंचवट, वंशीवट, गयावट और सिद्धवट के बारे में कहा जाता है कि इनकी प्राचीनता के बारे में कोई नहीं जानता। संसार में उक्त चार वटों को पवित्र वट की श्रेणी में रखा गया है। प्रयाग में अक्षयवट, नासिक में पंचवट, वृंदावन में वंशीवट, गया में गयावट और उज्जैन में पवित्र सिद्धवट है।
- **आम है खास** : हिंदू धर्म में जब भी कोई मांगलिक कार्य होते हैं तो घर या पूजा स्थल के द्वार व दीवारों पर आम के पत्तों की लड़ लगाकर मांगलिक उत्सव के माहौल को धार्मिक और वातावरण को शुद्ध किया जाता है। अक्सर धार्मिक पांडाल और मंडपों में सजावट के लिए आम के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। 5 या अधिक आम के वृक्षों का रोपण पालन करने वाला अनेक दुर्लभ यज्ञों के फल को प्राप्त कर सकता है।
- **भविष्यवक्ता शमी** : विक्रमादित्य के समय में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य वराहमिहिर ने अपने बृहतसंहिता' नामक ग्रंथ के 'कुसुमलता' नाम के अध्याय में वनस्पति शास्त्र और कृषि उपज के संदर्भ में जो जानकारी प्रदान की है उसमें शमीवृक्ष अर्थात खिजड़े का उल्लेख मिलता है। वराहमिहिर के अनुसार जिस साल शमीवृक्ष ज्यादा फूलता-फलता है उस साल सूखे की स्थिति का निर्माण होता है। विजयादशमी के दिन इसकी पूजा करने का एक तात्पर्य यह भी है कि यह वृक्ष आने वाली कृषि विपत्ती का पहले से संकेत दे देता है जिससे किसान पहले से भी ज्यादा पुरुषार्थ करके आनेवाली विपत्ती से निजात पा सकता है।
- जो मनुष्य अपने घर में फलदार पेड़, पौधे आदि लगाता है और उसकी भली भांति देखभाल करता है, उसे आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- जो मनुष्य 5 वट वृक्षों का रोपण और उसका पालन किसी चौराहे या मार्ग में करता है तो, उसकी सात पीढ़ियां तर जाती है। जो मनुष्य नीम के वृक्ष जितने अधिक लगाता है उतनी अधिक उसकी पीढ़ियां तर जाती है.
- वृक्षों के बाग या वाटिका लगाने वाला प्रसिद्धि प्राप्त करता है।
- जो भी व्यक्ति बिल्व वृक्ष का रोपण शिव मंदिर में करता है वह अकाल मृत्यु से मुक्त हो जाता है।
- घर में तुलसी, आंवला, निर्गुण्डी, अशोक, आदि के वृक्ष शुभ फलदायी होते हैं। शीशम के 11 वृक्ष को सड़क पर लगाने से यह लोक और परलोक दोनों ही संवर जाते हैं।
- कनक चम्पा के 2 वृक्ष लगाने वाले का सर्वार्थ कल्याण हो जाता है।
- 5 या अधिक महुआ के वृक्षों का रोपण और पालन करने वाला धन प्राप्त करता है। तथा उसे अनुरूप यज्ञों का फल भी प्राप्त होने लगता है।
- जो भी मनुष्य सड़क के किनारे 2 या 2 से अधिक मौलश्री के वृक्षों का रोपण एवं पालन करता है। वह एक सौ यज्ञों को करने का पुण्य प्राप्त करता है।
- जो भी मनुष्य 5 या अधिक अशोक वृक्ष का रोपण और पालन करता है, उसके घर परिवार में कभी भी अकाल मृत्यु नहीं होती है। उसके यहां अचानक कोई बड़ी मुसीबत खड़ी नहीं होती तथा उसे आगामी जन्म में पुण्यात्मा होने का सौभाग्य प्राप्त होता है।
- जो मनुष्य 5 पलास के वृक्षों का रोपण और पालन करते हैं। उसे 10 गौवों के दान के समतुल्य पुण्य लाभ मिलता है। पलास के वृक्षों को सड़क के किनारे अथवा किसी बड़े क्षेत्र में रोपना चाहिए। इसका रोपण घर में नहीं करना चाहिए।
- जो भी मनुष्य 2 या अधिक हारसिंगार (पारिजात) के पौधों का रोपण श्री हनुमानजी के मंदिर में अथवा नदी के किनारे या किसी भी सामाजिक स्थल पर करता है तो उसे एक लक्ष्य तोला स्वर्णदान के समतुल्य पुण्य प्राप्त होता है तथा उसे जीवन भर श्री हनुमानजी की कृपा मिलती रहती है।
- जो भी व्यक्ति सोमवार के दिन, प्रदोष वाले दिन, शिवरात्री को, श्रावणमास में किसी भी दिन अथवा शिवयोग वाले दिन 5 या अधिक बिल्व वृक्षों का रोपण और उसका नियमित पालन भी करता है तो उसे शिवलोक प्राप्त होता है। यदि इन वृक्षों को कोई भी मनुष्य शिव मंदिर में या मंदिर के समीप रोपण करता है तो निश्चय ही वह कोटि कोटि पुण्य का भागीदार तो होता ही है और उसे व उसके परिवार पर भगवान शिव की असीम अनुकम्पा भी प्राप्त होती है।

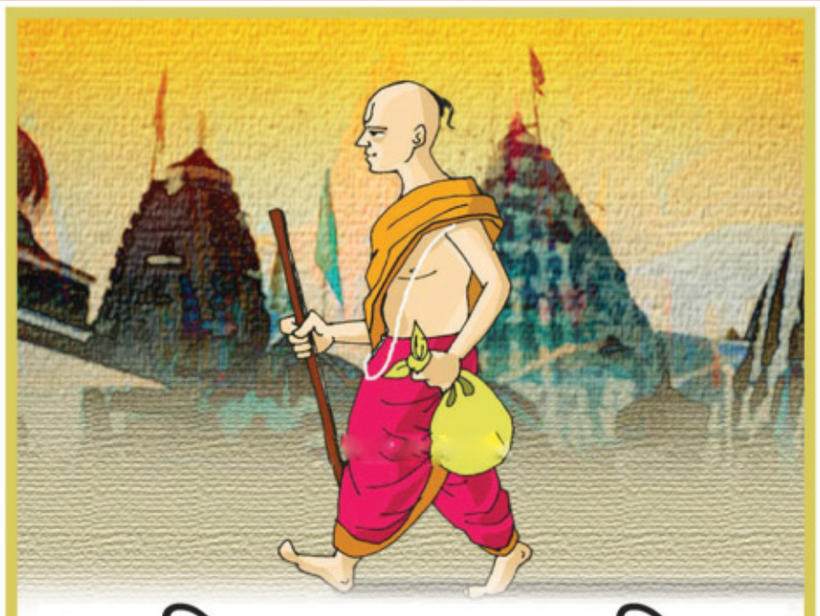

परिक्रमा या प्रदक्षिणा के 10 प्रकार

सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं और सभी ग्रहों को साथ लेकर यह सूर्य महासूर्य की परिक्रमा कर रहा है। संपूर्ण ब्रह्माण में चक्र और परिक्रमा का बड़ा महत्व है। भारतीय धर्मों (हिन्दू, जैन, बौद्ध आदि) में पवित्र स्थलों के चारो ओर श्रद्धाभाव से चलना 'परिक्रमा' या 'प्रदक्षिणा' कहलाता है। आओ जानते हैं कि किन किन की परिक्रमा की जाती है या कितने प्रकार की परिक्रमा की जाती है। ये हैं प्रमुख 10 परिक्रमाएं -

देवमंदिर परिक्रमा
जैसे देव मंदिर में जगन्नाथ पुरी परिक्रमा, रामेश्वरम, तिरुवन्नमल, तिरुवनन्तपुरम, शक्तिपीठ, ज्योतिर्लिंग आदि।

देव मूर्ति परिक्रमा
देवमूर्ति में शिव, दुर्गा, गणेश, विष्णु, हनुमान, कार्तिकेय आदि देवमूर्तियों की परिक्रमा करना।

नदी परिक्रमा
जैसे नर्मदा, सिंधु, सरस्वती, गंगा, यमुना, सरयु, क्षिप्रा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी परिक्रमा आदि।

पर्वत परिक्रमा
जैसे गोवर्धन परिक्रमा, गिरनार, कामदगिरि, मेरू पर्वत, हिमालय, नीलगिरी, तिरुमलै परिक्रमा आदि।

वृक्ष परिक्रमा
जैसे पीपल और बरगद की परिक्रमा करना।

तीर्थ परिक्रमा
जैसे चौरासी कोस परिक्रमा, अयोध्या, उज्जैन या प्रयाग पंचकोशी यात्रा, राजिम परिक्रमा, सप्तपुरी आदि।

चार धाम परिक्रमा
जैसे छोटा चार धाम (केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री) परिक्रमा या बड़ा चार धाम (बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम) यात्रा।

भरत खण्ड परिक्रमा
अर्थात संपूर्ण भारत की परिक्रमा करना। परिवाजक संत और साधु ये यात्राएं करते हैं। इस यात्रा के पहले क्रम में सिंधु की यात्रा, दूसरे में गंगा की यात्रा, तीसरे में ब्रह्मपुत्र की यात्रा, चौथे में नर्मदा, पांचवें में महानदी, छठे में गोदावरी, सातवें में कावेरी, आठवें में कृष्णा और अंत में कन्याकुमारी में इस यात्रा का अंत होता है। हालांकि प्रत्येक साधु समाज में इस यात्रा का अलग-अलग विधान और नियम है।

विवाह परिक्रमा
मनु स्मृति में विवाह के समक्ष वधू को अग्नि के चारों ओर तीन बार प्रदक्षिणा करने का विधान बतलाया गया है जबकि दोनों मिलकर 7 बार प्रदक्षिणा करते हैं तो विवाह संपन्न माना जाता है।

माता पिता की परिक्रमा
भगवान गणेशजी ने अपने माता पिता की परिक्रमा की थी जिससे पता चलता है कि इस परिक्रमा का क्या महत्व है।

शव परिक्रमा
जब कोई किसी का अपना देह छोड़ देता है कि उसकी देह की परिक्रमा की जाती है। दाह संस्कार करते वक्त और करने के बाद मटकी से जल अर्पित करते वक्त भी परिक्रमा की जाती है।

धरती की परिक्रमा
एक बार देवताओं के बीच में धरती परिक्रमा की प्रतियोगिता हुई थी, जिसमें जीते तो भगवान कार्तिकेय थे परंतु गणेशजी ने माता पिता की परिक्रमा करके यह प्रतियोगिता जीत ली थी।

ब्रह्मांड की परिक्रमा
यह परिक्रमा नारद जी करते रहते हैं।

किस देव की कितनी बार परिक्रमा?
- भगवान शिव की आधी परिक्रमा की जाती है।
- माता दुर्गा की एक परिक्रमा की जाती है।
- हनुमानजी और गणेशजी की तीन परिक्रमा की जाती है।
- भगवान विष्णु की चार परिक्रमा की जाती है।
- सूर्यदेव की चार परिक्रमा की जाती है।
- पीपल वृक्ष की 108 परिक्रमाएं करना चाहिए।
- जिन देवताओं की प्रदक्षिणा का विधान नहीं प्राप्त होता है, उनकी तीन प्रदक्षिणा की जा सकती है।

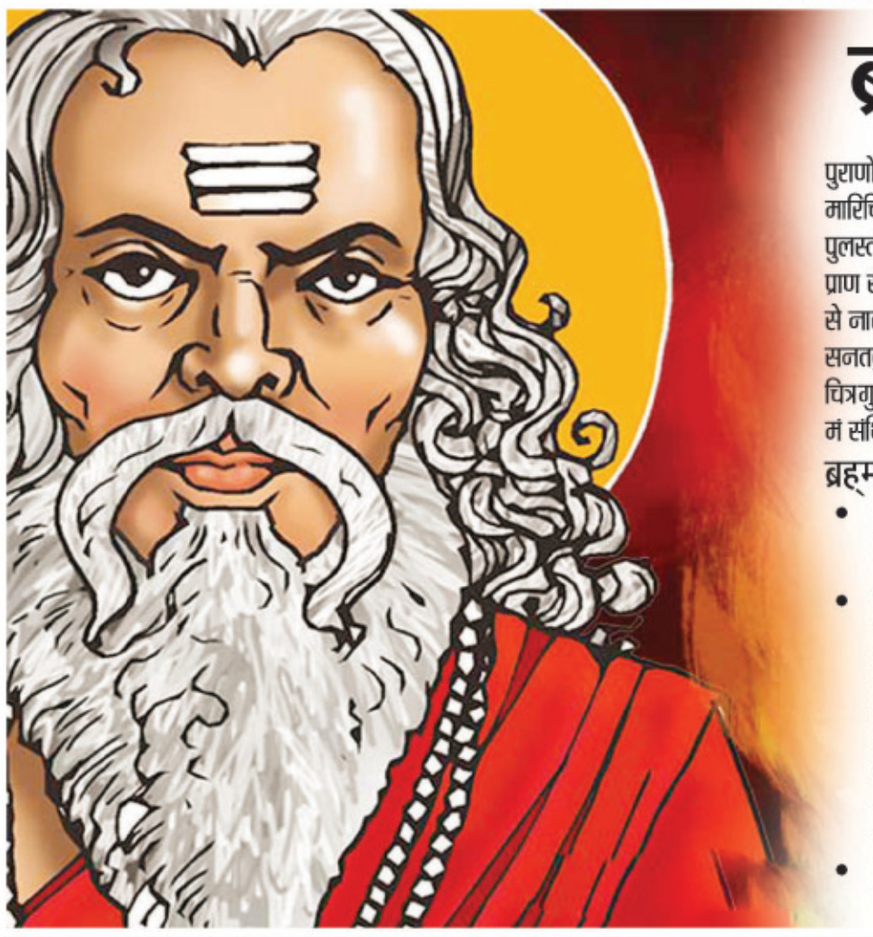

ब्रह्मा के पुत्र क्रतु ऋषि के थे 60 हजार पुत्र

पुराणों अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र- मन से मारिचि, नेत्र से अत्रि, मुख से अंगिरस, कान से पुलस्त्य, नाभि से पुलह, हाथ से कृतु, त्वचा से भृगु, प्राण से वशिष्ठ, अंगुष्ठ से दक्ष, छाया से कंदर्भ, गोद से नारद, इच्छा से सनक, सनन्दन, सनातन, सनतकुमार, शरीर से स्वायंभुव मनु, ध्यान से चित्रगुप्त आदि। आओ जानते हैं ऋषि अंगिरा के बारे मं संक्षिप्त में जानकारी।

ब्रह्मा के पुत्र कृतु ऋषि :
- कृतु या क्रतु का जन्म ब्रह्माजी के हाथ से हुआ था। क्रतु 16 प्रजापतियों में से एक हैं। इनकी गणना सप्तर्षियों में की जाती है।
- ब्रह्मा की आज्ञा से उन्होंने दक्ष प्रजापति और क्रिया की पुत्री सन्नति से विवाह किया था। कहते हैं कि क्रतु और सन्नति से 'बालिखिल्य' नाम के 60 हजार पुत्र हुए। इन बालखिल्यों का आकार अंगूठे के बराबर माना जाता है। यह सभी पुत्र भगवान सूर्य के उपासक थे। सूर्य के रथ के आगे अपना मुख सूर्य की ओर किये हुए बालखिल्य चलते हैं और उनकी स्तुति करते हैं। इन ब्रह्मर्षियों की तपस्या शक्ति सूर्यदेव को प्राप्त होती रहती है।
- पुराणों अनुसार एक बार महर्षि मरीचि के पुत्र महर्षि कश्यप एक यज्ञ कर रहे थे। उन्होंने अपने तात महर्षि क्रतु से निवेदन किया कि वे उस यज्ञ के लिए ब्रह्मा का स्थान ग्रहण करें। अपने भतीजे के निवेदन पर महर्षि क्रतु अपने 60 हजार पुत्रों के साथ महर्षि कश्यप के यज्ञ में पधारे। उसी यज्ञ में देवराज इंद्र और महर्षि क्रतु के पुत्र बालखिल्यों में विवाद हो चला तब अपने पिता और महर्षि कश्यप द्वारा बीच-बचाव करने पर बालखिल्यों ने ही पक्षीराज गरुड़ को महर्षि कश्यप को पुत्र रूप में प्रदान किया था।
- पुराणों में महर्षि क्रतु की दो बहनों- पुण्य एवं सत्यवती का भी वर्णन मिलता है। महर्षि क्रतु और सन्नति की एक पुत्री का नाम भी पुण्य था। इसके साथ ही पर्वासा नाम की एक पुत्रवधु का भी वर्णन मिलता है।
- सर्वप्रथम वेद एक रूप में ही ब्रह्मा द्वारा उत्पन्न किए गए थे। बाद में महर्षि क्रतु ने ही वेदों के चार भाग करने में उनकी सहायता की थी। आगे चलकर वराहकल्प में क्रतु ऋषि ही महाभारत काल में वेद व्यास ऋषि हुए।
- मनु के पुत्र उत्तानपाद और उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव से महर्षि क्रतु अत्यंत प्रेम करते थे। जब अपने पिता से उपेक्षित होकर ध्रुव ने परमलोक की प्राप्ति करने की सोची तो सबसे पहे वो महर्षि क्रतु के पास गया। क्रतु ने ध्रुव को भगवान विष्णु की तपस्या करने की सलाह दी। बाद में देवर्षि नारद द्वारा अनुमोदन करने पर ध्रुव ने विष्णुजी की घोर तपस्या की और उनकी कृपा से परमलोक को प्राप्त हुआ। क्रतु ऋषि नाम का एक तारा है जो ध्रुव की परिक्रमा करने में आज भी लीन है। ध्रुव के प्रति अपने प्रेम के कारण ही महर्षि क्रतु उसके समीप चले गए।
- पुराणों में महर्षि क्रतु को महर्षि अगस्त्य के वातापि भक्षण और समुद्र को पी जाने के कारण उनकी प्रशंसा करते हुए भी बताया गया है। कुछ ग्रंथों में इस बात का वर्णन है कि महर्षि क्रतु ने महर्षि अगस्त्य के पुत्र ईधवाहा को भी गोद लिया था। इसके अलावा महाराज भरत ने महर्षि क्रतु से देवताओं के चरित्र के विषय में प्रश्न किया था। तब महर्षि क्रतु ने उनकी इस शंका का समाधान किया था।
- क्रतु नाम से एक अग्नि का नाम भी है और श्रीकृष्ण और जाम्बवती के कई पुत्रों में से एक का नाम क्रतु था। प्लक्षद्वीप की एक नदी का नाम भी क्रतु है। क्रतु का एक अर्थ 'आषाढ़' भी होता है और वर्ष के इसी मास में अधिकांश यज्ञ करने का प्रावधान शास्त्रों में बताया गया है।
- मैत्रेय संहिता के अनुसार एक बार यज्ञ से प्राप्त पशुओं का देवाताओं ने विभाजन कर दिया और उन्होंने रुद्र को उस विभाजन के हिस्से में शामिल नहीं किया तब रुद्रदेव क्रोधित हो गए और उन्होंने देवताओं पर आक्रमण कर दिया। इस आक्रमण में पूषणा के दन्त, भग के नेत्र और क्रतु के अंडकोषों को नष्ट हो गए। बाद में ब्रह्माजी ने उनकी स्तुति करके उन्हें शांत किया और उन्हें 'पशुपति' की उपाधि दी। फिर रुद्रदेव ने सभी को पहले जैसा कर दिया।